दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 97 रायपुर, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 आतंक के विरुद्ध ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

एट्रेस ऋचा चड्ढा ने ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

चुनाव से ठीक पहले खरगे को चुनाव आयोग का नोटिस

पीएम मोदी को आतंकी कहने पर फंसे कांग्रेस प्रमुख

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के चुनावी माहौल में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आतंकवादी वाली टिप्पणी ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। चुनाव आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खरगे के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है।

भारतीय चुनाव आयोग ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहे जाने पर गहरा संज्ञान लिया और मामले में नोटिस जारी किया। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, इस बयान को आदर्श आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन माना गया है। नोटिस में खरगे से अगले 24 घंटों के भीतर अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। यह नोटिस तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले मतदान

से ठीक एक दिन पहले आया है।

खरगे ने प्रधानमंत्री के खिलाफ आखिर क्या टिप्पणी की थी?

विवाद की शुरुआत मंगलवार को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई। खरगे वहां अन्नाद्रमुक और भाजपा के गठबंधन की आलोचना कर रहे थे। उन्होंने पेरियार और सी.एन. अन्नादुराई की द्रविड़ विचारधारा का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि अन्नाद्रमुक के लोग मोदी के साथ कैसे जा सकते हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा था कि ये अन्नाद्रमुक के लोग... वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी हैं... वह समानता में विश्वास नहीं करते। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। इस बयान के बाद भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे कांग्रेस की ओछी राजनीति करार दिया।

विवाद बढ़ने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने क्या सफाई दी थी?

जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने इस आतंकवादी शब्द के इस्तेमाल पर स्पष्टीकरण मांगा, तो खरगे ने अपने बयान का संदर्भ बदलने की कोशिश की। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनके कहने का मतलब यह था कि प्रधानमंत्री देश के लोकतांत्रिक ढांचे को आतंकित कर रहे हैं। खरगे ने स्पष्ट किया कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब यह है कि वह अपनी शक्ति और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे हैं और विपक्षी दलों को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए किया जा रहा है।

केदारनाथ में भक्तों के लिए नई व्यवस्था लागू, अब गर्भगृह के बाहर से ही होंगे दर्शन

- मोबाइल, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी पर 70 मीटर प्रतिबंध
- सुगम दर्शन हेतु टोकन व लॉकर व्यवस्था लागू

एजेंसी, रुद्रप्रयाग

केदारनाथ में भक्त इस बार गर्भगृह के बाहर सभा मंडप से ही स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन करेंगे। गर्भगृह में दर्शनों को जाने से भारी अव्यवस्था पैदा हो जाती थी, जिस कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं देश विदेश से आने वाले यात्रियों के लिए बाबा के दर्शन सुगम व सरल हो इसके लिए भी मंदिर

समिति ने कई कदम उठाए हैं।

केदारनाथ में दर्शनो को भारी भीड़ उमडती है, जिससे दर्शन के लिए घंटों लाइन मे यात्रियों को रहना पड़ता था, इसी को देखते हुए इस बार यात्रा के शुरूआत से ही भक्त सभा मंडल से ही दर्शन कर बाहर आ जाएंगे। सभा मंडल से ही स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन करेंगे। इससे सभी भक्तों को दर्शन करने में आसानी होगी।

बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि केदारनाथ में देश विदेश से आने वाले भक्तों के सरज व सुगम दर्शन हो इसके लिए मंदिर समिति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देश में श्री केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ है बताया मुख्य मंत्री के ग्रीन यात्रा के संदेश के तहत स्वच्छता पर विशेष फोकस रहेगा।

सचिन तेंदुलकर ने छिंदनार में मल्टी स्पोर्ट्स ग्राउंड का किया उद्घाटन, बच्चों को किया जागरुक

दंतेवाड़ा (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के छिंदनार गांव में बुधवार को एक ऐतिहासिक बदलाव हुआ। क्रिकेट दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम हाई स्कूल में मल्टी स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। यह मैदान सचिन तेंदुलकर और मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित है, जिसकी फाउंडर चेतना सिन्हा भी मौजूद थीं।

सचिन, सारा और सोनिया ने बच्चों के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया और सकारात्मक माहौल बनाया। रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो–खो जैसे खेल आयोजित हुए। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ा। छिंदनार के छात्रों ने सचिन को खेल गतिविधियों की जानकारी दी। मैदान उद्घाटन के बाद सचिन ने युवा प्रतिभाओं को तराशने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के चैंपियन के लिए आधुनिक खेल सुविधाएं अनिवार्य हैं। सचिन ने क्रिकेट के अलावा वॉलीबॉल जैसे अन्य खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। फाउंडेशन 50 गांवों में ऐसे ही खेल मैदान विकसित कर रहा है।

सचिन का प्रेरणा संदेश

सचिन तेंदुलकर ने छात्रों को बताया कि उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत मैदान से की थी। उन्होंने बच्चों को हीरे बताते हुए कहा कि उन्हें तराशा जाना है। सचिन ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा को सफलता का आधार बताया। उन्होंने छात्रों से खेल के साथ पढ़ाई में संतुलन रखने का आग्रह किया। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में उनकी पत्नी अंजलि का सर्वाधिक योगदान है, जिसे अब सारा, अर्जुन और सोनिया आगे बढ़ा रहे हैं।

कलेक्टर का संबोधन और कार्यक्रम का समापन

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि बस्तर अब नक्सल मुक्त होकर विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बच्चों में अपार प्रतिभा बताते हुए सचिन और मानदेशी फाउंडेशन की पहल को सराहा। कलेक्टर ने कहा कि सही मार्गदर्शन से बस्तर के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। उन्होंने युवाओं की ऊर्जा को खेल, शिक्षा और कौशल विकास से सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सचिन को स्मृति चिन्ह और विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो दिए गए, साथ ही बच्चों ने उनके जन्मदिन का अग्रिम केक भी काटा।

साय सरकार ने तीन माह तक कर्मचारियों के छुट्टियों पर लगाई रोक, आदेश जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने पौने पांच लाख अधिकारी– कर्मचारियों की सीएल, ईएल पर तीन महीने के लिए रोक लगा दी है। जीएडी उप सचिव अंशिका पांडे ने मंगलवार की देर रात एक आदेश जारी कर कहा है कि बिना स्वीकृति के अवकाश पर जाने को ब्रेक इन सर्विस माना जाएगा। इस दौरान जनगणना के अलावा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का राज्यव्यापी ऊसुशासन तिहारऊ होना है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि प्रशासनिक कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

सरकार का मानना है कि आने वाले समय में राज्य स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और जनसंपर्क से जुड़े कार्य होने वाले हैं। सुशासन तिहार के दौरान आम जनता की समस्याओं का निराकरण और योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता में रहेगा, वहीं जनगणना जैसे राष्ट्रीय स्तर के कार्य में भी राज्य के कर्मचारियों की बड़ी भूमिका होती है। ऐसे में कर्मचारियों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि इन कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए।

जारी आदेश के अनुसार, यह व्यवस्था आगामी तीन महीनों तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान सभी विभागों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि प्रशासनिक कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। शासकीय सेवक बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अवकाश पर नहीं जा सकता। यदि कोई कर्मचारी बिना पूर्व स्वीकृति के कार्यालय से अनुपस्थित पाया जाता है, तो इसे स्वैच्छिक अनुपस्थिति माना जाएगा। इसका सीधा असर उसकी सेवा पर पड़ेगा, क्योंकि इसे ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) के रूप में दर्ज किया जा सकता है।

अगर किसी कर्मचारी को अचानक अवकाश लेना पड़ता है, तो भी नियमों में ढील नहीं दी गई है। कर्मचारी को पहले से फोन या डिजिटल माध्यम से सूचना देना अनिवार्य होगा। कार्यालय लौटने के बाद उसे इस सूचना की लिखित पुष्टि भी देनी होगी।

उदय शदाणी के जन्मदिवस पर शदाणी दरबार में जल सेवा प्रारंभ

वरिष्ठ सेवकों की स्मृति में समर्पित किया गया प्याऊ घर

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शदाणी दरबार के वर्तमान पीठाधीश संत युधिष्ठिर लाल जी के सुपुत्र उदय शदाणी का जन्मदिन शदाणी दरबार के सेवादारियों ने सादगीपूर्ण तरीके से मनाया। इस अवसर पर दरबार की पार्किंग सेवा में विशेष सेवादारी श्याम चावला के मार्गदर्शन में जल सेवा प्रारंभ की गई।

मीडिया प्रभारी विक्की पंजवानी ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए माना कैम्प निवासी बंगाली कारीगरों द्वारा बाँस से प्याऊ घर बनवाया गया है। श्याम चावला ने उदय शदाणी के जन्मदिन पर इस प्याऊ घर को वरिष्ठ शदाणी सेवकों की स्मृति में समर्पित किया।

शदाणी दरबार की परंपरा 'मानव सेवा ही माधव सेवा' को आगे बढ़ाते हुए सभी सेवादारियों ने जनसेवा का संकल्प लिया।

इस अवसर पर श्याम चावला, अजय छत्रे, महेश मिरघानी, अजय वैध, अमित चावला, गुंजन प्रजापति, वशिष्ठ चावला, मोहन होतवनी, श्याम शदाणी, अगस्ती, संदीप सहित अन्य सेवादारी उपस्थित रहे।

ईडी की 13 स्थानों पर छापेमारी

- कागजों में हो गया 1478 करोड़ का निर्यात, फर्जी कंपनियों के जरिए धन की तस्करी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने देश में 13 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत छापेमारी की है। यह रेड, मेसर्स राजेश्वर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के मामले में चल रही जांच के सिलसिले में हुई है। इसमें अवैध विदेशी धन प्रेषण शामिल है। तीन मुल्कों के साथ कारोबार हुआ। ईडी के मुताबिक, कागजों में 1478 करोड़ रुपये का निर्यात हो गया। फर्जी कंपनियों के जरिए धन की तस्करी छिपाई गई।

ईडी की रेड, महाराष्ट्र में नौ, दिल्ली में दो और आंध्र प्रदेश में दो स्थानों पर हुई है। इसमें कथित लाभार्थियों, प्रमुख संचालकों, बुलियन व्यापारियों और सहकारी ऋण समितियों के परिसर शामिल थे, जो धन के हस्तांतरण में शामिल थे। इस मामले में धन विदेश भेजा गया था। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए गए हैं। ईडी ने मुंबई के एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन में रितेश अमृतलाल जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर इस केस की जांच शुरू की है। इसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और धन की हेराफेरी के लिए फर्जी संस्थाओं व फर्मों का नेटवर्क बनाने का आरोप लगाया गया है।

जांच से पता चला कि अपराध से प्राप्त धन को रितेश अमृतलाल जैन के कर्मचारियों/सहयोगियों के नाम पर बनाई गई कई संस्थाओं के माध्यम से, जिनमें मेसर्स राजेश्वर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है, आयात–निर्यात लेनदेन की आड़ में विदेशों में भेजा गया था।

पश्चिम एशिया संकटः भारतीय नाविक सुरक्षित घरेलू एलपीजी सप्लाई और ईंधन-गैस वितरण निर्बाध

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे ईरान–अमेरिका और इजराइल संघर्ष के दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि पेट्रोलियम और गैस सप्लाई में आ रही अड़चनों के बावजूद देश में तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य है। साथ ही दावा किया है कि जल मार्ग से देश से बाहर ढुलाई का कार्य कर रहे सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, घरेलू एलपीजी आपूर्ति सामान्य स्तर पर लौट आई है और ईंधन–गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने यहां राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में रोजाना अंतर मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज पर कोई घटना दर्ज नहीं हुई है और हमारे नाविक सुरक्षित हैं। भारतीय ध्वज वाला क्रूड ऑयल टैंकर देश की सीमा में 18 मार्च को सुरक्षित रूप से प्रवेश कर चुका है और 31 भारतीय नाविकों के साथ आज शाम मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। मंत्रालय अब तक 2,615 भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी करा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 25 नाविक शामिल हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति सामान्य स्तर पर लौट आई है। अप्रैल में एक लाख टन से अधिक एलपीजी की आपूर्ति की गई है और एक लाख से अधिक सिलेंडर वितरण में हैं। सरकार पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा दे रही है और कनेक्शन व अवसंरचना में तेजी से वृद्धि हो रही है। नए एलपीजी ग्राहकों की संख्या भी बढ़ी है और रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। हाल ही में हजारों छापेमारी की गई हैं और सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल विपणन कंपनियां भी जमाखोरी और अवैध बिक्री रोकने के लिए आकस्मिक निरीक्षण कर रही हैं।

सिर्फ एक पड़ोसी देश...,

पहलगाम हमले की पहली बरसी पर राजनाथ सिंह की पाक को 'डॉट-डॉट-डॉट' वाली चेतावनी

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को बिना नाम लिए कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, 'सभी पड़ोसी ठीक हैं, सिर्फ एक पड़ोसी परेशानी पैदा करता है।

अगर वह फिर से मुसीबत खड़ा करने की कोशिश करेगा तो 'डॉट, डॉट, डॉट'। मंगलवार को बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने यह बयान दिया।

राजनाथ सिंह की पाक को चेतावनी

न्यूज एजेंसी हृद्ध के वीडियो में उन्होंने कहा, 'हमने कभी किसी देश पर पहले हमला नहीं किया, लेकिन अगर कोई पड़ोसी परेशानी पैदा करेगा तो (डॉट डॉट डॉट)।'

उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने पहले ही अपनी ताकत दिखा दी है और अब हमारी सैन्य क्षमता पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है।

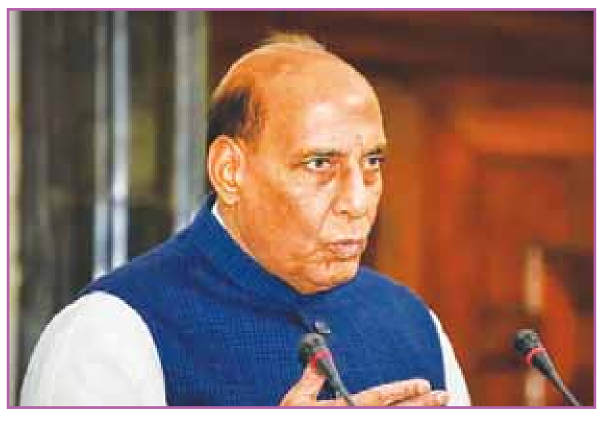

पहलगाम हमले की पहली बरसी

गौरतलब है कि ठीक एक साल पहले 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम की घाटी में परतकों को निशाना साधा था। इस हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे।

भारत ने इसके जवाब में 8 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया, जिसमें पाकिस्तान में 9 आतंकी लॉन्चपैड्स को नेस्तनाबूद कर दिया गया था। अगले दिन 11 पाकिस्तानी एयरबेस भी निशाने पर लिए गए।

इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि पहले भारत रक्षा उपकरणों का आयातक था, लेकिन अब निर्यातक बन गया है। इस बार लगभग 39,000 करोड़ रुपये के रक्षा सामान निर्यात किए गए हैं।

यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हालिया भड़काऊ बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने भारत पर 'फॉल्स फ्लैग' ऑपरेशन का आरोप लगाते हुए धमकी भरे शब्द कहे थे।

रक्षा मंत्री का संदेश साफ है– भारत शांतिप्रिय है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के लिए किसी भी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है। पहलगाम हमले की बरसी पर देश शहीदों को याद कर रहा है और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./30539/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 22.04.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 30539
वार्ड का नाम - 41- पं. सुंदर लाल शर्मा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 41 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR566F00192 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती TEJIRAM DEWANGAN, पिता/पति श्री/श्रीमती RAM SWARUP के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती RAJENDRA KUMAR AGRAWAL पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. HAR PRASAD JI AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30647/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30647
वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802K00056 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANISH KUMAR SONI पिता/पति श्री/श्रीमती PREMSHANKAR SWARNAKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती DEEPAK KUMAR MISHRA पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI SHIV NARAYAN MISHRA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30649/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 22/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30649
वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802J00560 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती JAYLAL SAHNI पिता/पति श्री/श्रीमती GAJADHAR SAHNI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती YOGESHWARI DHURANDHAR पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI DULESHWAR DHURANDHAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771-4903223
email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत शंकर नगर, रायपुर में स्थित एस टाईप फ्लैट क्र. एस/01, सेक्टर-01, श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता श्री सुवालाल अग्रवाल को इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्र.-6306 दिनांक 10.05.2005 के माध्यम से आबंटित है। वर्तमान में आबंटी श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता श्री सुवालाल अग्रवाल, की मृत्यु दि. 11.12.2024 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री नितिन अग्रवाल पिता स्व. राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, निवासी म.नं.-27, गवरमेंट विद्यालय के पीछे, राम मनोहर लोहिया नगर, मोवा, पंडरी, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारिसानों का सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उपरोक्त फ्लैट को उनके पुत्र श्री नितिन अग्रवाल पिता स्व. राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त फ्लैट के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-02, रायपुर

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मैं, परीनय प्रलय नशीने पिता प्रलय हरिकिशन नशीने निवासी 320/93 कबीर नगर, निखिल विहार, नियर वॉलफोर्ट पैनोरमा बोरिया खुर्द रायपुर तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.) ने अपने पिता का पुराना नाम प्रलय हरिकिशन पिता हरिकिशन भोंदू साओ नशीने बदल दिया है।

अत: भविष्य में मेरे पिता को मेरे सभी सरकारी एवं अन्य दस्तावेजों में उनके नए नाम प्रलय हरिकिशन नशीने पिता हरिकिशन भोंदू साओ नशीने से पहचाना जाए।

प्रलय हरिकिशन नशीने
320/93 कबीर नगर, निखिल विहार, नियर वॉलफोर्ट पैनोरमा बोरिया खुर्द रायपुर तहसील एवं जिला रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार//

क्रमांक/ .../अ-06/2025-26
रायपुर, दिनांक 13/04/2026
ग्राम फाफाडीह प.ह.नं. 57
तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलदेव सिंह मुककर पिता स्व. श्री प्रकाश सिंह मुककर निवासी पीली बिल्डीग के सामने साहूपारा फाफाडीह रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम फाफाडीह प.ह.नं.48 रा.नि.मं. रायपुर 03 तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि परिवर्तित भूमि भूखंड क्रमांक 31/3 रकबा 154 वर्गफुट भूखंड क्रमांक 52 रकबा 151 वर्गफुट तथा भूखंड क्रमांक 62/3 रकबा 179 वर्गफुट कुल भूखंड 3 कुल रकबा 484 वर्गफुट भूमि के भूमिस्वामी श्रीमती बिलमा कौर पति श्री प्रकाश सिंह के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी श्रीमती बिलमा कौर पति श्री प्रकाश सिंह की मृत्यु दिनांक 04.06.2014 को हो चुका है। आवेदक के द्वारा उक्त भूमि के भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उक्त भूमि में विधिक वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन सह-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 27/04/ 2026 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छत्तीसगढ़)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग कोण्डागाँव, छत्तीसगढ़ कोड क्रमांक-041
email:- eewrkon@cgwrd.in

ज्ञा.क्रमांक/864/व.ले.लि./2026-27 कोण्डागाँव, दिनांक 06/04/2026

-:: निविदा निरस्तीकरण आदेश ::-

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 19/वलेलि/2025-26 दिनांक 09.01.2026 सिस्टम निविदा क्रमांक 183411 G -252605971 द्वारा छ.ग. राज्य के कोण्डागाँव जिले के विकासखण्ड फरसगाँव के चनियागाँव एनीकट का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) राशि रूपये 292.52 लाख का निविदा आमंत्रित किया गया था। जिसे कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, शिवनाथ भवन सेक्टर-19 नार्थ ब्लॉक, नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर (छ.ग.) के पृ. क्र. 4264030/निविदा प्रकोष्ठ/2026/4343 (TC) रायपुर दिनांक 16.03.2026 के अनुसार उक्त प्रथम निविदा आमंत्रण में योग्य निविदाकार की संख्या केवल एक होने के कारण उक्त निविदा को निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रण किया जाना है।

अतः G -252605971 सिस्टम निविदा क्रमांक 183411 निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 19/वलेलि/2025-26 दिनांक 09.01.2026 को एतद् द्वारा निरस्त की जाती है एवं पुनः निविदा आमंत्रित करने की कार्यवाही की जाती है।

संलग्न :- शून्य ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोण्डागाँव
जला-कोण्डागाँव (छ.ग.)

G-262700327/7

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 को

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आगामी 26 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह परीक्षा राज्य के 16 जिलों में आयोजित की जा रही है। जिसमें लगभग 2 लाख 47 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिसमें प्रदेश के 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित परीक्षार्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केंद्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन करें। ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे उनकी फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र के माध्यम से सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जा सके। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिए जाएंगे, जिसके पश्चात किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आने के लिए कहा गया है। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी तथा गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े पहनना पूर्णतः वर्जित रहेगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा, जहां अतिरिक्त सुरक्षा जांच के उपरांत ही उन्हें ऐसी पोशाक में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनकर ही आएं। कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना वर्जित रहेगा। परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार के संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट एवं टोपी आदि ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा उसकी अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों को केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी।

कलेक्टर जयवर्धन ने ली खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक विभागीय योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में आज खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, जिला विपणन अधिकारी, नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी तथा सहकारी समितियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-केवाईसी कार्य में प्रगति पर जताई नाराजगी-

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में राशन कार्ड धारकों के ई-केवाईसी की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने ई-केवाईसी कार्य में अपेक्षित प्रगति न आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने माह अप्रैल से जून 2026 के दौरान खाद्यान्न वितरण की स्थिति, धान उठाव एवं चावल जमा की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।

भण्डारण एवं भौतिक सत्यापन की हुई समीक्षा-

कलेक्टर ने बैठक में भण्डारण व्यवस्था, उचित मूल्य दुकानों के भौतिक सत्यापन एवं उन पर की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की। उन्होंने खाद्य अधिकारी एवं खाद्य निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, ताकि वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

कोई भी पात्र हितग्राही न रहे वंचित-

बैठक में जिले में संचालित उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति खाद्यान्न वितरण से वंचित न रह सके।

पारदर्शिता एवं रीयल टाइम मॉनिटरिंग पर जोर-

कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, ई-पॉस मशीनों का नियमित उपयोग, वितरण की रीयल टाइम मॉनिटरिंग तथा शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ एवं जवाबदेह बनाए रखने हेतु सतत प्रयास किए जाएं।

आवासीय खेल अकादमी रायपुर में प्रशिक्षण हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 28-29 अप्रैल एवं 30 अप्रैल से 1 मई तक

महासमुंद। रायपुर में संचालित विभागीय आवासीय खेल अकादमी तीरंदाजी (बालक/बालिका), फुटबॉल (बालिका) एवं वेटलिफ्टिंग (बालक/बालिका) चयन ट्रायल का आयोजन 28 एवं 29 अप्रैल 2026 को तथा हॉकी (बालक/बालिका) एवं एथलेटिक्स (बालक/बालिका) का चयन ट्रायल का आयोजन 30 अप्रैल से 01 मई 2026 तक समय प्रातः 07.00 बजे से खेल अकादमी संचालन नियम 2014 के अनुसार किया जा रहा है। इस चयन ट्रायल में राज्य के बालक/बालिका खिलाड़ी एवं अन्य राज्यों के 13-17 आयु वर्ग के खिलाड़ी सम्मिलित हो सकते है। जिसमें प्रथम दिवस खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज परीक्षण, चिकित्सकीय परीक्षण एवं शारीरिक दक्षता परीक्षण स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा, रायपुर में तथा द्वितीय दिवस खेल कौशल परीक्षण तीरंदाजी खेल चयन ट्रायल हेतु तीरंदाजी एरिना बालिका खेल छात्रावास के सामने मैदान रायपुर में, हॉकी खेल चयन ट्रायल हेतु सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पिच-02 बालक खेल छात्रावास के सामने रायपुर में तथा फुटबॉल, एथलेटिक्स एवं वेटलिफ्टिंग खेल हेतु स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा, रायपुर में किया जाएगा। चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयन समिति के द्वारा खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। खेल अकादमी संचालन नियम 2014 अंतर्गत अंतिम रूप से चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक व्यय, खेल परिधान, प्लेईंग किट, दुर्घटना बीमा आदि सुविधाएं शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। आवासीय खेल अकादमी, हेतु चयन ट्रायल का आयोजन निर्धारित तिथि और स्थल पर किया जाएगा। चयन ट्रायल में सम्मिलित होने हेतु खिलाड़ी खेल एवं युवा कल्याण के जिला कार्यालय से संपर्क कर सकते है, साथ ही खिलाड़ी सीधे आयोजन तिथि के प्रथम दिवस स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा रायपुर में प्रातः 07:00 बजे से पंजीयन करा कर सम्मिलित हो सकते है।

कलेक्टर ने ली जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विकासखंडवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कार्यों में अनावश्यक विलंब और निर्देशों की अवहेलना करने वाले ठेकेदारों के अनुबंध निरस्त करने के निर्देश दिए हैं।

नोटिस के बाद भी कार्य में लापरवाही-

कलेक्टर श्री वसंत ने समीक्षा के दौरान पाया कि पूर्व में दिए गए नोटिस के बावजूद कई ठेकेदारों द्वारा नलकूप खनन और निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाई गई है। नलकूप खनन कार्य में लगे तीन ठेकेदारों में मेसर्स पीटी नायडू को अनुबंधित दो कार्यों के लिए 7 अक्टूबर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 10 नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार मेसर्स महावीर बोरवेल्स को अनुबंधित तीन कार्यों के लिए 7 अक्टूबर 2024, 02 दिसम्बर 2024, 30 दिसम्बर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 18 नोटिस जारी किया गया है। वहीं मेसर्स शिव शक्ति बोरवेल्स को अनुबंधित दो कार्यों के लिए 14 मई 2024, 7 अक्टूबर 2024, 02 दिसम्बर 2024, 31 दिसम्बर 2024, 28 फरवरी 2025, 23 अप्रैल 2025, 22 जनवरी 2026 को कुल 09 नोटिस जारी किया गया है। इसके बावजूद संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य में सुधार नहीं किया गया, जिसके चलते अनुबंध निरस्त करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में एकल ग्राम योजना के तहत कार्यों में धीमी गति वाले तीन अन्य ठेकेदारों में मेसर्स महेंद्र बिल्डकॉन को अनुबंधित एक कार्य के लिए 21 नवम्बर 2024, 16 जून 2023, 03 मार्च 2026 को कुल 03 नोटिस जारी किया गया है। वहीं मेसर्स गुरूदेव कंस्ट्रक्शन को अनुबंधित एक कार्य के लिए 21 नवम्बर 2024, 03 मार्च 2026, 18 अप्रैल 2023, 02 मई 2023, 04 नवम्बर 2024, 21 अगस्त 2025 को कुल 06 नोटिस जारी किया गया है। मेसर्स एक्वा ग्रांट वाटर प्यूरीफायर प्राइवेट लिमिटेड को अनुबंधित एक कार्य के लिए 04 दिसम्बर 2014, 03 मार्च 2026, 30 अप्रैल 2024, 04 नवम्बर 2024 कुल 04 नोटिस जारी किया गया है। संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्यों में प्रगति नहीं दिखाने एवं लापरवाही बरते जाने पर इनके विरुद्ध अनुबंध निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि किसी भी ठेकेदारों द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य या धीमी प्रगति पाए जाने पर अनुबंध निरस्त करने के साथ-साथ ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई भी की जाएगी।

समूह जलप्रदाय योजना के प्रगति की हुई समीक्षा-

कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में जिले में संचालित समूह जल प्रदाय योजना में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे लोगों तक यथाशीघ्र साफ पेयजल पहुंच सके।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार उप तहसील खोरपा, जिला रायपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202603116300057
अ/6 वर्ष 2025-26
ग्राम सोनपैरी, प.ह.नं. 02

सूचना पत्र

प्रति,
आस्क भूमि डेव्हलपर्स प्रा.लि. द्वारा डायरेक्टर अनुराग नत्थानी पिता श्री कृष्ण कुमार नत्थानी
निवासी- कृष्णा काम्पलेक्स जेल रोड रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

-00-

इस सूचना पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय कुमार श्रीवास्तव पिता श्री बी.पी. श्रीवास्तव निवासी शक्ति नगर गेवरा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. द्वारा ग्राम सोनपैरी प.ह.नं. 02 रा.नि.मं. खोरपा तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. स्थित आस्क सिटी के ले आउट क्रमांक 1387 के ब्लाक एफ अंतर्गत विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य का आवासीय भूखण्ड क्रमांक 72 कुल क्षेत्रफल 1250 वर्गफुट जो कि खसरा नंबर 615/1-3 का भाग है जिसे आवेदक ने उक्त भूमि को अनावेदक आकाश जैन पिता निर्मल जैन से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 28/04/2017 को क्रय किया गया है किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेख में उक्त भूमि आस्क भूमि डेव्लपर्स प्रा.लि. द्वारा डायरेक्टर अनुराग नत्थानी पिता श्री कृष्ण कुमार नत्थानी के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है किन्तु साक्ष्य की आवश्यकता होने के कारण प्रकरण राजस्व न्यायालय के ई कोर्ट में हस्तांतरित किया गया। जिसकी सुनवाई दिनांक 27/04/2026 को नियत है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।

अतः सुनवाई दिनांक 27/04/2026 को आप स्वयं अथवा अपने मान्यता प्राप्त अभिकर्ता अथवा अधिवक्ता के साथ न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 16/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
उप तहसील खोरपा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार उप तहसील खोरपा, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ग्राम कोलर प.ह.नं. 10
रा.प्र.क्र. 202602111100261/
अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अमरजीत सिंह कोहली पिता श्री प्रहलाद सिंह कोहली निवासी श्याम नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम कोलर प.ह.नं. 10 रा.नि.मं. व उप तहसील खोरपा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित ख.नं. 30/2, 30/23, रकबा 0.120, 0.190 हे. वर्ष 2010-11 के राजस्व अभिलेखों में नामांतरण उपरांत आवेदक के नाम पर दर्ज रहा है। वर्तमान में खसरा नंबर 30/2 अनावेदक क्रमांक 1 देवेन्द्र पटेल के नाम पर एवं खसरा नंबर 30/23 अनावेदक क्रमांक 2 एवं 3 श्री विनीत अग्रवाल, एकांश गोयल के नाम पर दर्ज दर्शित हो रहा है जिसे सुधार किये जाने बाबत आवेदन पत्र न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अभनपुर के समक्ष पेश किया गया जो जांच प्रतिवेदनार्थ हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत 2 3 नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 11/05/2026 तक न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 22/04/2026 को जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
उप तहसील खोरपा

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603112500081/
अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम मोखला प.ह.नं.- 34

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक शंकर लाल पिता दशरथ कुर्मी निवासी ग्राम मोखला तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा (क्र. 02) ग्राम मोखला प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 489, 505/2 रकबा क्रमशः 0.0800, 0.0200 हे. खातेदार शंकर लाल पिता दशरथ कुर्मी के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि सोमनाथ पिता ढेलू के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है।

(क्र.01) ग्राम मोखला प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 412/2 रकबा 0.1100 हे. भूमि खातेदार सोमनाथ पिता ढेलू के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज भूमि शंकर लाल पिता दशरथ कुर्मी के नाम पर पंजीकृत बैनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक के द्वारा आपसी सहमति से पंजीकृत बैनामा दिनॉक 23.02.2026 को आवेदक एवं अनावेदक के मध्य आपसी सहमति से तबादला नामा पेश किया गया है। आवेदक द्वारा तबादला नामा के आधार पर आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किये जाने पर प्रकरण भूईया से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्ररकण प्रारंभ किया गया।

अतः एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनॉक 30.04.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनॉंक 16.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर
तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार उप तहसील खोरपा, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ग्राम छछानपैरी प.ह.नं. 11
रा.प्र.क्र. 202602111100036/
अ-6अ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमल पाण्डेय पिता जनक लाल पाण्डेय निवासी संतोषी नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम छछानपैरी प.ह.नं. 11 रा.नि.मं. केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित ख.नं. 5/1 रकबा 0.0103 हे. याने 1108 वर्गफीट भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से रकबा 1250 वर्गफुट भूमि दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने बाबत प्रकरण इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधिन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 27/04/2026 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है. नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 10/04/2026 को जारी किया गया।

मुहर
अति. तहसीलदार
उप तहसील खोरपा

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- रायपुर तहसील-अभनपुर प.ह.न.-00026 गोतियारडीह ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202526441630900024

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00026 के अंतर्गत ग्राम गोतियारडीह के वर्तमान भूमिस्वामी वालफोर्ट प्रापर्टीज प्रा लि द्वारा डाय. पंकज पिता/पति-पि. मुलचंद लाहोटी पता-सा रायपुर परि. भूस्या के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 149/2(0.0139) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता अजय कुमार श्रीवास्तव पिता/पति-बी.पी. श्रीवास्तव पता-बी-33 शक्ति नगर गेवरा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 29/04/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अभनपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व यां सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/04/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार : SITA SHUKLA
तहसील - अभनपुर

अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./......../ /अ-6/वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 30/03/2026
ग्राम- तेलीबांधा प.ह.नं. 64

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री लोकेश चंद्रवंशी पिता स्व. कृपाशंकर चंद्रवंशी निवासी मकान नंबर ए-20, ब्रिजकृपा राधास्वामी नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम तेलीबांधा प.ह.नं. 113/64 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 15014/216 भूखण्ड क्रमांक सी-14, रकबा 0.0222 हे. अर्थात् 2400 वर्गफुट भूमि को दानदाता तुलसी प्रसाद चंद्रवंशी पिता स्व. श्री कृपाशंकर चंद्रवंशी निवासी बी-46, मिल्लेनियम अपार्टमेंट्स सेक्टर-61, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा उत्तरप्रदेश से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 13/08/2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अत: उक्त पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर प्रश्नाधीन भूमि को आवेदक अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 21/04/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण सूचित को किया जाता है कि मैं परीनय नशीने पिता प्रलय हरिशंकर नशीने निवासी 320/93 कबीर नगर, निखिल विहार, नियर वालफोर्ट पैनोरमा बोरिया खुर्द रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम परीनय प्रलय नशीने पिता प्रलय हरिशंकर नशीने रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम परीनय प्रलय नशीने पिता प्रलय हरिशंकर नशीने से ही जाना पहचाना जावे।

परीनय प्रलय नशीने
320/93 कबीर नगर, निखिल विहार, नियर वालफोर्ट पैनोरमा बोरिया खुर्द रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पाण्डुका में नवागंतुक विद्यार्थियों का मनाया गया स्वागत एवं प्रवेश पर्व

गरियाबंद। 20 अप्रैल सोमवार को पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय पाण्डुका में नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत एवं प्रवेश पर्व मनाया गया। नवागंतुक विद्यार्थियों (छठवीं कक्षा) का प्रवेश पर्व तिलक चंदन लगाकर और मिठाई प्रदान करके शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्या श्रीमती महिमा सिन्हा ने विस्तार से विद्यालय के शैक्षणिक एवं आवासीय परिवेश, मेस व्यवस्था, खानपान सुविधाओं, पालकों के नियम, टेलीफोन सुविधा के साथ अनुशासन आदि की जानकारी दी। श्री डी.के. सिंह ने विद्यार्थियों को एक अच्छा नागरिक बनकर और समाज का सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

रायपुर शहर के 19 प्रवेश मार्गों में भारी वाहनों के आवागमन पर लगा प्रतिबंध

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शहर में सुगम यातायात, लोक सुरक्षा एवं आवागमन को व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला द्वारा मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 के तहत रिंग रोड-01 एवं रिंग रोड-02 की सीमा से शहर की ओर आने वाले 19 प्रवेश मार्गों से शहर के भीतर मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

यह प्रतिबंध प्रात: 05:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। यह प्रतिबंध आदेश जारी होने की तिथि से आगामी 15 दिनों तक लागू रहेगी।

प्रतिबंधित प्रवेश मार्गों में तेलीबांधा थाना के सामने चौक, कैनाल रोड प्रवेश मार्ग रिंग रोड 01, महावीर नगर चौक रिंग रोड 01, राजेंद्र नगर चौक रिंग रोड 01, पचपेड़ी नाका चौक रिंग रोड 01, संतोषीनगर चौक रिंग रोड 01, भाठागांव चौक रिंग रोड 01, कुशालपुर चौक रिंग रोड 01, रायपुरा चौक रिंग रोड 01, कचना रेलवे क्रॉसिंग, डीडी नगर प्रवेश मार्ग रिंग रोड 01, अरिहंत नगर प्रवेश मार्ग रिंग रोड 01, टाटीबंध चौक, हीरापुर टर्निंग रिंग रोड, गोगांव तिराहा रिंग रोड नं. 02, गोंदवारा तिराहा रिंग रोड नं. 02, पाटीदार भवन के सामने तक भनपुरी, विधानसभा रोड स्थित व्हीआईपी तिराहा एवं एक्सप्रेस-वे ब्रिज के नीचे रिंग रोड मार्ग शामिल हैं।शहर में सुगम यातायात, लोक सुरक्षा एवं आवागमन को व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है।

आतंक के विरुद्ध हमारी लड़ाई अडिग है -सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सीएम साय ने लिखा, कायरतापूर्ण पहलगाम आतंकी हमला में अपनी जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों को प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि... उनकी स्मृतियां हमें सदैव राष्ट्र की सुरक्षा और एकता के लिए सजग रहने की प्रेरणा देती रहेंगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं।

आतंक के विरुद्ध हमारी लड़ाई अडिग है - भारत न कभी झुका है, न झुकेगा। आतंक की हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के एक साल पूरे हो गए हैं। पिछले साल 22 अप्रैल को हुई इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर आंतकियों से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिए। लेकिन कश्मीर में रहने वाले दो लोग ऐसे थे जो इस आतंकी हमले को रोक सकते थे। सूत्रों के मुताबिक, पहलगाम नरसंहार वाले दिन दोपहर करीब 12 बजकर 30 मिनट पर यानी इस आतंकी हमले से कुछ घंटे पहले कश्मीर में रहने वाले परवेज अहमद और बशीर अहमद ने तीन आतंकवादियों को बैसरन में छिपे हुए देखा था। इन आतंकवादियों में फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी शामिल था।

रायपुर। सीएम साय ने लिखा, कायरतापूर्ण पहलगाम आतंकी हमला में अपनी जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों को प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलिज् उनकी स्मृतियां हमें सदैव राष्ट्र की सुरक्षा और एकता के लिए सजग रहने की प्रेरणा देती रहेंगी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। आतंक के विरुद्ध हमारी लड़ाई अडिग है भारत न कभी झुका है, न झुकेगा। आतंक की हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के एक साल पूरे हो गए हैं। पिछले साल 22 अप्रैल को हुई इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर आंतकियों से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त कर दिए। लेकिन कश्मीर में रहने वाले दो लोग ऐसे थे जो इस आतंकी हमले को रोक सकते थे। सूत्रों के मुताबिक, पहलगाम नरसंहार वाले दिन दोपहर करीब 12 बजकर 30 मिनट पर यानी इस आतंकी हमले से कुछ घंटे पहले कश्मीर में रहने वाले परवेज अहमद और बशीर अहमद ने तीन आतंकवादियों को बैसरन में छिपे हुए देखा था।

सास की देखभाल नहीं करने पर बहू की नौकरी जाएगी-हाईकोर्ट

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस एके प्रसाद ने अपने फैसले में कहा है, अनुकंपा नियुक्ति व्यक्तिगत उपहार या विरासत में मिली संपत्ति नहीं है। यह पूरे परिवार को आर्थिक संकट से उबारने सरकार द्वारा दी जाने वली सहायता है। अनुकंपा नियुक्ति के तहत नौकरी कर रही बहू को हिदायत देते हुए कोर्ट ने कहा, सास के भरणपोषण का ख्याल रखे, नहीं तो नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। कोर्ट ने दोटूक कहा, उनकी नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी। अंबिकापुर निवासी ज्ञांती तिवारी के पति घनश्याम तिवारी पुलिस विभाग में कांस्टेबल थे, वर्ष 2001 में निधन हो गया था। पिता की मृत्यु के बाद बेटे अविनाश तिवारी को बाल आरक्षक के रूप में अनुकंपा नियुक्ति मिली। दिसंबर 2021 में अविनाश तिवारी का सेवा के दौरान निधन हो गया। बेटे की मृत्यु के बाद बहू नेहा तिवारी को राज्य सरकार ने इस शर्त पर अनुकंपा नियुक्ति दी] वह अपनी सास का पूरा ख्याल रखेगी। ज्ञांती देवी का आरोप है, नौकरी मिलते ही बहू का व्यवहार बदल गया। उसने उसके साथ दुर्व्यवहार करने के साथ ही दाने-दाने को मोहताज कर दिया। इस पर उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका लगाई। याचिका में सास ने मांग की है, उनकी बहू नेहा तिवारी को 8 मार्च 2022 को जारी नियुक्ति आदेश को निरस्त किया जाए। याचिकाकर्ता याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया, बहू को इस शर्त और शपथ-पत्र के आधार पर नौकरी दी गई थी कि वह अपनी सास की पूरी देखभाल और भरण-पोषण करेगी, लेकिन नियुक्ति मिलते ही बहू ने उन्हें बेसहारा छोड़ दिया है।

नगर निगम मुख्यालय में हाईड्रोलिक पजल कार पार्किंग सिस्टम शुरू

. रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या को देखते हुए रायपुर नगर पालिक निगम ने एक नई पहल करते हुए नगर निगम मुख्यालय परिसर में हाईड्रोलिक पजल कार पार्किंग सिस्टम स्थापित कर दिया है। यह आधुनिक पार्किंग सिस्टम अब पूरी तरह संचालित हो चुका है और कर्मचारियों व आम नागरिकों को इसका लाभ मिलने लगा है। नगर निगम द्वारा यह कार्य 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य सीमित स्थान में अधिक वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना है। शहर में बढ़ती वाहन संख्या के कारण पार्किंग की समस्या लगातार बढ़ रही थी, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जानकारी के अनुसार, इस हाईड्रोलिक पजल कार पार्किंग सिस्टम की स्थापना का कार्य 16 फरवरी 2026 को पूरा कर लिया गया था। इसके बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए बिजली कनेक्शन लिया गया और सिस्टम की तकनीकी जांच तथा परीक्षण किया गया। परीक्षण सफल रहने के बाद अब इसे नियमित उपयोग के लिए शुरू कर दिया गया है। इस आधुनिक पार्किंग सिस्टम के जरिए कम जगह में अधिक गाड़ियों को सुरक्षित तरीके से खड़ा किया जा सकता है। इससे न केवल पार्किंग व्यवस्था में सुधार होगा, कर्मचारियों और आगंतुकों को अब पार्किंग के लिए कम परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि यह सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत है। इसमें वाहनों को व्यवस्थित तरीके से रखने और निकालने की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही, इससे पार्किंग में लगने वाला समय भी कम होगा।

भरी गर्मी में महतारी वंदन एवं राशन कार्ड केवाईसी के नाम से महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा-कांग्रेस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भाजपा सरकार पर महतारी वंदन योजना एवं राशन कार्ड के नाम से महिलाओं को प्रताड़ित करने का गभीर आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार में योजना का लाभ पाने महिलायें प्रताड़ित हो रही है, अपमानित हो रही है। इस सरकार में महिलायें कभी राशन के लिए, तो कभी वंदन योजना के केवाईसी के लाईन में लग रही, आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पास बुक की फ़ोटो कॉपी और स्वयं की फ़ोटो खिंचाने में पैसा खर्च कर रही है। इतने भीषण गर्मी में महतारी वंदन, राशन कार्ड की केवाईसी कराने कभी आंगनबाड़ी केंद्र, तो कभी च्वाईस सेंटर का चक्कर लगा रही है, लेकिन सर्वर डाउन होने, आईडी नहीं मिलने के कारण केवाईसी नहीं करा पा रही है। छोटे-छोटे मासूम बच्चों को गोद में लेकर घण्टों धूप में खड़ा होने से स्वास्थ्य खराब अलग हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि योजना से जुड़े महिलाओं ने सभी मांगी गई दस्तावेज पहले ही दे दी है, सरकार के रिकार्ड सब कुछ है, फिर महिलाओं को लाईन में लगाकर प्रताड़ित क्यों किया जा रहा है? महतारी वंदन योजना की क़िस्त जिस बैंक खाता में जमा होता वहां प्रतिवर्ष केवाईसी होता है, फिर सरकार अलग से केवाईसी क्यों करवा रही है? सरकार को बैंक के डाटा पर भरोसा नहीं है। राशन कार्ड की केवाईसी राशन दुकानों में राशन देते वक्त क्यों नहीं किया जा रहा है? महिलाओं को चक्कर क्यों लगवाया जा रहा है? केवाईसी नहीं होने से महिलाएं महतारी वंदन योजना की क़िस्त बंद होने एवं राशन नहीं मिलने से भयभीत है, सरकार को केवाईसी की समय सीमा बढ़ानी चाहिये। आंगनबाड़ी में जब महतारी वंदन की आईडी है, ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्रों में केवाईसी क्यों नहीं की जा रही है। सरकार को घर-घर जाकर केवाईसी करवाना चाहिये। ताकि महिलाएं गर्मी में लाईन लगने से बचे। सरकार को महिलाओं को आश्वस्त करना चाहिए कि केवाईसी नहीं होने पर भी केवाईसी होने तक उनको योजना का लाभ मिलता रहेगा। पर ये सरकार ने योजना का लाभ लेने वाली महिलाओं को मजबूर कर रही है, प्रताड़ित कर रही है, ये महतारी वंदन नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कुठाराघात है। कांग्रेस मांग करती है केवाईसी की समय सीमा

सरकार की बदनीयती के कारण प्रदेश की 3 लाख महिलाएं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को काम नहीं - कांग्रेस

भाजपा सरकार महिलाओं को धोखा दे रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकार की बदनीयती के कारण प्रदेश की 3 लाख से अधिक महिलाएं जो स्व सहायता समूह के माध्यम से रोजगार प्राप्त करती थी, बेरोजगार हो गयी है। भाजपा सरकार चुनाव में वादा करने के बाद उनको काम नहीं दे रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा ने चुनाव में वादा किया था पूरे प्रदेश में महिला समूहों को रेडी टू ईट का काम दिया जाएगा। सरकार में आने के बाद इसको भूल गए। जब विपक्ष और महिलाओं ने मांग किया तब एक साल पहले घोषणा किया।

नेचुरल गैस पाईप लाईन डालने का कार्य भारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा अधिकृत हरियाणा सिटी गैस कंपनी शीघ्र प्रारंभ करने की तैयारी में

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार की मंशा अनुसार रायपुर राजधानी शहर में नेचुरल गैस पाईप लाईन शहर में डालने का कार्य शीघ्र भारत सरकार पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा इस हेतु अधिकृत हरियाणा सिटी गैस कंपनी के माध्यम से किया जायेगा। अभी वर्तमान में यह कार्य योजना प्रारंभिक दौर में रायपुर शहर में है। संबंधित अधिकृत एजेंसी हरियाणा सिटी गैस एजेंसी को निर्देशित किया गया है कि रायपुर नगर निगम क्षेत्र में नेचुरल गैस पाईप लाईन डालने के पूर्व नियमानुसार नगर निगम से एनओसी लें एवं निर्धारित दर अनुसार शुल्क जमा कर कार्य उसके उपरांत करवाये। ताकि इस कार्य से सभी नागरिको को शहर में नेचुरल गैस पाईप लाईन की सुविधा भारत सरकार की जनहितैषी मंशा के अनुसार शीघ्र मिले और इस दौरान किसी भी नागरिक को कोई असुविधा ना होने पाये। आज नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम मुख्यालय के तृतीय तल सभाकक्ष में अपर आयुक्त पंकज के शर्मा, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, सहायक अभियंता नगर निवेश नितीश झा, उपअभियंता नगर निवेश रविप्रभात साहू, हरियाणा सिटी गैस एजेंसी के प्रतिनिधि राकेश रंजन एवं अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आवश्यक बैठक लेकर नेचुरल गैस पाईल लाईन शहर में डालने की कार्य योजना के संबंध में अपडेट जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की एवं उसकी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। आयुक्त विश्वदीप ने हरियाणा सिटी गैस एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि वे रायपुर नगर निगम के जोनो के जल विभाग और नगर निवेश विभाग के जोन अधिकारियों से समन्वय रखकर शहर में नेचुरल गैस पाईप लाईन डालने का कार्य संबंधित मार्गो की नियमानुसार एनओसी नगर निगम से लेकर एवं निर्धारित दर अनुसार शुल्क जमा करवाकर करवाये और कार्य को समन्वय सहित करें ताकि कही भी इसे लेकर कोई असुविधा ना होने पाये। आयुक्त ने सभी जोनो के नगर निवेश एवं जल विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया कि नेचुरल गैस पाईप लाईन डाले जाने के कार्य के दौरान कही भी पेयजल पाईप लाईन कदापि क्षतिग्रस्त नहीं होनी चाहिए इसका भी नेचुरल गैस पाईप लाईन डालने सडक मार्ग खोदे जाये उसकी वहां उसी समय तत्काल प्राथमिकता से आवश्यक मरम्मत एवं सुधार करवा लिया जाये।

नगरीय निकायों के कार्यों की मैराथन समीक्षा का दूसरा दिन

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेशभर के नगरीय निकायों की समीक्षा का दौर आज दूसरे दिन भी जारी रहा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आज दिनभर चली बैठक में सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को बेतरतीब निर्माणों, अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पंचायतों के कार्यों और व्यवस्थाओं में कसावट लाने को कहा। साव ने कहा कि काम में लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जवाबदेही तय कर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने सभी सीएमओ को नई सोच और नई कार्य पद्धति से शहरों तथा शहरवासियों के कल्याण के लिए काम करने को कहा। उन्होंने राज्य के उभरते शहरों को सुव्यवस्थित, सुनियोजित, स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ही नागरिकों के लिए पर्याप्त जन सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पांचों संभागों के विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को हर तिमाही में प्रत्येक नगर पालिका और नगर पंचायत का व्यक्तिगत निरीक्षण कर संचालक को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने सभी सीएमओ को आगामी 31 मई तक नगर पंचायतों की नई संपत्तियों पर करारोपण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व संग्रहण बढ़ाने संपत्ति कर, जल कर, यूजर चार्ज जैसे करों की वसूली गंभीरता और कड़ाई से करने का कहा। उन्होंने एनर्जी ऑडिट के माध्यम से गैर-जरूरी विद्युत कनेक्शनों की पहचान कर इसके विच्छेदन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकाय के सभी कार्मिकों को हर माह समय पर वेतन और बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा। साव ने जल संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित करते हुए शत-प्रतिशत भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण कराने को कहा। उन्होंने 31 मई तक बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। साव ने सभी सीएमओ को मुख्यालय में ही निवास करते हुए प्रतिदिन प्रात: भ्रमण कर शहर की साफ-सफाई और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

कमिश्नर राजेश्वरी व पार्षद अर्जुन ने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी पेयजल समस्या निदान के अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के पार्षद महेन्द्र औसर और संत रविदास वार्ड के पार्षद अर्जुन यादव सहित कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा,उपअभियंता लोचन चौहान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 69 और 70 क्षेत्र का निरीक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारियों और गर्मी में वार्ड क्षेत्र में पेयजल समस्या को लेकर किया. पार्षदों से चर्चा कर जोन 8 जोन कमिश्नर ने सम्बंधित जोन अधिकारियों को वार्ड क्रमांक 69 और 70 के क्षेत्र में सफाई और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के सम्बन्ध में त्वरित कार्रवाई जोन के स्तर पर करते हुए समस्या का समाधान करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए. जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 क्षेत्र अंतर्गत सरोना में पुराने डंपिंग यार्ड क्षेत्र का जोन 8 के अधिकारियों की उपस्थिति में कचरे के रेमिडियेशन कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और सम्बंधित एजेंसी के प्रतिनिधि को कार्य तेजी से पूर्ण करवाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

रहवासियों की पेयजल समस्या का किया गया त्वरित निदान

नगर निगम जोन 1 के वार्ड 4 के भनपुरी जलागार क्षेत्र में अचानक क्षतिग्रस्त 300 एमएम व्यास की इनलेट पाईप लाईन की तत्काल मरम्मत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत यतियतन लाल वार्ड क्रमांक 4 क्षेत्र अंतर्गत भनपुरी जलागार का 300 एमएम व्यास की इनलेट पाइप लाइन विगत दिनांक 19 अप्रैल 2026 को अचानक क्षतिग्रस्त हो गयी थी, जिसके कारण वार्ड क्रमांक 4 एवं 5 के क्षेत्र में जलप्रदाय कार्य बाधित हो गयी थी, यह जानकारी मिलते ही नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन और उपअभियंता गोपाल प्रधान की उपस्थिति में सम्बंधित स्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त इनलेट पाईप लाईन जिसकी मरम्मत विगत दिवस दिनांक 20 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे प्रारम्भ की गयी, जो दिन भर मरम्मत कार्य चलने के बाद विगत दिवस 20 अप्रैल 2026 को संध्या 6-30 बजे पूर्ण हुई, इससे वहाँ क्षेत्र के रहवासी नागरिकों की पेयजल समस्या का त्वरित निदान हुआ.

शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल 2026 गुरूवार को प्रात: 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर पालिक निगम सामान्य सभा सभागार में स्थित शहीद अरुण केशव सप्रे के तैल चित्र के समक्ष उनका सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। भारत और पाकिस्तान के मध्य वर्ष 1971 में हुए युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के लिए युद्धाभ्यास की तैयारियों की ड्यूटी पर भारतीय वायुसेना के युद्धक विमान मारूत की युद्धाभ्यास तैयारी करवाने के दौरान आकस्मिक युद्धक विमान दुर्घटना में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे का आकस्मिक देवलोकगमन हो गया. रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की मधुर पुण्य स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने रायपुर नगर पालिक निगम ने नगर निगम सामान्य सभा सभागार में उनका तैल चित्र लगाया और तैल चित्र के समक्ष शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल और पुण्यतिथि दिनांक 21 नवम्बर को हर वर्ष नियमित रूप से रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. दिनांक 23 अप्रैल 2026 गुरुवार को प्रात: 11 बजे आयोजित शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे से सम्बंधित उनके तैल चित्र के आसपास की विशेष सफाई।

सम्पादकीय

इलाज का बोझ

किसी लोक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व बनता है कि वो अपने नागरिकों के लिए सस्ती व प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये। दुनिया के तमाम देशों में सरकारों के स्तर पर ऐसी नीतियां बनी हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संकट आने पर उपचार खर्च के तनाव का रोग अलग से नहीं लेना पड़ता है। विशेषकर बुजुर्ग आबादी का विशेष ख्याल रखा जाता है। जिस उम्र में उनका शरीर क्षीण हो रहा होता है और आय के साधन न के बराबर होते हैं, सरकारी चिकित्सा का सुरक्षा कवच बड़ा संबल होता है। विडंबना यह है कि भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया? हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। निस्संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है।

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस पर विशेष.....

पुस्तक संस्कृति का क्षरण : आने वाले संकट की आहट

सभी भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की एक पहल के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली में भव्य पुस्तक मेले 'विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों में किताबें पढ़ने की रूचि विकसित करने के साथ-साथ कलम और मुद्रित दुनिया की ताकत को दोहराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि हर साल इतने भव्य और विशाल पुस्तक मेले के सफल आयोजन के बावजूद विशेषकर हिन्दी भाषी पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत कम हो रही है।

योगेश कुमार गोयल।

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं लेकिन यह चिंताजनक है कि पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत निरंतर कम होती जा रही है। लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने, लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस' का औपचारिक शुभारंभ 'यूनेस्को' द्वारा 23 अप्रैल 1995 को किया गया था। यह चिंता का विषय है कि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हुआ है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जमाने में अब बच्चे हों या बड़े, अधिकांश इन्हीं पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का स्पष्ट मत है कि इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि पुस्तकें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी और प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके। बाल साहित्य और ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ावा देने और साहित्य के प्रति उनमें आजीवन प्रेम उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाए। जिस समय हमारे आसपास कोई नहीं होता या हम अकेले अथवा उदास हैं, परेशान हैं, ऐसे समय में पुस्तकें ही हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। हमारे दिलोदिमाग में उमड़ते सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर और कोई जरिया नहीं हो सकता।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि साल में एक बार आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले के अलावा भी ऐसे क्या प्रयास किए जाएं, जिससे लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों के प्रति बढ़े और हिन्दी पुस्तकें ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पहुंच सकें? आज के दौर में लोगों की रूचि पुस्तकों में कम होती जा रही है, ऐसे में पुस्तक मेलों के आयोजन के माध्यम से तो लोगों में पुस्तकों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के प्रयास किया जाना जरूरी है ही, साथ ही स्कूलों और स्थानीय पुस्तकालयों में भी अच्छी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों के समग्र विकास के लिए तो उन्हें प्रेरणादायक बाल साहित्य, दिलचस्प नवीनतम साहित्य तथा अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसी पुस्तकों को पढ़ने से उनका मानसिक और सामाजिक विकास तीव्रता से होता है। किसी भी स्कूल का पुस्तकालय बच्चों में पुस्तकों के प्रति प्रेम विकसित करने और उन्हें दुनिया के बारे में अधिक जानने में भी मदद करता है। यही कारण है कि केवल पाठ्य पुस्तकों को ही बच्चों की समझ को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सभी स्तर के विद्यार्थियों के लिए स्कूल और स्थानीय पुस्तकालयों में स्थानीय भाषाओं में दिलचस्प और प्रेरणादायक बाल साहित्य तथा पुस्तकें बड़ी संख्या में उपलब्ध कराने की बात कही गई थी लेकिन मौजूदा समय में स्कूलों में ऐसी पुस्तकों की उपलब्धता के आंकड़े बेहद निराशाजनक हैं। कुछ राज्यों में स्कूलों की लाइब्रेरी में पुस्तकों की संख्या संतोषजनक है लेकिन कई राज्यों में बच्चों के पढ़ने के लिए पुस्तकों की कमी के मामलों में लापरवाही व उदासीनता साफ झलकती है। हालांकि नई पुस्तकों की खरीद के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपये का बजट आवंटित होता है लेकिन स्कूलों के पुस्तकालयों में रखरखाव के अभाव में पुस्तकों को दीमक चाट रहे हैं। कमोवेश ऐसा ही हाल देश के लगभग सभी राज्यों में देखने को मिलता है। स्कूलों में बच्चों के लिए पुस्तकों की उपलब्धता और उनके रखरखाव में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से देखने और इसे लेकर कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि स्कूली स्तर पर ही पुस्तकों के प्रति बच्चों का आकर्षण कम न होने पाए।

पुस्तकों की महत्ता को परिभाषित करते हुए अमेरिकी इतिहासकार व लेखक बारबरा डब्ल्यू तुचमन का कहना था कि पुस्तकें सभ्यता की वाहक हैं, जिनके बिना इतिहास मौन है, साहित्य गूंगा हैं, विज्ञान अपंग है, विचार और अटकलें स्थिर हैं। पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं। पुस्तकें ज्ञान एवं नैतिकता की संदेशवाहक, अखण्ड सम्पत्ति, भिन्न-भिन्न प्रकार की संस्कृति हेतु एक खिड़की तथा चर्चा हेतु एक औजार का काम करती हैं तथा भौतिक वैभव के रूप में देखी जाती हैं। अच्छी पुस्तकें बच्चों और युवा पीढ़ी को ज्ञानवान, संस्कारित और चरित्रवान बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाती हैं।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव
(भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री)

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है। रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं। मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती। इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं। जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रॉसिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है। 130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है। इन सुधारों का असर सुरक्षा पर भी दिखा है। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। यानी हादसे लगभग 89 प्रतिशत कम हो गए। हर 10 लाख किलोमीटर चलने वाली ट्रेनों पर हादसों की दर भी 0.11 से घटकर 0.01 हो गई है। यह लगभग 90 प्रतिशत सुधार है। खास बात यह है कि ट्रेनों और यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद हादसे कम हुए हैं। अब रेलवे ने एक नई ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम(टीएमएस) कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्दी समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है और समय रहते सुधार किया जा सकता है। बारह साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है। रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। लाखों यात्रियों और रेल माल ढुलाई पर निर्भर कारोबारों के लिए इन बदलावों का बड़ा असर पड़ा है। अब सफर ज्यादा आरामदायक हुआ है, यात्रा का समय कम हुआ है और रेलवे नेटवर्क पहले से ज्यादा भरोसेमंद बना है। काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन अब तक हुई प्रगति यह दिखाती है कि लगातार मेहनत और निवेश से कितना बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

डॉक्टर्स का देह-अंगदान में सरोकार

विजय मिश्रा 'अमित'

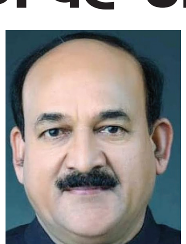

हमारे देश में प्रतिवर्ष लाखों लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, किन्तु आवश्यकता की तुलना में आपूर्ति का प्रतिशत बहुत ही कम है। यद्यपि भारत में देह-अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ रही है किंतु धार्मिक मान्यताएं और अंधविश्वास इस पथ पर स्पीड ब्रेकर बने हुए हैं। चिकित्सा विज्ञान कहता है कि मस्तिष्क को छोड़कर किडनी, लीवर, लंग्स,नेत्र त्वचा और हृदय सहित अनेक अंगों को मृत देह से लेकर जीवन -मृत्यु के बीच झूल रहे अन्य जीवित जरूरतमंदों के देह में प्रत्यारोपित करके उनको जीवन दान दिया जा सकता है। एक अंगदाता आठ जरूरतमंदों को जीवन दान दे सकता है। लोकतांत्रिक देश भारत में आम जनता की सेवा -नेतृत्व के लिए ही जनता के द्वारा जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं। देश और जनता के हित- अहित, सुख दु:ख की समझ रखने वाले हितैषियों को ही लोग भरोसे के साथ देश की बागडोर सौंपते है। ऐसे चुने हुए नेता, मंत्री ,सांसद, विधायक, सार्वजनिक सभाओं में आजीवन एक ही राग अलापते हैं - हमारा जन्म तो जनता जनार्दन की सेवा के लिए ही हुआ है। सच भी यही है कि जब कोई नेता सरपंच हो कि सांसद बन जाता है तो उसका जीवन व्यक्तिगत ना होकर सार्वजनिक हो जाता है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए उनको आम आदमी से ऊपर बड़ी-बड़ी सुविधाएं ,बड़े-बड़े पावर देने का प्रावधान रखा गया है। अनपढ़ ,कम पढ़े लिखे होने के बावजूद चुने हुए जनसेवक -जनप्रतिनिधि गण बड़े बड़े पढ़े लिखे अधिकारियों पर रौब जमाते हैं। खुद तो अस्थाई होते हैं पर पावर फूल इतने ज्यादा रहते हैं कि शासकीय सेवा में स्थाई पदों पर नियुक्त अधिकारियों -कर्मचारियों की वाट लगा देते हैं। देखा जाए तो जनसेवक अनेक अर्थों में राजनीति की दुनिया में माननीय भगवान बन जाते हैं। जिन पर भी उनकी कृपा दृष्टि पड़ जाती है उनकी डूबती नैया पार हो जाती है किंतु किसी पर वक्रदृष्टि पड़ जाए तो उस पर बिजली गिरते देर नहीं लगती है। अत: जनसेवकों का नैतिक दायित्व बनता है कि वे अपना तन- मन- धन सब कुछ देश -जनहित में न्योछावर करते रहें। दिन में कई वे कई कई बार कहते हैं हमारा सब कुछ देशहित -जनहित में समर्पित है।अगर ऐसा है तो सभी जनप्रतिनिधियों को अंगदान और देहदान के लिए भी अवश्य आगे आना चाहिए। जब वे इलेक्शन फॉर्म भरते हैं तो उसमें अनिवार्यता एक कालम होना चाहिए कि मृत्युपरांत वे अपना देह-अंगदान करेंगे। हाथी के दांत खाने के कुछ और दिखाने के कुछ और गिरगिट जैसे रंग बदलते अधिकांश नेताओं की सोच यही हो चली है कि कडू कडू जनता का और मीठा मीठा हमारा। ऐसे नेताओं को तो स्वयं ही सोचना चाहिए कि देह- अंगदान उन्हें मृत्युपरांत भी अमर ही बना कर रखेगा। उनकी आंख से कोई देख पाएगा, उनकी किडनी,लीवर, लंग्स से कोई जीवित बच जाएगा। मेडिकल के छात्र बेहतर शिक्षा ले पाएंगे, पर्यावरण पेड़ पौधों को संरक्षण प्राप्त होगा। ऐसे मानवीय कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों के नाम महर्षि दधीचि की तरह इतिहास में लिखा जाएगा। जब जनप्रतिनिधि चयनित हो जाते हैं तभी पदभार ग्रहण करते समय आजीवन सच्ची सेवा और मृत्युपरांत देह -अंग दान का भी शपथ लेना चाहिए। भूतपूर्व ,उम्रदराज जन सेवकों को इस दिशा में पहल करना जाहिए। स्कूल कालेज के पाठ्यक्रम में देहदान का समावेश होना चाहिए। बदलते हुए वक्त के साथ दान की परिभाषा करते हुए सभी धर्मों के विद्वान प्रवचन कर्ताओं को देहदान की आवश्यकता और उपादेयता पर भी प्रकाश डालना चाहिए। साथ ही देहदान करके समाज में आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ।हाल ही में देश में पहली बार इच्छा मृत्यु को मान्यता दी गई। ऐसी मानवीय सोच की दिशा में आगे बढ़ते हुए जनसेवक देहदान करने आगे आएं ।यह एक सराहनीय अनुकरणीय कदम होगा। आम जनता को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। देश की दशा दिशा बदल रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से अपेक्षा है कि जनसेवकों के देह-अंगदान दान पर गंभीरता पूर्वक विचार करके ऐसा कोई प्रावधान लाएं।

रेलवे समाचार

जांजगीर नैला स्टेशन में चौथी लाइन कनेक्टिविटी कार्य के कारण निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

रायपुर/बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत जांजगीर नैला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु किए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई निम्न यात्री ट्रेनों को रिस्टोर किया जा रहा है।

रिस्टोर की गई ट्रेनें

- गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवरारोड) मेमू को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68745 (गेवरारोड-रायपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 58204 (रायपुर-कोरबा) पैसेंजर को 22.04.2026 से 26.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 58203 (कोरबा-रायपुर) पैसेंजर को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68734 (बिलासपुर-गेवरारोड) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68733 (गेवरारोड-बिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68732 (बिलासपुर-कोरबा) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68731 (कोरबा-बिलासपुर) मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार चलेगी।

शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनों को किया गया रिस्टोर

- गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया - झारसुगुड़ा मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार गोंदिया से झारसुगुड़ा तक चलेगी।
- गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू को 23.04.2026 से 27.04.2026 तक रिस्टोर कर दी गई है उपरोक्त तिथि में यह गाड़ी अपने निर्धारित समयानुसार झारसुगुड़ा से गोंदिया तक चलेगी।

नोट - दिनाँक 23 से 27 अप्रैल 2026 तक 18250/18249 तथा 18252/18251 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस, एक्सप्रेस बनकर चलेगी।

हरा सोना संग्राहकों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में जुड़े 13 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

/छत्तीसगढ़ और अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है, जो आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका का मुख्य साधन है। हाल के नीतिगत बदलावों और सरकारी पहलों के कारण इन संग्राहकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा लघु वनोपज संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 से प्रति मानक बोरा की दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए कर दी गई है, जिसका सीधा लाभ लाखों ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। वर्ष 2026 में राज्य के 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत 902 प्राथमिक समितियों में तेन्दूपत्ता

संग्रहण कार्य प्रस्तावित है। इस वर्ष लगभग 15 लाख से अधिक मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमान है। एक मानक बोरे में 1000 गड्डियां होती हैं और प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते शामिल रहते हैं।

लगभग 11 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण होने की संभावना

बस्तर संभाग के 10 जिला यूनियनों की 216 समितियों में करीब 4 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अन्य 21 यूनियनों की 868 समितियों में लगभग 11 लाख मानक बोरा संग्रहण होने की संभावना है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के 3.90 लाख परिवारों की तुलना में इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 4.04 लाख हो गई है। इस साल अब तक 14 हजार 57 नए परिवार इस कार्य से जुड़े हैं।

10 नए फड़ और बेहतर तैयारी

नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में पहली बार 10 नए फड़ों की स्थापना की गई है, जहां 2100 से अधिक मानक बोरा संग्रहण का अनुमान है। इसके अलावा सुकमा और केशकाल क्षेत्रों में भी नए फड़ जोड़े गए हैं। पिछले वर्ष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बाधाओं के कारण 351 फड़ों में संग्रहण नहीं हो सका था, लेकिन इस वर्ष सभी फड़ों में कार्य शुरू करने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

सुगम संचालन और पारदर्शी भुगतान

संग्रहण कार्य को सुचारू बनाने के लिए संग्राहक कार्ड, बोरा, सुतली, गोदाम और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही तेन्दूपत्ता के भंडारण का बीमा भी कराया जा रहा है। संग्राहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली लागू की गई है।

राजकुमार कॉलेज,17 खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजकुमार कॉलेज, रायपुर ने 11 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक CISCE छत्तीसगढ़ ज़ोनल खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 1370 विद्यार्थियों (1035 बालक एवं 335 बालिकाएँ) ने 10 विभिन्न खेलों में भाग लिया। इनके साथ 22 कोच/प्रबंधक भी उपस्थित रहे। कुल 8 विद्यालयों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। इनमें से लगभग 401 विद्यार्थी (287 बालक एवं 114 बालिकाएँ) का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

भीषण गर्मी के बीच ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग,

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर में भीषण गर्मी के चलते विद्युत व्यवस्था पर लगातार असर देखने को मिल रहा है। तापमान बढ़ने के साथ ही शहर के विभिन्न इलाकों में ट्रांसफार्मर और बिजली के खंभों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर जलकर खाक हो चुके हैं, जिससे लोगों को बिजली संकट का सामना भी करना पड़ रहा है। इसी क्रम में आज अवंती विहार स्थित शिव मंदिर के पास एक बड़ा हादसा सामने आया। यहां बिजली कनेक्शन वाले एक खंभे में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ओवरलोडिंग और संभावित शॉर्ट सर्किट के कारण यह घटना हुई।

गाज गिरने से 9 मवेशियों की मौत

बीजापुर (प्रतिदिन राजधानी)

भैरमगढ़ ब्लॉक के उसपरी गांव में कुदरत का कहर टूट पड़ा। तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली ने 9 मवेशियों की जान ले ली। बारिश से बचने के लिए मवेशी महुआ पेड़ के नीचे खड़े थे। इसी दौरान बिजली सीधे पेड़ पर गिर गई। मौके पर ही गाय-बैलों की दर्दनाक मौत हो गई।

सबसे ज्यादा नुकसान लच्छू माड़वी को हुआ, जिनके 5 मवेशी मरे। दसूराम ओयम और विक्रम जायसवाल के 2-2 पशु भी काल के गाल में समा गए। ग्रामीण परिवारों के लिए पशुधन ही सबसे बड़ी पूंजी माना जाता है। इस हादसे से तीन परिवारों की आर्थिक कमर टूट गई है। राजस्व विभाग ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा शुरू किया है। पीड़ित परिवारों ने मुआवजे की मांग की है। प्रशासन ने खराब मौसम में पेड़ों के नीचे न रुकने की अपील की है।

कोसारटेडा जलाशय में पर्यटकों की भीड़ तो पहुंच रही है, लेकिन सुविधाएं नदारद हैं। इसके बावजूद प्रवेश शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे लोग नाराज हैं। पर्यटकों का कहना है कि यहां केवल पानी देखने के अलावा कुछ नहीं है। जलाशय में मनोरंजन के लिए आने वाले पर्यटकों के बैठने, घूमने, मनोरंजन या गतिविधियों की व्यवस्था नहीं है। नौकायन जैसी सुविधा होती तो लोग समय बिता सकते थे। लोग मायूस होकर कुछ ही देर में लौट जा रहे हैं। जलाशय किनारे पुराने पार्क को हटाकर नया निर्माण किया जा रहा है। उसी क्षेत्र में रिसॉर्ट निर्माण भी जारी है। करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। स्थानीय लोग पहले मूलभूत सुविधाएं शुरू करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सुविधा मिले तो शुल्क भी उचित लगेगा। फिलहाल, पर्यटन स्थल पर व्यवस्था से ज्यादा अव्यवस्था नजर आ रही है।

पाण्डुलिपियों को सहेजने के लिये होगा सर्वे

बलौदाबाजार (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा ज्ञानभारतम मिशन अंतर्गत पाण्डुलिपियों को संरक्षित व सहेजने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिले में उपलब्ध पाण्डुलिपियों क़ी सूची तैयार करने के लिये प्रगणको द्वारा सर्वे किया जाएगा। मुख्य सचिव विकास शील ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर एवं जिला समिति क़ी सदस्यों क़ी बैठक लेकर सर्वे पाण्डुलिपि सर्वे में तेजी लाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि ज्ञानभारतम मिशन का उद्देश्य हमारी संस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना है। इसमें कम से कम 75 वर्ष पुराने पाण्डुलिपि, ताम्रपत्र, ताड़पत्र को शामिल किया गया है। पाण्डुलिपि से सम्बधित जानकारी ज्ञानभारतम एप्प में अपलोड किया जाएगा। पाण्डुलिपियों को बड़ी सावधानी से स्कैनिंग कर डिजिटलीकरण किया जाएगा। पाण्डुलिपि के समबंध में जानकारी कोई भी डे सकता है। किसीबके पास ग्रन्थ या पत्र के रूप में पाण्डुलिपि होने पर प्रशासन केवल उसको संरक्षित करते हुए स्कैनिंग करेगा, मूल पाण्डुलिपि केवल सभी जिले सर्वे का कार्य 31 मई तक पूरा करें। इस दौरान मंदिर,मठो,स्कूल, कॉलेज, ग्रंथालय,ऐतिहासिक स्थलों क़ी जानकारी लेकर गहन सर्वे कर सूची तैयार करें। जिले के इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उनके परिवार के सदस्यो से चर्चा कर जानकारी एकत्रित करने कहा।

हमर रायपुर भारतीय रेलवे के इतिहास में गौरवशाली नाम- विमल बाफना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय रेलवे की के 173 वर्ष गौरवशाली सफर में भारत के प्रमुख रेलवे स्टेशन में रायपुर जंक्शन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है क्योंकि रायपुर रेलवे

स्टेशन पूरे देश का सर्वाधिक राजस्व प्रदान करने वाला बिलासपुर जोन के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर के द्वारा 25द्ध 26 वर्ष में 2 करोड़ 66 लाख यात्रियों ने सुरक्षित सफर किया इसी दौरान यात्रियों की टिकट चेकिंग से लगभग 11 करोड रुपए का राजस्व रायपुर रेल मंडल को प्राप्त हुआ रेलवे में माल ढुलाई से रायपुर रेल मंडल को 4 करोड़ 933 लाख रुपए की प्राप्ति हुई जिसमें कोयला सीमेंट खाद्यान्न आदि से माल लदान से प्राप्त हुआ रेल मंडल रायपुर को टिकट से14983 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ बिना दुर्घटना से सुरक्षित यात्रा रायपुर रेल मंडल की पहचान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर ने बनाई छत्तीसगढ़ एवं आसपास के राज्यों के लिए माल ढुलाई भी रेल मंडल पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं रायपुर रेलवे स्टेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी के अनुरूप आधुनिक विस्तार नई सज छज्जा के साथ विकसित रूप ले रहा है रायपुर रेलवे स्टेशन के सभी 7 प्लेटफार्म मैं मैं पर्याप्त कुर्सियां पेयजल बैठने की व्यवस्था खानपान स्टॉल वेटिंग रूम आदि व्यवस्थित साफ सुथरा होने के साथ-साथ यात्रियों के लिए भी अच्छा संदेश रायपुर स्टेशन के लिए होता है रायपुर स्टेशन से प्रमुख महानगरों कोलकाता मुंबई चेन्नई बेंगलुरु मद्रास जैसलमेर बीकानेर जयपुर बिहार उड़ीसा आदि धार्मिक स्थान के लिए भी पर्याप्त ट्रेन है गर्मियों को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल मंडल रायपुर के द्वारा विशेष स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाती है वर्तमान जनता वर्षों पुरानी मांग रायपुर बिलासपुर से वाया नागपुर भोपाल उदयपुर धार्मिक एवं झीलों की नगरी के लिए जाना जाता है काफी संख्या में पर्यटकों की आना जाना लगे रहता है सीधी ट्रेन प्राप्त होने से लोगों को लाभ मिलेगा बिलासपुर भगत की कोठी को भी जैसलमेर तक चलाई जाना चाहिए उपरोक्त रूट पर कई धार्मिक रामदेवरा फलोदी पोखरण आदि प्रमुख स्थान आते हैं जिससे रेलवे को आमदनी की अधिक प्राप्ति हो सकती है जो निश्चित ही चलाई जानी चाहिए सुविधाओं का विस्तार एयरपोर्ट स्टाइल पर अमृत भारत योजना के तर्ज पर किया जा रहा है रायपुर रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त मात्रा में टिकट घर काउंटर की सुविधा वेटिंग रूम फीडिंग रूम मसाजर गेम जोन बुजुर्ग लोगों के लिए ई गाड़ी आदि व्यवस्था उपलब्ध है रायपुर रेलवे स्टेशन सुंदरता सुरक्षा भव्यता के लिए मुख्य स्टेशन प्रबंधक रमेश मंडल एवं स्टेशन के अधिकारियों का विशेष सहयोग रहता है इस स्टेशन पर समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था रेल पुलिस प्रशासन का सहयोग यात्रियों को मिलता है रायपुर रेलवे स्टेशन को और अधिक भव्य बनाने के लिए डी आर एम श्री दयानंद सीनियर डीसीएम अवधेश त्रिवेदी जी की जोड़ी जिनके अथक प्रयासों से लगातार रायपुर रेल मंडल को नई दिशा ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रायपुर रेलवे स्टेशन को आज देश में गौरवशाली बनाया उल्लेखनीय है ।

रायगढ़ पुलिस की पहल, ताइक्कांडो प्रतियोगिता 1 मई से

रायगढ़ (प्रतिदिन राजधानी)

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए पुलिस द्वारा युवाओं को खेलों के माध्यम से जोड़ने की अभिनव पहल की जा रही है। इसी कड़ी में के तहत 1 एवं 2 मई को गौरीशंकर मंदिर रोड स्थित अग्रोहा भवन में दो दिवसीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में अंडर-14 (11 से 14 वर्ष) एवं अंडर-17 (15 से 17 वर्ष) आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस और युवाओं के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं सकारात्मक जुड़ाव को मजबूत करना है, ताकि खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को सही दिशा मिल सके। इच्छुक ताइक्कांडो खिलाड़ी दिए गए संपर्क नंबरों पर संपर्क कर 30 अप्रैल तक अपना निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार के साथ अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के संबंध में अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु दिये गये संपर्क नंबरों पर जानकारी ली जा सकती है ।

एसएसपी शशि मोहन सिंह का संदेश

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास होता है, जो समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लेमरू में दौड़ी जिंदगी की नई रफ्तार, संजीवनी 108 सेवा से ग्रामीणों को मिल रहा त्वरित उपचार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कोरबा जिले के अत्यंत दुर्गम वनांचल लेमरू क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। जिला मुख्यालय से लगभग 80 से 90 किलोमीटर दूर स्थित यह क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण है और यहां विशेष रूप से संरक्षित पिछड़ी जनजातियों जैसे पहाड़ी कोरवा और बिरहोर की बड़ी आबादी निवास करती है। लंबे समय तक यह इलाका स्वास्थ्य सुविधाओं से लगभग कटा रहा, जहां किसी भी आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने में 5 से 6 घंटे का बहुमूल्य समय लग जाता था। कई बार समय पर उपचार नहीं मिलने से स्थिति गंभीर हो जाती थी। प्रशासन ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए लेमरू क्षेत्र में संजीवनी एक्सप्रेस 108 एंबुलेंस

सेवा की शुरुआत की है। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की पहल और मार्गदर्शन में शुरू हुई यह सेवा अब इस वनांचल क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस यह एंबुलेंस अब एक फोन कॉल पर गांवों तक पहुंच रही है और मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध करा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू के अंतर्गत आने वाले लगभग 20 गांवों की 16 हजार से अधिक आबादी को इस सेवा का सीधा लाभ मिल रहा है। इनमें 1700 से अधिक लोग विशेष पिछड़ी जनजातियों से संबंधित हैं। गढ़उपरोड़ा, देवपहरी, अरसेना, नकिया और लेमरू, रापा, बड़गांव, छातीबहार, लामपहाड़, डोकरमना, विमलता जैसे दूरस्थ गांव अब इस सेवा से सीधे जुड़े हैं, जिससे यहां के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

संजीवनी 108 एंबुलेंस केवल मरीजों को लाने-ले जाने का साधन नहीं है, बल्कि यह एक चलती-फिरती जीवनरक्षक इकाई के रूप में काम कर रही है। इसमें फोल्डेबल और कैनवास स्ट्रेचर, व्हीलचेयर, ऑक्सीजन सिलिंडर, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी और शुगर जांच उपकरण, बर्न किट, डिलीवरी किट, सक्शन मशीन और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था उपलब्ध है। गंभीर मरीजों के लिए एएलएस सुविधा के अंतर्गत वेंटिलेटर भी लगाया गया है और प्रशिक्षित ईएमटी स्टाफ हर समय सेवा के लिए तत्पर रहता है।

पिछले एक वर्ष में इस सेवा के माध्यम से लगभग 1200 मरीजों को समय पर उपचार मिल चुका है। हृदयघात, सड़क दुर्घटनाएं, सर्पदंश, प्रसव संबंधी जटिलताएं और मलेरिया-डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों में यह सेवा कई लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हुई है। पहले जहां मरीजों को चारपाई पर ढोकर अस्पताल ले जाना पड़ता था, वहीं अब एंबुलेंस की सायरन सुनते ही ग्रामीण रास्ता बना देते हैं।

दिव्यांगजनों के लिए 24 से 30 अप्रैल तक नि:शुल्क सहायक उपकरण मूल्यांकन शिविर आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 24 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक मूल्यांकन एवं चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड (एआईसी) के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ष्टस्क्र) कार्यक्रम के तहत तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर के सहयोग से आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में दिव्यांगजनों का परीक्षण किया

जाएगा और उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरणों के लिए चयन किया जाएगा। शिविरों का आयोजन प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न विकासखंड मुख्यालयों में किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 अप्रैल को सरायपाली विकासखंड, 27 अप्रैल को बसना, 28 अप्रैल को पिथौरा, 29 अप्रैल को बागबाहरा तथा 30 अप्रैल को महासमुंद जनपद पंचायत मुख्यालय में शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में विशेषज्ञ टीम द्वारा दिव्यांगजनों की जांच कर उन्हें उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जाएगी।

शिविर की नोडल प्रभारी के रूप में श्रीमती सुनीता तिर्की, परिवीक्षा अधिकारी को नियुक्त किया गया है। उनके मार्गदर्शन में शिविरों का संचालन किया जाएगा तथा लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शिविर में भाग लेने के लिए दिव्यांगजनों को कुछ आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा।

वक्ता मंच के माध्यम से सराहनीय पहल

वृद्धाश्रम में काजल भगत का जन्मदिन मनाया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी के सुंदर नगर स्थित प्रशामक देख रेख गृह (वृद्धाश्रम) में कल शाम सु काजल भगत का जन्मदिन धूमधाम से उत्सवित किया गया द्य प्रदेश की अग्रणी सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा जारी समाज सापेक्ष कार्यों के क्रम में कल सु काजल भगत के परिजन वक्ता मंच के कार्यकर्ताओं के साथ वृद्धाश्रम पहुंचे द्य वहां केक काटकर, फल एवं मिठाईयां बांटकर जोर -शोर से प्रशामक गृह के रहवासियों के मध्य जन्मदिन मनाया गया द्य इस अवसर पर उपस्थित प्रबुद्धजनों ने अगले कुछ घंटे -हंसी खुशी के माहौल में इस परिसर में व्यतीत किए तथा संपूर्ण परिसर को पारिवारिक वातावरण प्रदान किया द्य भगत परिवार द्वारा प्रशामक गृह के रहवासियों हेतु रात्रि भोज का प्रबंध भी किया गया द्य आज का कार्यक्रम वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू के संयोजन में संपन्न हुआ द्य इस अवसर पर जयशंकर भगत (वरिष्ठ अधीक्षक जी एस टी), मती कला भगत (उप निदेशक स्कूली शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन), डॉ रूपेंद्र कवि (उप सचिव, लोक भवन) एम राजीव (संस्थापक युवा संस्था), मती सोनिका कवि, विशाल मिश्रा, मती ज्योति शुक्ला, खेमेश्वर पुरी गोस्वामी,मती रुनाली चक्रवर्ती, दुष्यंत साहू, डॉ उदयभान सिंग चौहान सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे द्य वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि ऐसे आयोजनों से प्रेरित होकर अब बड़ी संख्या में लोग सेवा भावना के साथ त्यौहारों व अपने जीवन के विशेष दिनों को उत्सवित करने वक्ता मंच के इस अभियान के साथ जुड़ते जा रहे है ।

मैरिन ड्राइव में मारपीट, मामले में 9 आरोपी और 3 नाबालिग गिरफ्तार

रायगढ़ (प्रतिदिन राजधानी)

मैरिन ड्राइव क्षेत्र में हुए गंभीर मारपीट मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों और 3 विधि के साथ संघर्षरत नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में हत्या के प्रयास और बलवा सहित कई गंभीर धाराएं जोड़ते हुए सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। यह घटना 22 अप्रैल की रात करीब 1 बजे शनि मंदिर के पास मैरिन ड्राइव क्षेत्र में हुई, जब एक छोटा हाथी वाहन को सड़क किनारे खड़ा करने को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर स्थिति हिंसक हो गई और एक शिकायतकर्ता चाहत जैन (27 वर्ष), निवासी कालिंदी कुंज, 21 अप्रैल को अपने दोस्तों के साथ कोष्टापारा स्थित देवांगन धर्मशाला में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 21.04.2026

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (including GST)
1	14/CE/NH/TC/ 44-10/2026 (1st Call)	2026_ MoRTH_ 906055_1	Maintenance Work on Km. 469.300 To 531.775 Patthalgaon to Kunkuri section NH-43 (Old NH-78)	Rs. 254.17 Lakhs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 12.05.2026 सुबह 17.30 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,
रायपुर (छ.ग.)

G-262700325/8

स्ट्रीट लाइट पर उड़ने वाले कीट-पतंगों का प्रकोप

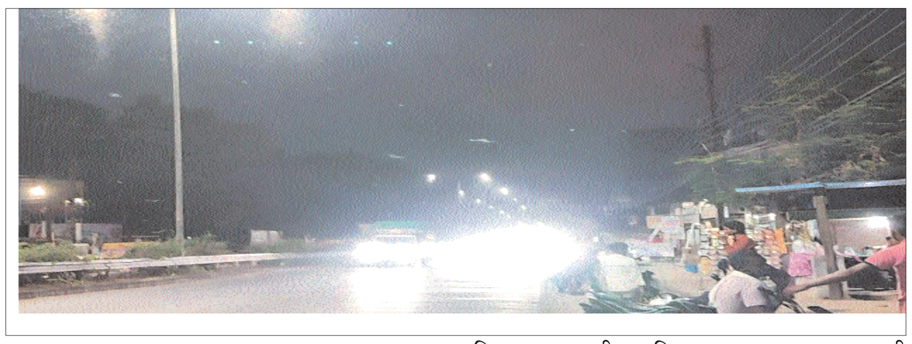

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिला मुख्यालय कोंडागांव में सोमवार की शाम एक अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिली, जब स्ट्रीट लाइट जलते ही असंख्य कीट-पतंगे सड़कों पर उमड़ पड़े। आमतौर पर लाइट के आसपास सीमित रहने वाले ये कीट इस बार पूरे मार्ग पर फैल गए, जिससे राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कई जगहों पर स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोगों को वाहन चलाने में दिक्कत हुई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित नजर आया। अचानक बढ़ी इस गतिविधि से स्थानीय लोग भी हैरान रह गए, क्योंकि शहर में इस तरह का नजारा पहली बार देखने को मिला।

विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम में बदलाव और नमी के कारण इस प्रकार की घटनाएं हो सकती हैं, जब कीट प्रकाश की ओर आकर्षित होकर बड़ी संख्या में एकत्र हो जाते हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान: कलेक्टर ने कराई स्वास्थ्य जांच

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय में कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई।

इस दौरान उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान स्वस्थ बस्तर की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर पहुंच रही है। सभी नागरिक स्वास्थ्य विभाग की टीम से स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाएं।

उल्लेखनीय है कि बस्तर संभाग में 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के अंतर्गत शुरू हुई विशेष अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर परिवार के सभी सदस्यों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल बनाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य 'मावा सेहत, मावा बस्तर' के अंतर्गत घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना है। इसके तहत उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिकल सेल, एनीमिया, कैंसर, टीबी, मलेरिया और कुष्ठ सहित अन्य मौसमी बीमारियों और रोगों की निःशुल्क जांच की जा रही है। साथ ही इलाज की आवश्यकता के आधार पर बेहतर उपचार भी उपलब्ध कराई जा रही है।

भीषण गर्मी का कहर, पारा 40 पार, लू से जनजीवन अस्त-व्यस्त

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर संभाग सहित कोंडागांव जिले में इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं (लू) के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

सुबह 10 बजे के बाद ही गर्मी का असर तेज हो जाता है और दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। बाजारों और मुख्य सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है, वहीं ठंडे पेय पदार्थों की मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने भी लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने, धूप में निकलने से बचने, हल्के रंग के कपड़े पहनने और ओआरएस का सेवन करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है और तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है,

कलेक्टोरेट में शासकीय कबाड़ की खुली बिक्री

तांबा - पीतल समेत कई सामग्रियों के दाम तय

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टोरेट जगदलपुर के राजस्व विभाग के अंतर्गत नाजरात शाखा में जमा अनुपयोगी शासकीय सामग्रियों को अब कबाड़ के रूप में बेचा जा रहा है। जारी सूचना के अनुसार इन सामग्रियों का विक्रय प्रति किलोग्राम की निर्धारित दर पर किया जाएगा, जिसमें सबसे कीमती स्कैप कॉपर है जिसकी दर 246 रुपए प्रति किलो तय की गई है। इसके अतिरिक्त स्कैप ब्रॉस 144 रुपए, एल्यूमिनियम 82 रुपए, स्कैप आयरन 28 रुपए और जीआई पाइप 25 रुपए प्रति किलो की दर से उपलब्ध हैं। कम कीमत वाली श्रेणियों में टीन 15 रुपए, वाहन टायर और पुराने कागज 08 रुपए तथा प्लास्टिक मात्र 05 रुपए प्रति किलो की दर पर बेचे जा रहे हैं।

इस प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन प्रस्तुत कर जिला कार्यालय के जिला नाजिर से संपर्क कर सकते हैं और निर्धारित दरों पर सामग्री का क्रय कर सकते कागज स्कैपिंग मशीन की पूरी पर करनी होगी। साथ ही सुरक्षा और पारदर्शिता के लिहाज से यह नियम बनाया गया है कि क्रय की गई कबाड़ सामग्री का उठाव तभी संभव होगा जब उसकी पूरी राशि शासन के पास जमा कर दी जाएगी।

गांजा तस्करी, राजस्थान के 2 आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 115.214 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 11,52,140 रुपये है। साथ ही एक कार क्रमांक आरजे 14 यूएफ 2337 भी जब्त किया गया। जब्त वाहन की कीमत लगभग 18 लाख रुपये बताई गई है। कुल जब्ती का मूल्य 29,52,140 रुपये है।

पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरुण कुमार नेताम के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था।

20 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि एक ग्रे रंग की कार में कुछ लोग ओडिशा से रायपुर की ओर गांजा ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर केशकाल थाना के सामने चेकिंग पॉइंट लगाया गया। वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वाहन नहीं रुका। इसके बाद पेट्रोलिंग वाहन और बैरिकेडिंग के माध्यम से कार को रोका गया।

वाहन में सवार दो व्यक्तियों ने अपना नाम सूरज सिंह राठौड़ (निवासी भीलवाड़ा, राजस्थान) और पंकज पुरी गोस्वामी (निवासी भीलवाड़ा, राजस्थान) बताया। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की से 53 पैकेट गांजा बरामद किया गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक परीक्षा: 46 केंद्रों में 12 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आगामी 26 अप्रैल को आयोजित होने वाली छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारियां जिले में अंतिम चरण पर हैं। इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जगदलपुर में कुल 46 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां 12,136 अभ्यर्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे।

हालांकि यह परीक्षा प्रदेश के चुनिंदा 16 जिलों में आयोजित की जा रही है, लेकिन इसमें सभी 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं।

परीक्षा की समय-सारणी के अनुसार यह लिखित परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक संचालित होगी। सुरक्षा और सत्यापन की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम 2 घंटे पहले केंद्र पर रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा, ताकि उनकी सघन तलाशी (फ्रिस्किंग) और फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से मिलान किया जा सके। समय की पाबंदी को लेकर निर्देश अत्यंत सख्त हैंय परीक्षा केंद्रों का मुख्य द्वार ठीक सुबह 9.30 बजे बंद कर दिया जाएगा और इसके बाद पहुंचने वाले किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए परीक्षा से एक दिन पहले अपने आबंटित केंद्र का अवलोकन अवश्य कर लें। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए विशेष ड्रेस कोड भी लागू किया गया है, जिसके तहत परीक्षार्थियों को केवल हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े और फुटवियर में चप्पल पहनकर आने की हिदायत दी गई है। काले, गहरे नीले, जामुनी, मैरून या गहरे चॉकलेटी जैसे रंगों के कपड़े पहनकर आने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही परीक्षा कक्ष के भीतर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस, पर्स, बेल्ट, टोपी और यहां तक कि कान के आभूषण ले जाना भी पूर्णतः वर्जित है। जो अभ्यर्थी किसी धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक में आएंगे, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच के उपरांत ही अनुमति दी जाएगी, जिसके लिए उन्हें सामान्य समय से पहले केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा।

तत्काल समाप्त कर कठोर कार्रवाई की जाएगी, अतः परीक्षार्थी केवल अपने साथ नीले या काले बॉल पॉइंट पेन ही लेकर आएं।

भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश को कर रही गुमराह-कांग्रेस

यह महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन बिल था

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

भाजपा पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश को गुमराह कर रही है भाजपा झूठ बोल रही है महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023)116 वां संविधान संशोधन वर्ष 2023 में संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन चुका यह महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन बिल था, जिसे विपक्ष ने एकजुट होकर सदन में हरा कर गिरा दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कांग्रेस भवन में प्रेसवार्ता के दौरान खुलासा करते हुए उक्त बातें व्यक्त की उन्होंने कहा कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण की प्रबल समर्थक रही है और आज भी अपने रुख पर कायम है।

आज जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश देश में भ्रम फैला रहा कि कांग्रेस व विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया इस लिए संसद में बिल पास नहीं हो सका

प्रेस वार्ता में बताया गया कि 16 अप्रैल 2026 को पेश किया गया विधेयक परिसीमन से संबंधित था, जिसमें लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने (815 राज्य, 35 केंद्र शासित प्रदेश) तथा 2011 की जनगणना को आधार बनाने का प्रस्ताव शामिल था। साथ ही पांडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर से संबंधित कानूनों में संशोधन की बात भी रखी गई थी।

दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने

सवाल उठाया कि जब नई जनगणना (2026-27) प्रस्तावित है, तो 2011 के पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों किया जा रहा है? उन्होंने यह भी पूछा कि महिला आरक्षण को वर्तमान लोकसभा में ही 33 प्रतिशत लागू क्यों नहीं किया जा सकता उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर इसके क्रियान्वयन में देरी करने की कोशिश की है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 लागू होने के बावजूद इसे पूरी तरह लागू करने में 2036 तक का समय बताया जाना महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है।

कांग्रेस के ट्रैक रिकॉर्ड को रेखांकित करते हुए भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि पार्टी ने हमेशा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। 1989 में पंचायत एवं नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत और 1993 में इसे संवैधानिक दर्जा देने का कार्य कांग्रेस सरकार ने किया, जिसके परिणामस्वरूप आज देशभर में 15 लाख से अधिक महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय हैं।

दुर्ग ग्रामीण महामंत्री योगिता चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण की मजबूत पक्षधर है, जबकि भाजपा परिसीमन के जरिए और महिला आरक्षण के नाम पर देश को गुमराह कर रही है। इस दौरान पूर्व महापौर आरएन वर्मा, महामंत्री राम सुर्यवंशी, जामवंत गजपाल, जमुना साहू, रायसिंह धिकोला, कन्या ढीमर, आनंद ताम्रकर, गजानंद साहू, हेमा साहू, नासिर खोखर, पालेश्वर ठाकुर,अभिषेक जांगड़े, श्यामाचरण मनहर, सुमित नारंग, आनंद कपूर ताम्रकार, शिशिर कांत कसार, मोहित वालदे, सुनीत घोष, लव सोनी, मोनू साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे ।

उप चुनाव के लिए जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली तैयार/पुनरीक्षण का कार्य जिले में प्रभावशील है। नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन होना प्रस्तावित है। आगामी निर्वाचन से संबंधित शिकायत पर त्वरित कार्यवाही के लिए जिला स्तरीय शिकायत सेल का गठन किया गया है। यह शिकायत सेल भू-अभिलेख कक्ष क्रमांक 21 में संचालित होगा। इसके संचालन हेतु विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी उनके पूर्व दायित्वों के साथ अतिरिक्त रूप से लगाई गई है।

शिकायत सेल में अधीक्षक भू-अभिलेख सुश्री रेखा राजपूत मोबाइल नंबर 8359809792 को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ सहायक प्रभारी अजय मेरावी (सहायक अधीक्षक) 7987028422 अलावा उज्जवला ध्रुव (सहायक राहुल यादव (भृत्य) की ड्यूटी लगाई गई है, जो विभिन्न सहायक कार्यों का निर्वहन करेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी(स्थानीय निर्वाचन) के आदेशानुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भिलाई शाखा (सीआईआरसी) द्वारा पीयर रिव्यू बोर्ड के तत्वावधान में 18 अप्रैल को वन डे ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन पीयर रिव्यू का आयोजन आईसीएआई भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष सीए सुखदेव राठी के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने पीयर रिव्यू के महत्व एवं प्रोफेशनल क्वालिटी एन्हांसमेंट में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीयर रिव्यू के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे—रैशनल एवं महत्व, रिव्यू प्रोसीजर एवं रिपोर्टिंग, ‚त्तरूरू की भूमिका, तकनीकी एवं प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स का अनुपालन, क्वालिटी कंट्रोल फ्रेमवर्क, एथिकल स्टैंडर्ड्स तथा ऑडिट डॉक्यूमेंटेशन पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में सीए अनघ गुप्ता एवं सीए शशि गुप्ता ने अपने अनुभव एवं ज्ञान से प्रतिभागियों को समृद्ध किया। कार्यक्रम संयोजक के रूप में सीए अभय छाजेड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इस अवसर पर भिलाई शाखा के पूर्व अध्यक्ष—सीए प्रदीप पाल, सीए मिनेष जैन, सीए नितिन रूंगटा, सीए पदम बराड़िया, सीए जवेरी लाल जैन एवं सीए राजेश बाफना की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही कोषाध्यक्ष सीए प्रभजीत सिंह जग्गी एवं सीआईसीएएसए चेयरमैन सीए तलविंदर सैनी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन सीए मुस्कान बख्तियार द्वारा किया गया। अंत में शाखा सचिव सीए प्रतीक अग्रवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह कार्यक्रम सदस्यों के लिए ज्ञानवर्धक एवं व्यावसायिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

महापौर के समक्ष लाटरी पद्धति से हितग्राहियों को मिला सपनों का घर

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

भिलाई-चरौदा नगर निगम में हुआ एएचपी आवासों का आबंटन महापौर निर्मल कोसरे के समक्ष लाटरी पद्धति से हितग्राहियों को मिला उनके सपनो का घर

किराये के मकान में रहने वाले परिवारों के लिए भिलाई-3 चरौदा निगम द्वारा सोमवार को एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हुये प्रधानमंत्री आवास मोर-मकान मोर-आस का आबंटन किया गया। वार्ड क्र. 06 उमदा में लक्ष्मी मैरिज

पैलेस जाने वाली रोड पर तालाब के किनारे निर्मित उमदा 87 एएचपी में से 23 आवासों को आबंटन करने लॉटरी पद्धति का इस्तेमाल किया गया। इन हितग्राहियों द्वारा 324600 रू. में मिलने वाले आवासों के लिए 10 प्रतिशत की राशि पूर्व से निगम कोष में जमा करा दी गई थी। आज यहा निर्धारण होने के उपरांत कि 87 आवासों में से कौन से मकान इन 23 लोगों को प्राप्त होंगे के पश्चात एक माह के भीतर शेष 292140 रूपये प्रत्येक हितग्राही को निगम कोष में जमा करना होगा जिसके बाद उन्हे विधिवत आवासो का आधिपत्य प्राप्त होगा। निगम सभागार दौरान महापौर निर्मल कोसरे नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा, एमआईसी सदस्य ईश्वर साहू, पार्षद श्रीमती प्रेमलता चंद्राकर सहित निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाकौशल जैन मूर्तिपूजक संघ का ग्रीष्मकालीन शिविर 21 मई

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से आयोजित होने वाला महाकौशल जैन मूर्तिपूजक संघ का प्रतिष्ठित ग्रीष्मकालीन शिविर इस वर्ष दुर्ग में आयोजित किया जा रहा है। करीब 7-8 वर्षों के अंतराल के बाद यह गौरवपूर्ण अवसर दुर्ग संघ को प्राप्त हुआ है, जिससे जैन समाज में उत्साह का माहौल है। यह शिविर 21 मई से 31 मई 2026 तक श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर, दुर्ग स्थित ऋषभदेव परिसर में आयोजित होगा। इसमें 13 से 25 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहां उनके आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सीए पदम बराड़िया, महामंत्री विनोद गोलछा एवं कार्यकारिणी ने शिविर के सफल संचालन हेतु सीए मिनेश छाजेड़ को संयोजक नियुक्त किया है। उनके नेतृत्व में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिसमें भोजन समिति, व्यवस्था समिति, पंजीयन समिति एवं स्वयंसेवक दल शामिल हैं।

शिविर में साध्वी भगवंतों का पावन सान्निध्य जी म.सा. आदि ठाणा के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को धर्मज्ञान, अनुशासन, स्वाध्याय एवं जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 23 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

राजस्थान ने लखनऊ को 160 रन का टारगेट दिया

जडेजा ने 43 रन बनाए, सूर्यवंशी 8 रन पर आउट, शमी, मोहसिन और प्रिंस को 2-2 विकेट

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 32वें मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 160 रन का टारगेट दिया। इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। राजस्थान के लिए सबसे ज्यादा नाबाद 43 रन रवींद्र जडेजा ने बनाए। 15 साल के ओपनर वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके और सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें मोहसिन खान ने दिग्वेश राठी के हाथों कैच कराया। वहीं, गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-2 विकेट झटके। इससे पहले वैभव ने चौका लगाकर आईपीएल में 227 गेंदों पर 500 रन पूरे किए। वे लीग में सबसे कम गेंदों पर यह कारनामा करने वाले बैटर बने। उन्होंने आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड तोड़ा। रसेल ने 244 गेंदों पर अपने पहले 500 रन बनाए थे।

आखिरी ओवर में 20 रन बने

रवींद्र जडेजा ने अंतिम ओवर में 3 बाउंड्री लगाई। मयंक यादव के ओवर में जडेजा ने 4, 2, 4, 2, 2 और आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर कुल 20 रन बटोर लिए। आखिरी गेंद पर जडेजा ने फाइन लेग के ऊपर पुल शॉट खेलकर छक्का जड़ा और टीम का स्कोर 159/6 तक पहुंचा दिया।

19वें ओवर में प्रिंस यादव की बॉल पर इम्पैक्ट प्लेयर शुभम दुबे ने दो चौका लगाया। इस ओवर में कुल 12 रन बने।

फरेरा आउट, प्रिंस को दूसरा विकेट

प्रिंस यादव ने 16 वें ओवर में डोनोवन फरेरा को पवेलियन भेजा। ऑफ साइड के बाहर धीमी और शॉर्ट गेंद पर फरेरा ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। थर्ड मैन पर खड़े मोहसिन खान ने पीछे की ओर कदम लेते हुए शानदार कैच लपका। अंपायर्स ने कैच की जांच भी की, लेकिन रिप्ले में साफ हुआ कि उनका पैर बाउंड्री रोप से नहीं लगा था। इस तरह फरेरा 19 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए।

पंत रनआउट करने से चूके : मयंक यादव की धीमी गेंद पर जडेजा ने स्क्वेयर लेग की ओर खेलकर एक रन लिया। इसके बाद दूसरे रन के लिए बड़ी गलतफहमी देखने को मिली। जडेजा ने पहले रन के लिए कॉल किया, फिर अपने साथी डोनोवन फरेरा को वापस भेज दिया, जो आधे रास्ते तक पहुंच चुके थे। डीप से निकोलस पूरन का थ्रो काफी खराब रहा, जिसके बाद ऋषभ पंत ने गेंद पकड़कर बेल्स उड़ाईं, लेकिन वह भी संतुलन खो बैठे। इस बीच फरेरा ने डाइव लगाकर क्रीज में वापसी कर ली। 13वें ओवर में मोहम्मद शमी की गेंद पर डोनोवन फरेरा को जीवनदान मिला। लेग साइड पर फुल गेंद को फरेरा ने डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग की ओर खेला, जहां मयंक यादव ने कैच का गलत अंदाजा लगा लिया।

आईपीएल 2026 में सूर्यवंशी का प्रदर्शन : आईपीएल 2026 में सूर्यवंशी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने 7 पारियों में 36.28 की औसत और 220.86 की स्ट्राइक रेट के साथ 254 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 2 अर्धशतक लगाए हैं। 15 साल के इस होनहार बल्लेबाज ने आरसीबी के खिलाफ 78 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा ष्टस्य़्य के विरुद्ध उन्होंने 52 रन बनाए थे। इस सीजन में उनके पिछले 3 स्कोर क्रमश: 8, 46 और 0 रन रहे हैं।

वेस्टइंडीज चैंपियनशिप : खतरनाक पिच की वजह से घायल हुआ खिलाड़ी, मैच रद्द किया गया

नई दिल्ली। त्रिनिदाद और टोबैगो और लीवर्ड आइलैंड्स के बीच वेस्टइंडीज चैंपियनशिप का मैच रद्द कर दिया गया और इसे ड्रॉ घोषित किया गया। यह फैसला मैदान पर एक घटित एक गंभीर घटना के बाद असुरक्षित और खतरनाक पिच की वजह से लिया गया। खतरनाक पिच की वजह से इंजर्ड हुए एक खिलाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के तहत सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा चार दिवसीय मैच मंगलवार सुबह समय से पहले खत्म हो गया। अंपायरों ने पिच को खेलने के लिए बहुत खतरनाक माना। लगातार खराब होते पिच की वजह से अंपायरों ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मैच को रद्द करने का फैसला लिया। यह फैसला लीवर्ड आइलैंड्स की दूसरी पारी में एक चिंताजनक पल के बाद आया जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पेसर जेडन सील्स की एक तेज उठती हुई गेंद जेरेमिया लुइस के हेलमेट पर लगी। गेंद अचानक लेंथ से उछल गई, जबकि पिछली गेंद नीचे रह गई थी। गेंद लगने के तुरंत बाद लुइस गिर पड़े, उनका बल्ला गिर गया, और फिर उन्होंने गुस्से में अपने हेलमेट पर लात मारी। उन्हें मैदान पर मेडिकल मदद मिली, फिर उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाकर आगे की जांच के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुताबिक, खिलाड़ी की हालत स्थिर है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'क्यूरेटर के साथ बातचीत के बाद अंपायरों ने यह तय किया कि पिच को ठीक नहीं किया जा सकता है। पिच खतरनाक है और मैच फिर से शुरू करने के लिए फिट नहीं है, इसलिए मैच ड्रॉ घोषित किया गया।' बयान में कहा गया, 'मैच रद्द करने का फैसला कॉम्पिटिशन को नियंत्रित करने वाली शर्तों के अनुसार लिया गया। इन शर्तों के तहत, जब ऑन-फील्ड अंपायर यह तय करते हैं कि खेल जारी रखना खतरनाक या गलत है, तो खेल रोक दिया जाना चाहिए, और क्रिकेट वेस्टइंडीज के मैच रेफरी से सलाह ली जानी चाहिए। 'क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भरोसा दिलाया है कि टूर्नामेंट फाइनल सहित वेन्यू पर आने वाले मैचों से पहले सुधार के उपाय किए जाएंगे। बोर्ड ने कहा, 'आगे के मैचों के लिए एक सुरक्षित और प्रतियोगी पिच तैयार किया जाएगा जिसके लिए सभी जरूरी संसाधन और विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया जाएगा। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि लीवार्ड आइलैंड्स बनाम त्रिनिदाद और टोबैगो मैच के लिए इस्तेमाल की गई सतह वेन्यू पर मौजूद छह पिचों में से एक है और गुयाना बनाम विंडवर्ड आइलैंड्स सीरीज के पहले मैच के लिए इस्तेमाल की गई सतह से अलग है। क्रिकेट वेस्टइंडीज सभी वेन्यू पर पिच की तैयारी और मैच ऑपरेशन के सबसे ऊंचे मानक को पक्का करते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जारी रखेगा। 'लीवार्ड आइलैंड्स के कोच वाइल्डन कॉर्नवाल ने इस घटना और पिच की हालत पर चिंता जताते हुए कहा, 'वह अभी हॉस्पिटल में है। मुझे बस उम्मीद है कि उसके लिए सब कुछ ठीक हो जाएगा और कोई गंभीर नुकसान नहीं होगा। जो हुआ उसे देखना सच में बहुत बुरा था।

शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्र: सोबो जायंट्स ने जीता पहला संस्करण

पुणे। सोबो जायंट्स ने शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्र का खिताब जीत लिया है। यह लीग का पहला संस्करण था। एक कड़े मिश्रित टीम फाइनल में, सोबो जायंट्स ने पालघर गोल्डन फिंगर के खिलाफ 17-7 से निर्णायक जीत हासिल की। आमही पुणेकर ने सांगली अल्फा लायंस को 16-14 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह लीग शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के विकास में महत्वपूर्ण है। एसएलआई इस खेल के लिए एक संरचनात्मक रास्ता बनाने में मदद करती है। इस साल की शुरुआत में कर्नाटक शूटिंग लीग के सफल लॉन्च के बाद, एसएलएम अब भारत में दूसरी राज्यस्तरीय लीग है। यह पूरे देश में खेल के लिए एक बड़े आयोजन श्रृंखला की शुरुआत है। इस राज्यस्तरीय लीग शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लंबे समय के विजन के लिए जरूरी हैं। इसका मकसद खेल और इसके प्रशंसकों की संख्या को बढ़ाना है। लीग पूरे महाराष्ट्र से नए और जाने-माने निशानेबाजों को एक साथ लायी, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों के प्रतिभागियों पर खास जोर दिया गया। लीग ने यह भी दिखाया कि कैसे एक टीम और फॉर्मेट आधारित लीग जमीनी स्तर पर भागीदारी को श्रेष्ठ प्रदर्शन से जोड़ सकता है। प्रतियोगिता और मनोरंजन को मिलाकर एसएलएम ने एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है, जो प्रतिभा को प्रदर्शित और प्रेरित करता है। ओलंपियन और भारत की लोकप्रिय शूटर रहीं अंजलि भागवत ने कहा, 'यह फॉर्मेट और अनुभव निश्चित रूप से शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को बनाने में मदद करेगा। यह प्रतिभाओं को निखारने और निशानेबाजों को खेल की जरूरतों के लिए तैयार करने का सबसे अच्छा तरीका है, खासकर उन्हें लाइव ऑडियंस के सामने मैच के दबाव में डालकर।' पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता दीपाली देशपांडे ने कहा, 'यह पूरे महाराष्ट्र राइफल एसोसिएशन इकोसिस्टम - खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और आयोजकों का मिलकर किया गया प्रयास था। इसे अपने पहले साल में इतनी कामयाबी मिलते देखना सुकूनदायक है। जाने-माने भारतीय शूटर रौनक पंडित ने कहा, 'इस तरह की लीग शूटिंग को ज्यादा दिलचस्प और आसान बनाने के लिए जरूरी हैं। इसका मकसद खेल को सिर्फ तकनीकी मानने की सोच से आगे बढ़कर इसे लोगों के करीब लाना है।

एमएस धोनी को विकेटकीपिंग करते देखना सीएसके के लिए अच्छा संकेत : आदित्य तारे

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में आज लीग की दो सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस-चेन्नई सुपर किंग्स आमने-सामने होंगी। मुकाबला मुंबई के घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में सीएसके की तरफ से पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी खेलेंगे या नहीं, चर्चा का विषय बना हुआ है। एमएस धोनी टीम के साथ मुंबई गए हैं, और अभ्यास सत्र में उन्हें विकेटकीपिंग करते हुए देखा गया है। इससे उनके एमआई के खिलाफ खेलने के कयास लग रहे हैं। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट मुंबई क्रिकेट के दिग्गज आदित्य तारे ने कहा, 'मैं अभ्यास सत्र देख रहा था और जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा हैरान किया, वह थी माही भाई का विकेटकीपिंग करना। मैंने उन्हें पहले कभी अभ्यास सत्र में विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने नहीं देखा। वह आमतौर पर सिर्फ बल्लेबाजी या गेंदबाजी करते हैं। वह अभ्यास सत्र में कभी विकेटकीपिंग नहीं करते।' उन्होंने कहा, 'अभ्यास सत्र में एमएस धोनी अपना हेलमेट, पैड और कीपिंग ग्लव्स पहने हुए थे। वह शायद पिंडली की चोट के बाद अपनी मैच फिटनेस टेस्ट कर रहे हैं। हमने उन्हें पहले भी नेट्स में कई मौकों बार बल्लेबाजी करते देखा है। इस साल मैंने उन्हें पहली बार विकेटकीपिंग करते देखा है। यह एक अच्छा संकेत है। सीएसके उन्हें बहुत जल्द मैदान पर वापस ला सकती है। अगर वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करते हैं, तो यह वाकई बहुत खास होगा।' आईपीएल 2026 की शुरुआत से ठीक पहले पिंडली की चोट का सामना करने वाले एमएस धोनी सीजन में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। एमआई के खिलाफ भी वह सीएसके की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे या नहीं, इस पर तस्वीर साफ नहीं है। हालांकि धोनी की वापसी से निश्चित रूप से सीएसके का आत्मविश्वास बढ़ेगा। सीएसके के लिए आईपीएल 2026 अब तक साधारण रहा है। टीम 6 मैचों में 2 जीत और 4 हार के साथ अंकतालिका में आठवें स्थान पर है।

नीतीश राणा से 4 ओवर गेंदबाजी करवाना समझ से परे', आरोन फिंच ने अक्षर पटेल के फैसले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मंगलावर को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला गया। एसआरएच ने मैच 47 रन से जीता। मैच के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल की कप्तानी पर सवाल उठे हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने कुलदीप यादव और अपना 4 ओवर का कोटा पूरा न करने के लिए अक्षर की आलोचना की है। आरोन फिंच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'डीसी में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के रूप में भारत के दो श्रेष्ठ स्पिनर हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने अपने ओवर पूरे नहीं किए, जबकि नीतीश राणा जैसे पार्ट-टाइम ऑफ स्पिनर ने चार ओवर फेंके। मुझे इसका कोई मतलब समझ नहीं आ रहा है।' फिंच ने कहा कि अक्षर पटेल और कुलदीप यादव दोनों ही दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वह टीम इंडिया की स्पिन गेंदबाजी की ताकत हैं। इसके बावजूद बाएं हाथ के बल्लेबाज के सामने अक्षर का गेंदबाजी न करना और कुलदीप को गेंदबाजी के लिए न बुलाना उनके भरोसे की कमी को दिखाता है।

ला लीगा : रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक क्लब की जीत

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड ने अलावेस के खिलाफ 2-1 की जीत दर्ज कर अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से अंतर घटाकर छह अंक कर दिया। मैच की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। 29वें मिनट में स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे ने पेनल्टी एरिया के बाहर से शानदार शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। मैड्रिड का दबदबा इसके बाद भी जारी रहा। हाफटाइम से ठीक पहले एडर मिलिटाओ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए, जो टीम के लिए चिंता का विषय बन सकता है। दूसरे हाफ में विनिसियस जूनियर ने अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। उन्होंने फेडे वाल्वरडे के शानदार मूव के बाद बेहतरीन गोल दागा। हालांकि मैच के इंजरी टाइम में टोनी मार्टिनेज ने अलावेस के लिए एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। दूसरी ओर, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों से चले आ रहे जीत के सूखे को खत्म किया। शुरुआती गोल विक्टर त्सिगांकोव ने किया, लेकिन बाद में मार्क रोका और अब्दे एजालजौली ने स्कोर पलट दिया।

पैट कमिंस की वापसी के बाद भी ईशान किशन को ही एसआरएच का कप्तान होना चाहिए : संजय बांगर

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल में पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) प्रबंधन ने आईपीएल 2026 से पहले किशन को कप्तानी सौंपी थी। किशन ने अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है और उन्हें अब कमिंस की वापसी के बाद भी टीम का कप्तान बनाए रखने की बात चलने लगी है। ईशान किशन ने अब तक सनराइजर्स हैदराबाद की 7 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें 4 मैच जीतकर टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। मंगलवार को हुए मैच में एसआरएच ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया। मैच के बाद पूर्व भारतीय ऑल-राउंडर संजय बांगड़ ने ईशान की कप्तानी की तारीफ की और कमिंस की वापसी के बाद भी एसआरएच का नेतृत्व उनके पास ही रहने देने की वकालत की। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट संजय बांगर ने कहा, 'एक लीडर के तौर पर ईशान किशन अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में तकनीकी रूप से बहुत अच्छे हैं। वह समझते हैं कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह साफ दिखाता है कि वह गेम को कितनी अच्छी तरह नियंत्रित करते हैं।' बांगड़ ने कहा, 'किशन एक जगह स्थिर नहीं दिखते, जल्दबाजी में नहीं दिखते, फील्ड पर सही फैसले ले रहे हैं। किशन ने दिल्ली के खिलाफ अपने स्पिनर्स का शानदार इस्तेमाल किया। मेरा मानना है कि अगर पैट कमिंस वापस भी आते हैं, तो भी ईशान किशन को एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए। ज्यादातर मामलों में, एक भारतीय कप्तान होने से निरंतरता आती है।

अभिषेक ने कोहली की बराबरी की, 9वां टी-20 शतक लगाया....

राहुल-नीतीश का कैच पकड़कर मैच पलटा, क्लासन के 100 सिक्स पूरे

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 31वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हरा दिया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में अभिषेक शर्मा ने 9वां टी-20 शतक लगाकर विराट कोहली की बराबरी कर ली। मंगलवार को अभिषेक ने फील्डिंग में भी कमाल दिखाया। उन्होंने केएल राहुल और नीतीश राणा के कैच पकड़कर मैच का रुख पलट दिया। हेनरिक क्लासन ने 100 आईपीएल सिक्स पूरे किए।

अभिषेक ने 184 पारी में 9 टी-20 शतक लगाए

अभिषेक शर्मा के टी-20 में 9 शतक पूरे हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि 184 पारियों में हासिल की, जो भारतीयों में सबसे तेज है। कोहली को यहां तक पहुंचने में 403 पारियां लगी थीं। टी-20 में ओवरऑल सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 22 शतक लगाए हैं। बाबर आजम (12) और डेविड वॉर्नर (10) उनके बाद हैं।

अभिषेक ने केएल राहुल को पीछे छोड़ा : अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में नाबाद 135 रन बनाकर केएल राहुल (132*) को पीछे छोड़ दिया है। वे आईपीएल के हाईएस्ट इंडविजुअल स्कोरर की लिस्ट में दूसरी बार शामिल हो गए। इससे पहले पिछले साल उन्होंने 141 रन की पारी खेली थी। टी-20 में 130+ स्कोर के मामले में अभिषेक 4 बार के साथ टॉप पर पहुंच गए हैं, जबकि आरोन फिंच और क्रिस गेल ने 3-3 बार यह कारनामा किया है।

अभिषेक ने 5वीं बार एक पारी में 10+ सिक्स लगाए

अभिषेक शर्मा ने टी-20 में पांचवीं बार एक पारी में 10 या उससे ज्यादा छक्के लगाए। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 18 बार ऐसा किया है। एविन लुईस और श्रेयस अय्यर ने 4-4 बार यह कारनामा किया है। आईपीएल में यह दूसरी बार है जब अभिषेक ने एक पारी में 10 छक्के लगाए और वे गेल के बाद ऐसा कई बार करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उन्होंने टी-20 क्रिकेट में 350 छक्के भी पूरे कर लिए।

क्लासन आईपीएल में 100 सिक्स लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज : हेनरिक क्लासन आईपीएल में 100 छक्के लगाने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि 52 पारियों में हासिल की। उनसे आगे क्रिस गेल (37 पारियां) और आंद्रे रसेल (47 पारियां) हैं। गेंदों के हिसाब से क्लासन 1072 गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचे और सातवें स्थान पर हैं।

अभिषेक की हाफ सेंचुरी, रनआउट होने से बचे : 9वें ओवर की पहली बॉल पर अभिषेक शर्मा ने हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद को लेग साइड में खेलकर दो रन लिए। दूसरे रन पर थ्रो विकेटकीपर केएल राहुल के पास आया, लेकिन वे गेंद को साफ तरीके से कलेक्ट नहीं कर सके।

अक्षर पटेल का 100वां टी-20 मैच

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल टीम के लिए अपना 100वां टी-20 मैच खेल रहे हैं। वे 2019 से टीम का हिस्सा हैं और उसी साल 5 करोड़ रुपए में खरीदे गए थे। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें मेगा नीलामी से पहले 16.50 करोड़ रुपए में रिटेन किया गया। 14 मार्च 2025 को उन्हें टीम की कमान सौंपी गई।

नीतीश राणा ने अभिषेक का कैच छोड़ा : 13वें ओवर की तीसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को एक और जीवनदान मिला। टी. नटराजन की लो फुलटॉस पर उन्होंने बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से खेलने की कोशिश की। डीप में खड़े नीतीश राणा बाईं ओर दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन दोनों हाथों से कैच पकड़ने के बावजूद गेंद उनके हाथ से निकल गई।

अभिषेक का शतक और ईशान किशन रनआउट : 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा ने छक्का लगाकर शतक पूरा किया। नीतीश राणा की शॉर्ट गेंद को उन्होंने डीप मिडविकेट के ऊपर से पुल किया। इसी ओवर की चौथी गेंद पर ईशान किशन रनआउट हो गए। अभिषेक ने गेंद को सामने खेला, लेकिन नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े ईशान काफी आगे निकल चुके थे। नीतीश राणा ने गेंद को स्टंप्स पर डिफ्लेक्ट किया और ईशान समय पर क्रीज में नहीं लौट सके।

अभिषेक ने राहुल-राणा के कैच लपके : अभिषेक शर्मा ने फील्डिंग में कमाल दिखाते हुए लगातार ओवरों में दो कैच पकड़कर मैच का रुख बदल दिया। 10वें ओवर में ईशान मलिंगा की फुल लेंथ गेंद पर नीतीश राणा ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शॉट खेलने की कोशिश की।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

'बॉस लेडी' एनर्जी के साथ सारा सेठी की एंट्री ने बढ़ाया ड्रामा

मुंबई। इत्ती सी खुशी इन दिनों दर्शकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जहां कहानी में लगातार नए ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। विराट (रजत वर्मा) और अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) के रिश्ते के बीच अब एक नया मोड़ लेकर आई हैं सारा सेठी, जिनका किरदार अभिनेत्री भूमिकागुरुंग निभा रही हैं। आत्मविश्वास से भरी और प्रभावशाली सारा की एंट्री ने कहानी में ड्रामा और तनाव को और बढ़ा दिया है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए भूमिकागुरुंग ने कहा कि सारा की 'बॉस लेडी' एनर्जी ने उन्हें सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उनके अनुसार, सारा एक ऐसी महिला है जो अपनी ताकत को बिना झिझक अपनाती है और अपने आत्मविश्वास से हर परिस्थिति को नियंत्रित करना जानती है। उन्होंने यह भी बताया कि सारा का किरदार केवल एक नेगेटिव भूमिका नहीं है, बल्कि उसमें भावनात्मक गहराई और अतीत का दर्द भी शामिल है, जो उसे और दिलचस्प बनाता है। भूमिका ने आगे साझा किया कि सारा के हर फैसले के पीछे एक ठोस वजह है। वह सिर्फ रिश्ते तोड़ने के लिए नहीं आई, बल्कि अपने आत्मसम्मान और हक के लिए खड़ी हुई है। यही पहलू इस किरदार को उनके पिछले रोल्स से अलग बनाता है। सेट पर अपने अनुभव को लेकर उन्होंने बताया कि रजत वर्मा और सुम्बुल तौकीर खान के साथ काम करना बेहद सहज और आनंददायक रहा है। पूरी टीम के बीच अच्छी बॉन्डिंग है, जिससे शूटिंग का माहौल सकारात्मक बना रहता है। आने वाले एपिसोड्स को लेकर भूमिकागुरुंग ने संकेत दिए कि दर्शकों को सारा के कई प्लान्स, अप्रत्याशित ट्विस्ट्स और बदलते रिश्तों का दिलचस्प सफर देखने को मिलेगा। सारा की मौजूदगी कहानी को नए आयाम दे रही

निवा बूपा ने पेश की 'यंग इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस रिपोर्ट'; तैयारी मापने के लिए पहली बार लॉन्च किया 'हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर'

51% युवा भारतीय हेल्थ इंश्योरेंस को अपनी टॉप तीन वित्तीय प्राथमिकताओं में मानते हैं, लेकिन केवल 14% के पास ही वास्तव में पॉलिसी है

गुरुग्राम। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने आज अपने सालाना मुख्य इवेंट 'बेटर टुगेदर' में यंग इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस रिपोर्ट – इंडियाज़ हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर को पेश किया। यह इवेंट कंपनी के पार्टनर्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क से जुड़े लीडर्स का एक बड़ा जमावड़ा है। यह कार्यक्रम आपसी बातचीत को बढ़ावा देने, तालमेल को मजबूत करने और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के भविष्य की योजना बनाने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में काम करता है–जिसमें ग्राहकों की जरूरतों को सबसे ऊपर रखा जाता है। यंग इंडिया रिपोर्ट एक सर्वेक्षण पर आधारित है जो 35+ शहरी और ग्रामीण केंद्रों के 2,400+ उत्तरदाताओं के बीच किया गया था, जिसमें टियर 1, 2 और 3 शहरों के साथ-साथ गाँव भी शामिल हैं। यह युवा उपभोक्ताओं के बीच स्वास्थ्य बीमा के प्रति जागरूकता और वास्तविक स्वामित्व के बीच एक बड़े अंतर को उजागर करता है। जबकि 51% युवा भारतीय स्वास्थ्य बीमा को अपनी शीर्ष तीन वित्तीय प्राथमिकताओं में रखते हैं जो एक मजबूत इरादे को दर्शाता है–केवल 14% के पास वर्तमान में व्यक्तिगत पॉलिसी है, जो जागरूकता और कार्रवाई के बीच एक

स्पष्ट अंतर को प्रकट करता है। रिपोर्ट की एक मुख्य विशेषता हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर की शुरुआत है यह अपनी तरह का पहला कंपोजिट मीट्रिक (मिश्रित पैमाना) है जिसे यह आंकने के लिए बनाया गया है कि युवा भारतीय मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए कितने तैयार हैं। यह स्कोर चार महत्वपूर्ण पहलुओं को एक साथ लाता है: 1) जीवनशैली का अनुशासन, 2) परिवार का स्वास्थ्य इतिहास, 3) स्वास्थ्य स्थिति और देखभाल का स्व-मूल्यांकन, और 4) वित्तीय पर्याप्तता जो केवल बीमा होने से कहीं आगे बढ़कर स्वास्थ्य संबंधी तैयारी का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर ने एक असुरक्षित युवा भारत का खुलासा किया : हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर के निष्कर्ष भारत की स्वास्थ्य तैयारी के परिदृश्य की एक आकर्षक और कुछ हद तक विरोधाभासी तस्वीर पेश करते हैं। समग्र स्वास्थ्य की एक अपुष्ट (बिना जाँची हुई) भावना के भरोसे, युवा भारत ने हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर पर 4.54 का कम स्कोर हासिल किया है, जो मेडिकल इमरजेंसी को संभालने के लिए अपर्याप्त तैयारी का संकेत देता है। हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर के निष्कर्ष भारत की स्वास्थ्य तैयारी की स्थिति की एक दिलचस्प और कुछ हद तक उम्मीद के विपरीत तस्वीर पेश करते हैं। अपने अच्छे स्वास्थ्य के एक बिना जाँचे-परखे भरोसे के कारण, युवा भारत ने हेल्थ प्रोटेक्शन स्कोर पर 4.54 का कम स्कोर हासिल किया है, जो मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए अधूरी तैयारी की ओर इशारा करता है। इससे भी खास बात यह है कि 76% युवा भारतीय असुरक्षित श्रेणी में आते हैं, जिनमें से 23% को बहुत असुरक्षित और 53% को कुछ हद तक असुरक्षित माना गया है। चिंताजनक बात यह है कि केवल 24% युवा ही अचानक आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आर्थिक या चिकित्सकीय रूप से तैयार हैं। ये निष्कर्ष इस बात पर जोर देते हैं कि यह चुनौती केवल आर्थिक तैयारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बीमारी से बचाव वाले व्यवहार और जीवनशैली के अनुशासन में कमी भी शामिल है जो बदलते उपभोक्ता दृष्टिकोण, वित्तीय प्राथमिकताओं और जोखिम की समझ को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

इरादा तो पक्का है, लेकिन कदम उठाने में देरी : रिसर्च से पता चलता है कि इरादे और उसे पूरा करने के बीच यह अंतर पैसों की कमी की वजह से कम, बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के भ्रम की वजह से ज्यादा है। कई युवा ग्राहकों का मानना है कि स्वास्थ्य बीमा की जरूरत जीवन के बाद के पड़ावों पर होती है, जब बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। यह व्यवहार व्यापक वित्तीय पैटर्न को दर्शाता है युवा भारतीय रोज़मर्रा के खर्चों को मैनेज करने में तो अनुशासित हैं, लेकिन वे लंबी अवधि की सुरक्षा (8%) के मुकाबले नकदी या लिक्विडिटी (26%) को प्राथमिकता देते हैं।

छुट्टियों के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष ट्रेनों का व्यापक संचालन...दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 18 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें, कुल 88 ट्रिप का किया जा रहा है संचालित

रायपुर। भारतीय रेलवे द्वारा ग्रीष्म ऋतु 2026 के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए देशभर में विशेष ट्रेनों का व्यापक संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 15 अप्रैल, 2026 से 15 जुलाई, 2026 तक की अवधि के लिए कुल 908 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी प्रदान की गई है, जो इस अवधि में 18,262 ट्रिप संचालित करेंगी । यह पहल गर्मियों के चरम समय में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और प्रतीक्षा सूची को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से कुल 18 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों को मंजूरी दी गई है, जो यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए 88 ट्रिप संचालित करेंगी । इनमें से 13 विशेष ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किया जा चुका है, जबकि शेष 75 ट्रिप आगामी दिनों में चरणबद्ध तरीके से संचालित किए जाएंगे । इन विशेष ट्रेनों का संचालन विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के बीच किया जाएगा, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा । इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भी यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष प्रबंध किए गए हैं । क्षेत्र के प्रमुख एवं व्यस्त स्टेशनों जैसे बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, इतवारी, रायगढ़ एवं शहडोल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। इनमें प्लेटफॉर्म प्रबंधन, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल व्यवस्था, प्रतीक्षालयों में सुधार, स्वच्छता व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया गया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की बढ़ी हुई उपलब्धता से यात्रियों को कई प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होंगी। इससे न केवल ट्रेनों में भीड़भाड़ कम होगी, बल्कि प्रतीक्षा सूची में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही, यात्रियों को समय पर आरक्षण मिलने से उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक एवं तनावमुक्त होगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लाखों यात्रियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, जो गर्मी के मौसम में अपने गंतव्य तक यात्रा करते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान रेलवे द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अधिकृत माध्यमों से ही टिकट आरक्षित करें। रेलवे प्रशासन यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

जिसकी जानकारी इस प्रकार है :-

- गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग-हरिद्वार साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग से प्रत्येक रविवार को 26 अप्रैल से 28 जून, 2026 तक परिचालन होगा।
- गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन हरिद्वार से प्रत्येक सोमवार को 27 अप्रैल से 29 जून, 2026 तक परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08865 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-शालीमार साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रत्येक गुरुवार को 23 अप्रैल से 25 जून, 2026 तक परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08866 शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रत्येक शुक्रवार को 24 अप्रैल से 26 जून, 2026 तक परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08867 गोंदिया-रक्सौल साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन गोंदिया से प्रत्येक शनिवार को 25 अप्रैल से 27 जून, 2026 तक परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08868 रक्सौल-गोंदिया साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन गोंदिया से प्रत्येक रविवार को 26 अप्रैल से 28 जून, 2026 तक परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08871 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-मालदा समर स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस से 26 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08872 मालदा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) समर स्पेशल ट्रेन मालदा से 27 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08745 दुर्ग-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग से 29 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08746 शालीमार-दुर्ग समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 23 एवं 30 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08261कोरबा-यलहंका समर स्पेशल ट्रेन कोरबा से 02 मई, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08262 यलहंका-कोरबा समर स्पेशल ट्रेन यलहंका से 03 मई, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08861 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन नेताजी सुभाष चंद्र बोस से 27 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08862 शालीमार-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 28 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा।
- गाड़ी संख्या 08749 रायपुर-खड़गपुर समर स्पेशल ट्रेन रायपुर से 23 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08750 खड़गपुर-रायपुर समर स्पेशल ट्रेन खड़गपुर से 24 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा ।
- गाड़ी संख्या 08257 बिलासपुर-शालीमार समर स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से 25 एवं 26 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा।
- गाड़ी संख्या 08258 शालीमार-बिलासपुर समर स्पेशल ट्रेन शालीमार से 25 एवं 26 अप्रैल, 2026 को परिचालन होगा।

बॉलीवुड समाचार

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने जताई इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर चिंता...

अक्सर विभिन्न सामाजिक और फिल्मी मुद्दों पर एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंडिपेंडेंट सिनेमा के भविष्य पर गहरी चिंता व्यक्त की है, आखिर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार कमर्शियल एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? अभिनेत्री का मानना है कि ऐसे कलाकार उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस पर दर्शकों को आकर्षित कर पाते हैं और न ही किसी इंडिपेंडेंट फिल्म को प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल्स में कोई विशेष साख दिला पाते हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है? यह सवाल सीधे तौर पर इंडिपेंडेंट फिल्ममेकिंग की कास्टिंग रणनीतियों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऋचा चड्ढा ने स्पष्ट किया कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन उन्होंने ट्रेंड या प्रशिक्षित एक्टर्स के महत्व पर जोर दिया, जो कमर्शियल सितारों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त होते हैं। उनके अनुसार, प्रशिक्षित कलाकारों के साथ कम से कम यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी, जो फिल्म की कलात्मक अखंडता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऋचा ने कहा कि इंडी फिल्मों के पीछे भी अक्सर कमर्शियल सोच होती है, लेकिन कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे में, एक ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके और उसके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी न बढ़ाए, जिससे फिल्म का कुल बजट नियंत्रण में रहे। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है। उन्होंने कहा, इंडी फिल्मों का मकसद नई आवाजों, एक्टर्स, लेखकों और टेक्नीशियन्स को सामने लाना होता है, जो फिल्म में कुछ नयापन और ईमानदारी ला सकें। जब फिल्म मेकर्स कमर्शियल वैल्यू के भ्रम में कास्टिंग के मामले में समझौता करते हैं, तो फिल्म अपनी रूह खो देती है और अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है। एक्ट्रेस ने भारतीय सिनेमा के इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि 1980 के दशक में हमारे यहां इंडी सिनेमा का एक जबरदस्त दौर था, और फारूक शेख, अमोल पालेकर, शबाना आजमी जैसे दिग्गज एक्टर्स अपने आप में बड़े सितारे थे। उन्होंने मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आज वह जगह पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, जहां इंडिपेंडेंट सिनेमा अपने दम पर स्टार पैदा कर सके। ऋचा ने चेतावनी दी कि अगर पूरी इंडस्ट्री सिर्फ 5 बड़े मेल एक्टर्स के इशारे का इंतजार करती रहेगी।

'धुरंधर' के 'हम प्यार करने वाले' राइटर समीर अंजान बोले- गाने लिखना खाने का काम नहीं, सुनाया 'साजन' का किस्सा

हिंदी फिल्मों में चार हजार से भी ज्यादा गाने लिख चुके गीतकार समीर अंजान एक जमाने में बैंक की जमी-जमाई नौकरी छोड़कर जब आए, तो उन्हें घोर संघर्ष का सामना करना पड़ा। फिल्म जगत में गीतकार के रूप में पिता अंजान का बड़ा नाम था, मगर पिता उनके फिल्म इंडस्ट्री में आने को लेकर राजी नहीं थे, समीर भी अपनी धुन के पक्के निकले। पिछले 40 सालों में दर्शकों को हर इमोशन देने वाले समीर का लिखा, 'हम प्यार करने वाले' धुरंधर में धमाल मचा रहा है।

एआई बॉडी है, सोल नहीं और हम रूह क्रिएट करते हैं

बॉलिवुड में 4000 से भी ज्यादा गाने लिखने वाले समीर अंजान से जब हम पूछते हैं कि इस दौर में जब एआई हर सृजनात्मक फील्ड में इस्तेमाल हो रहा है, तो ऐसे में गीतकारिता में वे इसे कितना खतरा मानते हैं इस पर वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'देखिए एआई ने सबकुछ किया है, मगर इश्क नहीं किया। एआई का कभी दिल नहीं टूटा है। एआई किसी का बेटा नहीं है, किसी की मां नहीं है, तो एआई कुछ भी कर ले ये जज्बात कहां से लाएगा? आप उससे समीर अंजान की तरह के गाने लिखवा सकती हैं, मगर समीर की रूह कहां से लाएंगे? वो बॉडी है, सोल नहीं है और हम रूह क्रिएट करते हैं।'

'आशिक बनाया ' गाना लिखने में लगे कई दिन

पिछले 40 सालों से तकरीबन दो पीढ़ियों को अपने गीतों के जरिए हर तरह का इमोशन देने वाले समीर कहते हैं कि गाने लिखना खाने का काम नहीं है। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'कई बार गाने लिखने में लंबा समाय चला जाता है। फिल्म दिल का 'ओ

'धुरंधर' के जरिए मेरा लिखा- हम प्यार करने वाले GEN Z तक पहुंचा

हाल ही में बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई करने वाली धुरंधर में समीर के लिखे गाने, 'हम प्यार करने वाले दुनिया से न डरने वाले' को रीक्रिएट किया गया और एक बार फिर से वो गाना लोगों के सिर चढ़ कर बोलने लगा। समीर मानते हैं कि रिक्रिएशन बुरा नहीं है। बशर्ते वह मूल गाने की आत्मा को बनाए रखे। वे कहते हैं, 'मेरे 99 परसेंट गाने रीक्रिएट किए गए हैं। 'अंखियों से गोली मारे', 'दिलबर दिलबर', 'किसी होटल में जाएं', 'मखना', 'मैं तो रस्ते से जा रहा था' अब हाल ये है कि मैं अपना कोई एक गाना मैं रीक्रिएट करने जाऊं, तो मुझे सोचना पड़ेगा। अब जैसे धुरंधर में हम प्यार करने वाले आज की जनरेशन तक पहुंच पाया। धुरंधर में पुराने गानों को बहुत ही खूबसूरती से रीक्रिएट किया गया है और यही वजह है कि वो इस दौर में भी सुपरहिट साबित हुआ है। उससे पहले 'दिलबर दिलबर' ने धूम मचाई। मगर जब आप अच्छे गाने के साथ गंदे लिरिक्स डाल देते हैं, तब क्रिएटिविटी प्रभावित हो जाती है। वो नहीं होना चाहिए।'

प्रिया प्रिया'' लिखने में कई दिन लग गए थे। पहले सैड वर्जन फिर सेमी इमोशनल वर्जन और फिर तीसरा साइड और सेमी इमोशनल के बीच एक गाना बना, जिसके बारे में आपको पता ही होगा कि उस गाने ने कितना धमाल मचाया। वो गाना काफी हिट रहा। साजिद नाडियाडवाला ने मशहूर गाने, 'हर दिल जो प्यार करेगा' के नाम पर फिल्म का टाइटल रख दिया था। तो मेरे सामने गाना लिखते हुए इस बात की चुनौती थी कि मैं उसको कैसे मैच करूं? उस थॉट को सोचने में कई महीने लग गए और तब उसकी तोड़ वाली लाइन समझ आई, 'उसे हंसना भी होगा, उसे रोना भी होगा, हर दिल जो प्यार करेगा' अब 'आशिक बनाया' गाना जो था वो एक बहुत बड़े हिट 'दर्दे दिल दर्दे जिगर दिल में जगाया आपने' के छोटे से हिस्से का था, तो मैं सोच में पड़ गया कि उस पर क्या लिखूं? तब हिमेश रेशमिया बोले कि वे धुन अलग बना देंगे और वाकई उन्होंने उस गाने को इस अंदाज में गाया कि लोगों को नया-नया लगा, मगर मुझे उस गाने को लिखने में काफी दिक्कत हुई थी।

डेविड धवन बोले समीर का गाना रखो, वरना फिल्म छोड़ दूंगा : अपनी बात आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'एक दिलचस्प किस्सा बताता हूं, जैसे साजन का गाना, 'देखा है पहली बार साजन की आंखों में प्यार' फिल्म में था ही नहीं। फिल्म पूरी हो चुकी थी। संगीतकार नदीम-श्रवण ने अपने पैसो से रिकॉर्डिंग करवाई और सलमान-माधुरी को सुनाई, दोनों सुनकर पागल हो गए और उन्होंने डेट्स दीं और वो गाना फिल्म में जोड़ा गया। 'खई के पान बनारस वाला' गाना डॉन में था ही नहीं। फिल्म के राइटर जावेद अख्तर ने वो गाना जबरदस्ती डलवाया था क्योंकि सेकंड हाफ में कोई रिलीफ ही नहीं था। उसी तरह सरगम का 'डफली वाले' गाने को लेकर निर्देशक के विश्वनाथ बिलकुल राजी नहीं थे, मगर आप देखिए वो गाना कितना हिट हुआ। कुली नंबर वन का गाना, 'मैं तो रस्ते से जा रहा था' निर्माता लेने को राजी नहीं थे, मगर निर्देशक डेविड धवन ने साफ़ कह दिया कि अगर वो गाना नहीं रखा गया, तो वे फिल्म छोड़ देंगे। उनकी जिद पर गाना रखा गया और वो खूब चला।

म्यूजिक में गिरावट आई है : उभरते म्यूजिक टैलेंट और जाने-माने सिंगर-कंपोज़र्स के साथ वोकल म्यूजिक बनाने और उसे प्रमोट करने के लिए कॉर्पोरेट कोलैबोरेशन की घोषणा को लेकर वे कहते हैं, 'बीते सालों में म्यूजिक में जो गिरावट आ रही है। लोगों के दिमाग में एक बात बैठ गई है कि पुराने लोग अच्छा काम नहीं कर पाएंगे। नए लोगों के साथ ही काम करना चाहिए। ये उनकी अपनी सोच है। चूंकि हम वर्कहॉलिक लोग रहे हैं, हमने जिंदगी भर काम किया है, तो उसमें मुझे एक रुकावट आती नजर आ रही थी।

एक्शन से लेकर 'लस्ट स्टोरीज 3' के रोमांस तक हर बार अलग रोल क्यों चुनते हैं अली फजल, बताई वजह

अभिनेता अली फजल इन दिनों अपने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक्शन करते नजर आएंगे, तो दूसरी तरफ 'द लस्ट स्टोरीज 3' में रोमांटिक अंदाज दिखाने की तैयारी में हैं। अली का कहना है कि वह जानबूझकर ऐसे किरदार चुन रहे हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें। अली फजल के मुताबिक, साल 2026 उनके करियर के सबसे संतोषजनक और रचनात्मक वर्षों में से एक साबित हो रहा है।

उनका मानना है कि एक अभिनेता को हमेशा खुद को मुश्किल परिस्थितियों में डालना चाहिए, ताकि वह लगातार कुछ नया सीख सके। यही वजह है कि वह अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और किरदारों को अपनाने से पीछे नहीं हटते। उन्होंने बताया, 'मिर्जापुर' की दुनिया बेहद कच्ची, तीखी और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसके बावजूद इस फिल्म में कुछ नया अनुभव मिला है। वहीं दूसरी ओर रोमांस और अन्य भावनात्मक कहानियों में काम करना एकदम अलग तरह की तैयारी मांगता है। इन दोनों तरह के अनुभवों के बीच संतुलन बनाना ही उन्हें सबसे ज्यादा उत्साहित करता है।

अभिनेता का कहना है कि असल जिंदगी भी कुछ ऐसी ही होती है, जहां हर दिन इंसान अलग-अलग भूमिकाएं निभाता है। यही सोच उन्हें अपने काम के प्रति और सतर्क रखती है।

'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज 15 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

टी-सीरीज और बी आर स्टूडियोज की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में हंसी, कन्फ्यूजन और रिश्तों के मजेदार उलझाव की झलक देखने को मिलती है। फिल्म क्लासिक 'पति पत्नी और वो' की कहानी को नए अंदाज में पेश करती है, जिसमें इस बार कहानी को और ज्यादा मनोरंजक बनाने के लिए नया ट्विस्ट जोड़ा गया है। टीजर में आयुष्मान खुराना प्रजापति पांडे के किरदार में नजर आ रहे हैं, जो एक साथ तीन महिलाओं के बीच फंसते दिखाई देते हैं। इन किरदारों में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी। बढ़ती गलतफहमियों के बीच विजय राज एक पुलिस अधिकारी के रूप में एंट्री लेकर कहानी में और हास्य जोड़ते हैं। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है, जबकि निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है। मेकर्स को उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को पारिवारिक मनोरंजन के साथ भरपूर कॉमेडी का डोज देगी। 'पति पत्नी और वो दो' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद और कृति के साथ इटली में जमकर डांस किया रश्मिका ने

अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल-2 को लेकर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में रश्मिका दीया नाम की एक उत्साही लड़की का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस के किरदार की झलक हाल ही में रिलीज़ हुए फिल्म के नए गाने जब तलक में देखने को मिली। यह गाना एक मस्ती भरा बीट वाला नंबर है, जिसमें रश्मिका अपने सह-कलाकारों शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ समुद्र किनारे झूमते हुए नजर आ रही हैं। हाल ही में, रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर इसी गाने के बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो को पोस्ट किया, जिसमें वह शाहिद और कृति के साथ बेहद मस्ती भरे पल साझा करती दिख रही हैं। इस वीडियो में रश्मिका

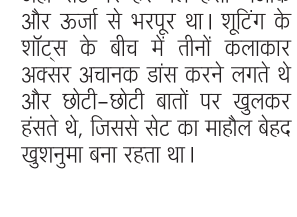

ने बताया कि गाने की शूटिंग इटली के खूबसूरत सिसिली शहर में हुई थी, जहां सेट पर हर पल हंसी-मजाक और ऊर्जा से भरपूर था। शूटिंग के शॉट्स के बीच में तीनों कलाकार अक्सर अचानक डांस करने लगते थे और छोटी-छोटी बातों पर खुलकर हंसते थे, जिससे सेट का माहौल बेहद खुशनुमा बना रहता था।

हर घर जल योजना से देवलभांठा में जल संकट

महासमुंद (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के विकासखंड सरायपाली से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत देवलभांठा में हर घर जल योजना के सफल क्रियान्वयन से ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या से राहत मिली है। अब गांव के 301 घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित रूप से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। ग्रामीणों के अनुसार, पहले उन्हें पानी के लिए हैंडपंप और सीमित जल स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत और अधिक बढ़ जाती थी, जिससे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो जाता था। लेकिन अब हर घर में नल के जरिए स्वच्छ

पानी मिलने से यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है।

इस योजना के तहत गांव में कुल 301 घरों को नल कनेक्शन दिया गया है। इसके साथ ही लगभग 79.68 लाख रुपये की लागत से एक मजबूत पानी टंकी का निर्माण किया गया है, जिससे पूरे गांव में जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल वितरण के लिए करीब 2960 मीटर लंबी पाइपलाइन भी बिछाई गई है, जिससे गांव के हर घर तक पानी पहुंच रहा है। पूर्व में गांव में केवल 4 हैंडपंप और 1 पावर पंप ही पानी के मुख्य स्रोत थे, जो बढ़ती आबादी के लिए पर्याप्त नहीं थे। इस कारण ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। अब हर घर जल योजना के लागू होने के बाद यह समस्या स्थायी रूप से खत्म हो गई है।

नेतृत्व में इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को योजना के प्रति जागरूक किया और सभी को इसमें सहयोग के लिए प्रेरित किया।

महतारी वंदन योजना के एक लाख 20 हजार से अधिक हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण

महासमुंद (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य किया गया है। महतारी वंदन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने जिले में 367 सीएससी सेंटरों को आईडी जारी किया गया है। विभिन्न चॉइस सेंटरों के माध्यम से ई-केवाईसी का कार्य जारी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास टिक्केन्द्र जटवार ने बताया कि 1 अप्रैल से आयोजित शिविर के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं का ई-केवाईसी किया जा रहा है। जिले में 3 लाख 3 हजार 808 हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया जाना है।

एर्राबोर पोटाकेबिन दुष्कर्म मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर के चर्चित एर्राबोर पोटाकेबिन आश्रम में 6 वर्ष 10 महीने की मासूम बच्ची से दुष्कर्म के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई मृत्युपर्यंत कारावास की सजा में आंशिक संशोधन करते हुए आरोपी की सजा को घटाकर 20 वर्ष की कठोर कैद में बदल दिया है। अदालत ने अन्य सभी सजाओं और जुर्माने को यथावत रखा है।

बिलासपुर में बदली पुलिसिंग की तस्वीर, बीट सिस्टम से अपराधियों पर शिकंजा

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शहर में पुलिसिंग का तरीका तेजी से बदलता नजर आ रहा है। अब पारंपरिक तरीके के बजाय पुलिस डेटा आधारित रणनीति के साथ काम कर रही है। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर लागू बीट सिस्टम ने अपराध नियंत्रण में नई दिशा दी है, जिससे पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है और अपराधियों में खौफ बढ़ा है। नई व्यवस्था के तहत बीट आरक्षक अपने-अपने क्षेत्रों की पूरी जानकारी रख रहे हैं। उनके पास इलाके के हर घर का रिकॉर्ड, किरायेदारों का विवरण, बाहर से आने वाले लोगों की जानकारी और पुराने अपराधियों का पूरा ब्योरा मौजूद है। इस वजह से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना आसान हो गया है और अपराध होने से पहले ही रोकथाम संभव हो रही है। फरवरी 2026 से लागू इस बीट सिस्टम का असर अब जमीन

पर साफ दिखाई दे रहा है। सकरी थाना क्षेत्र में केवल सूचना के आधार पर 40 किलो गांजा बरामद किया गया। वहीं सिरगिट्टी इलाके में एटीएम चोरी के आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा कई अन्य मामलों में भी पुलिस को त्वरित सफलता मिली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था ने पुलिस की कार्यशैली को पूरी तरह बदल दिया है। अब पुलिस केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे रही।

बल्कि पहले से ही सूचनाओं के आधार पर सक्रिय होकर अपराध को रोकने का प्रयास कर रही है। इससे शहर में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। बीट सिस्टम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए एसएसपी रजनेश सिंह ने उन्हें नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। इससे पुलिस बल में उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल बना है। सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में कोटा थाना के आरक्षक धर्मेंद्र साहू, सकरी थाना के मनोज बघेल और विनोद शास्त्री, हिर्री थाना के एएसआई दिवाकर सिंह, बेलगहना चौकी के प्रधान आरक्षक प्रफुल्ल सिंह और आरक्षक अंकित जायसवाल, सिविल लाइन थाना के नीतेश सिंह और देवेंद्र शर्मा शामिल हैं। इसी तरह सकरी थाना के पवन बंजारे, सरकंडा थाना के संजीव जांगड़े, सिरगिट्टी थाना के बोधु कुम्हार और संजय यादव, सिविल लाइन थाना के सोनू पाल और नवीन सोनकर, सकरी थाना के सज्जू अली, कोतवाली थाना के राहुल जगत और राकेश भारद्वाज और सचिन तिवारी, कोटा थाना के ज्वाला सिंह, सरकंडा थाना के दुर्गेश प्रजापति, मस्तूरी थाना के देवसहाय जायसवाल और रोहित पाटले को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, जोन क्रमांक-07

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

प्रथम निविदा

क्रमांक 82/जोन क्र. 07/न.पा.नि./2026 रायपुर, दिनांक 22/04/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीकृत ठेकेदारों से कम/अधिक प्रतिशत दर में PWD में प्रभावशील (भवन/सड़क) (SOR 01.01.2015) PHE में प्रभावशील (SOR 01.06.2020) Electrical & Mechanical प्रवीण (SOR 01.06.2020) आज दिनांक तक संशोधित दर अनुसार निर्धारित विहित प्रपत्र में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पध्दती से नियमानुसार सीलचंद निविदाएं जोन आयुक्त, जोन क्रमांक 07, नगर पालिक निगम, रायपुर के पते पर आमंत्रित की जाती है। कार्य की अमानत राशि का एफ.डी.आर. आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से मान्य होगा एवं मूल एफ.डी. आर. एवं शपथ पत्र के साथ एक छायाप्रति भी संलग्न करें। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

01. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि — दिनांक 08.05.2026 संध्या 5.30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि — दिनांक 13.05.2026 संध्या 5.00 बजे तक।
03. निविदा पपत्र खोलने की तिथि — दिनांक 13.05.2026 संध्या 5.30 बजे तक।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य विवरण	निविदा फार्म	आगणित राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
1	जोन क्रमांक 07 अंतर्गत पावर पंप संधारण हेतु खराब पैनल बोर्ड को बदलने का कार्य।	A/B/C	319000	3500	750	लो.नि.वि. में एकल पद्धति से 'डी' श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म	90 दिन
2	जोन क्रमांक 07 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में फसे हुये पंप को निकालने मरम्मत एवं डालने का कार्य।	A/B/C	390000	4000	750		90 दिन
3	पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 22 में पॉवर पंप सेट रिपेयरिंग एवं निकालने व डालने का कार्य।	A/B/C	300000	3000	750		90 दिन
4	जोन क्रमांक 07 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में हैण्ड पंप रिपेयरिंग कार्य।	A/B/C	298000	3000	750		90 दिन

नियम एवं शर्ते :- (भाग 1)

01. निविदा संबंधित समस्त दस्तावेज तीन लिफाफा पद्धति पर आमंत्रित होकर तद्अनुसार ही प्रस्तुत की जानी होगी। प्रथम लिफाफा में राष्ट्रियकृत बैंक की ई.एम.डी./एफ.डी.आर./शपथ पत्र/ एवं समस्त दस्तावेज, दूसरे लिफाफे में सिर्फ निविदा प्रपत्र सील बंद कर दोनों लिफाफो को तीसरे लिफाफे में सील बंद कर निविदा रजिस्टण्ड/स्पीड पोस्ट द्वारा निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत करना होगा। 02. निविदा संबंधी समस्त अधिकार आयुक्त नगर पालिक निगम को होगा। विस्तृत जानकारी जोन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 03. जीवित पंजीयत होना अनिवार्य है। 04. GST 05. GST Rl. last 3month 6. ITR last 3 years 7. Bank Solvency Certificate 08. Pan card संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नियम एवं शर्ते :- (भाग 2)

1. नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म हेतु GST Reg. तिथि के अनुसार GST Return last Month का देना होगा।
2. नये पंजीकृत ठेकेदार /फर्म पंजीयन तिथि के अनुसार I.T.R. एक साल का मान्य होगा।
3. निविदा फार्म कार्यलय से उपलब्ध होगी। शेष नियम एवं शर्ते यथावत रहेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-07
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
संपर्क करें:-
VISIT US ON SCAN
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

महानदी में रेत माफिया पर गांव वालों का धावा, 12 हाइवा और मशीन जब्त

जांजगीर-चांपा, प्रतिदिन राजधानी ,

सक्ती जिले के हसौद क्षेत्र के मरघटी गांव में महानदी के रेत घाट पर लंबे समय से चल रहे अवैध खनन के खिलाफ मंगलवार को हालात अचानक उग्र हो गए। लगातार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने से नाराज़ ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाल लिया और मौके पर चल रहे खनन कार्य को बंद कराते हुए रेत माफिया के लोगों को घेर लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और देर शाम तक धरना जारी रखा।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रेत माफिया तय खसरा नंबरों से बाहर करीब डेढ़ किलोमीटर तक अवैध उत्खनन कर रहे थे। नदी के भीतर प्रतिबंधित भारी मशीनों चेन माउंटेड एक्सकेवेटर का इस्तेमाल कर दिन-रात रेत निकाली जा रही थी, जिसे हाइवा ट्रकों से ढोया जा रहा था।

मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण घाट पर पहुंचे और करीब

12 हाइवा ट्रकों व एक मशीन को घेर लिया। ग्रामीणों का आरोप था कि अधिकारियों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार लंबे समय से फल-फूल रहा है। मौके पर पहुंचे अधिकारियों को ग्रामीणों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा।

स्थिति बिगड़ते देख खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक चेन माउंटेन एक्सकेवेटर और 12 हाइवा ट्रकों को जब्त कर सील कर दिया। ग्रामीणों ने दोषियों पर भारी जुर्माना और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि 40 से 50 टन रेत से लदे हाइवा ट्रकों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़कों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है, जबकि इन सड़कों की क्षमता महज 12 से 15 टन है। इससे गांवों में आवागमन बेहद कठिन हो गया है। निर्माण कार्य के नाम पर पुरानी पुलिया तोड़कर मिट्टी का अस्थायी रास्ता बना दिया गया है, जिसके बारिश में बहने का खतरा पैदा कर रहा है। कार्रवाई के बावजूद गांव में तनाव बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा है कि यदि अवैध खनन पर स्थायी रोक नहीं लगी, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। सड़क जाम के कारण भीषण गर्मी में यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मौके की नजाकत को देखते हुए कुछ भाजपा नेता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने खनिज विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार की छवि खराब करने वाली लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

कलेक्टर ने जनगणना प्रशिक्षण का किया निरीक्षण, प्रगणकों को दिए दिशा-निर्देश

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज स्वामी आत्मानंद दाऊपारा में संचालित जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे प्रगणकों से संवाद कर जनगणना की बारीकियों के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने प्रशिक्षण की प्रगति का अवलोकन करते हुए कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सटीकता और पारदर्शिता बेहद आवश्यक है। उन्होंने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक दर्ज करें और निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने उपस्थित प्रगणकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में लाएं और जनगणना कार्य को बेहतर ढंग से समझकर त्रुटिरहित तरीके से संपादित करें, ताकि जिले में जनगणना कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हो सके। उन्होंने गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान रखने और जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने प्रोत्साहित किया।

जिला सांख्यिकी अधिकारी प्रीतेश अहिरवार ने बताया कि जनगणना कार्य अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक किया जाएगा। जनगणना में संलग्न कर्मचारी 01 मई से घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। जनगणना प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता एवं सटीकता सुनिश्चित होगी। नागरिक आनलाइन पोर्टल के माध्यम से चाही गई अपने घर और परिवार से जुड़ी जानकारियां 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं भर सकते हैं। आनलाइन जानकारी करने पर नागरिकों को एक एसई आइडी मिलेगी, जिसे सर्वे के दौरान अनिवार्य रूप से दिखाना होगा। इस बार पहली बार नागरिक स्वगणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना डेटा ऑनलाइन सबमिट कर सकेंगे। प्रगणक स्वगणना आईडी का सत्यापन कर प्रविष्टियों की समीक्षा करेंगे। इसके लिए अधिकृत वेबसाइट निर्धारित की गई है।

आगामी जनगणना प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 01 मई 2026 से ही अधिकृत जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। इससे पहले यदि कोई व्यक्ति जनगणना के नाम पर व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगता है, तो यह साइबर ठगी का मामला हो सकता है। प्रशासन ने बताया कि जनगणना पूरी तरह निःशुल्क प्रक्रिया है और इसके लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पिन या वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी बिल्कुल न दें। नागरिक सतर्क रहें, अफवाहों से बचें और केवल अधिकृत जनगणना कर्मचारियों को ही जानकारी दें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि साइबर ठगी पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

साइबर ठगी से रहें सतर्क

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर ठगों से सतर्क रहें। स्पष्ट किया गया है कि 01 मई से पहले कोई भी अधिकृत जनगणना कर्मचारी घर-घर नहीं जाएगा। यदि कोई व्यक्ति जनगणना के नाम पर व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी मांगता है, तो वह धोखाधड़ी हो सकती है। जनगणना पूरी तरह निःशुल्क प्रक्रिया है, इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी, पिन या अन्य वित्तीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

बिना नोटिस या ठोस कार्रवाई के याचिका को हाईकोर्ट ने माना काल्पनिक, खारिज

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की एकलपीठ ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि रिट कोर्ट आमतौर पर केवल आशंका या संभावित खतरे के आधार पर दायर याचिकाओं पर विचार नहीं करता। न्यायमूर्ति ए के प्रसाद की पीठ ने स्पष्ट किया कि असाधारण अधिकार क्षेत्र के प्रयोग के लिए वास्तविक या आसन्न खतरे का होना जरूरी है।

यह टिप्पणी मुरारीलाल गुप्ता द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आई। याचिकाकर्ता ने अपने अधिवक्ता अच्युत तिवारी के माध्यम से दावा किया था कि वह खसरा नंबर 1033/5 की भूमि के वैध मालिक और स्थायी कब्जाधारी हैं, जहां उन्होंने दुकानें बनाकर वर्षों से व्यवसाय किया है। याचिका में आरोप लगाया गया कि नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी बिना नोटिस दिए मौके पर पहुंचकर निर्माण हटाने की मौखिक चेतावनी दे रहे हैं, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। याचिकाकर्ता ने इसे मनमाना और असंवैधानिक बताते हुए हस्तक्षेप की मांग की। राज्य सरकार की ओर से पैनल वकील आकांक्षा वर्मा तथा नगर निगम की ओर से अधिवक्ता संदीप दुबे का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता मानस वाजपेयी ने दलील दी कि अब तक न तो कोई तोड़फोड़ हुई है और न ही कोई अंतिम निर्णय लिया गया है।

कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली में वैज्ञानिक प्रशिक्षण व उन्नत बीज वितरण

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कृषि विज्ञान केन्द्र, मुंगेली (ढकेलकापा) में वैज्ञानिक प्रशिक्षण व उन्नत बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में केंद्र प्रमुख श्री एस.के. वर्मा ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत ज्ञान और वैज्ञानिक तकनीकों के समन्वय से ही कृषि उत्पादन में वृद्धि संभव है। कार्यक्रम के दौरान कृषकों को प्रोत्साहित करने हेतु अरहर की उन्नत किस्म छत्तीसगढ़ अरहर-1 के बीजों का

वितरण किया गया। वैज्ञानिकों ने इस किस्म की विशेषताओं एवं उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी देते हुए इसे स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल बताया।

इस दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों कीट प्रबंधन के उपाय, नील-हरित शैवाल के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, क्रॉप डॉक्टर ऐप एवं ट्राइकोडर्मा के उपयोग, प्राकृतिक खेती के लाभ एवं तकनीकों के साथ ही संतुलित उर्वरक उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री एस.के. लहरे (पौध रोग विज्ञान), डॉ. प्रमिला जोगी (उद्यानिकी), श्रीमती नेहा लहरे (कृषि प्रसार), डॉ. अंजित जांगड़े (सस्य विज्ञान), उर्वरक निरीक्षक श्री मनहरण कुर्रे सहित कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल कृषि परंपरा को सहेजने का माध्यम बना, बल्कि किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बिलासा एयरपोर्ट से पहली नाइट फ्लाइट दिल्ली के लिए 3 मई को

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासा देवी एयरपोर्ट से राजधानी दिल्ली के लिए रात्रिकालीन सीधी हवाई सेवा 3 मई से शुरू होने जा रही है। यह उड़ान एलायंस एयर द्वारा संचालित की जाएगी और फिलहाल सप्ताह में एक दिन, हर रविवार उपलब्ध रहेगी। निर्धारित समय के अनुसार विमान शाम 6:45 बजे बिलासपुर से उड़ान भरेगा और लगभग 2 घंटे 40 मिनट में दिल्ली पहुंचेगा। नए समर शेड्यूल में पहली बार इस एयरपोर्ट को नाइट लैंडिंग की सुविधा मिली है। हाल ही में डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एयरपोर्ट का लाइसेंस वीएफआर से आईएफआर श्रेणी में अपग्रेड किया है, जिससे अब कम दृश्यता और रात में भी सुरक्षित उड़ान संचालन संभव होगा। इसके तहत विमान शाम 6:20 बजे बिलासपुर पहुंचेगा और 6:45 बजे दिल्ली के लिए रवाना होकर रात 9:25 बजे वहां लैंड करेगा। शाम के समय उड़ान होने से यात्रियों को दिनभर का काम निपटाकर यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। खासकर व्यवसायी और शासकीय कार्य से यात्रा करने वाले लोगों के लिए यह समय काफी सुविधाजनक रहेगा। इसके अलावा, गर्मी के कारण लगने वाली लोड पेनल्टी की समस्या भी खत्म होगी, जिससे विमान अपनी पूरी क्षमता के साथ उड़ान भर सकेगा और अधिक यात्रियों को सीट मिल पाएगी।

अवैध शिकार, 5 गिरफ्तार, एक फरार

रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

वन परिक्षेत्र धमनी अंतर्गत उप परिक्षेत्र सुंदरपुर के डुगरु परिसर में वन विभाग की टीम ने अवैध शिकार के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा

चिड़िया (रंग प्यारी) तीन एवं एक गिलहरी का शिकार किए जाने की पुष्टि हुई है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण, दिनांक 18 अप्रैल 2026 को दर्ज कर जांच शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी पांच आरोपियों को 19 अप्रैल 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल रामानुजगंज भेज दिया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश वन विभाग द्वारा की जा रही है।

यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी आलोक कुमार वाजपेयी के निर्देशन में संपन्न की गई। उनके मार्गदर्शन में उप वनमंडलाधिकारी वाड्रफनगर प्रेमचंद मिश्रा तथा परिक्षेत्राधिकारी धमनी केशव राज खटकर के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अंबिकापुर-कटघोरा फोरलेन में लखनपुर बायपास व वन्यजीव अनुकूल सड़क का प्रस्ताव, सिंहदेव के सुझाव पर कार्रवाई

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

अंबिकापुर-कटघोरा राष्ट्रीय राजमार्ग-130 को फोरलेन में अपग्रेड करने की योजना में अब लखनपुर में बायपास और लेमरू हाथी प्रोजेक्ट क्षेत्र में वन्यजीव अनुकूल सड़क निर्माण का प्रावधान किया जाएगा। यह निर्णय पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को भेजे गए सुझाव पत्र के बाद लिया गया है।

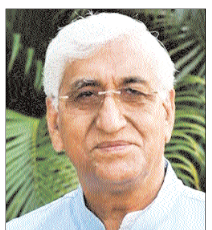

जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर से कटघोरा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-130 को फोरलेन में विकसित करने की स्वीकृति मिल चुकी है और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा सलाहकार कंपनी के माध्यम से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। यह मार्ग सरगुजा, सूरजपुर और कोरबा जिलों के उस वन क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिसे लेमरू हाथी प्रोजेक्ट क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया है।

बताया गया है कि सरगुजा जिले के लखनपुर नगर पंचायत क्षेत्र में बायपास के अभाव में भारी यातायात नगर के मुख्य मार्ग से होकर गुजरता है, जिससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने 8 मार्च को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर दो प्रमुख सुझाव दिए थे। इनमें पहला सुझाव लखनपुर नगर को यातायात दबाव से मुक्त करने के लिए बायपास निर्माण का था, जबकि दूसरा सुझाव लेमरू हाथी रिजर्व क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण करने से संबंधित था।

उन्होंने पत्र में भारतमाला परियोजना के मानकों के अनुरूप इस क्षेत्र में एनिमल बैरिकेडिंग और पर्याप्त संख्या में एनिमल अंडरपास बनाने का सुझाव दिया था, ताकि वन्यजीवों की आवाजाही सुरक्षित बनी रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने इन सुझावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए 20 अप्रैल को डीपीआर तैयार कर रही सलाहकार संस्था को आवश्यक संशोधन कर नई डीपीआर प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए हैं।

लंबित मांगों पर ठेका श्रमिकों का सांकेतिक धरना, प्रबंधन को 3 दिन का अल्टीमेटम

विश्रामपुर, प्रतिदिन राजधानी

संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) के बैनर तले एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की केतकी भूमिगत खदान के सामने ठेका श्रमिकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह 7 बजे से 9 बजे तक चले इस धरने में बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरना को संबोधित करते हुए एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि लिखित आश्वासन मिलने के बावजूद श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खदान में ठेका श्रमिकों के लिए स्टैंडिंग ऑर्डर की व्यवस्था नहीं होने से कंपनियां मनमानी कर रही हैं और श्रमिकों को महीने में केवल 10

से 15 दिन ही काम दिया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक शोषण हो रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खदान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। सीएमपीएफ के नाम पर श्रमिकों से लाखों रुपये की कटौती की गई है, लेकिन डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। नियोजन और सेवा समाप्ति के स्पष्ट नियम नहीं होने से पेटी कॉन्ट्रैक्टर और दलालों द्वारा भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की जा रही है। साथ ही वर्ष 2024-25 का पीएलआई/बोनस का पूर्ण भुगतान अब तक नहीं होने तथा वेतन और बोनस पर्ची नहीं दिए जाने की शिकायत भी की गई।

धरना को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आर.के. द्विवेदी और क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य सजल मित्रा ने भी संबोधित किया। उन्होंने श्रमिकों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और एकजुट होकर हक की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में संघ द्वारा प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर तीन कार्य दिवसों का अल्टीमेटम दिया गया। एटक ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय के भीतर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो यूनियन आरजीके सहक्षेत्र कार्यालय का घेराव करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन की होगी।

जिगड़ी पंचायत में 19.82 लाख की अनियमितता के आरोप, कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिला के ग्राम पंचायत जिगड़ी में विभिन्न योजनाओं में लाखों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं पर अब तक कार्रवाई और वसूली नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने कलेक्टर बलरामपुर को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर वे उच्च न्यायालय की शरण लेने को बाध्य होंगे।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि जनपद पंचायत राजपुर द्वारा वर्ष 2019 में की गई जांच (क्रमांक 5069/जांच/2019, दिनांक 19 मार्च 2019) में तत्कालीन सरपंच मीना बखला और सचिव कल्लू राम के खिलाफ लगाए गए आरोप सही पाए गए थे। जांच में कुल 19 लाख 82 हजार 123 रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई थी और उक्त राशि की वसूली निर्धारित की गई थी, लेकिन आज तक न तो राशि की वसूली की गई और न ही दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि वित्तीय गड़बड़ी के बावजूद संबंधित सचिव को बार-बार उसी पंचायत में पदस्थ किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि 19,82,123 रुपये की राशि की तत्काल वसूली की जाए, सरपंच और सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए तथा सचिव को तत्काल हटाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

ज्ञापन में बताया गया है कि जांच के दौरान आठ बिंदुओं पर अनियमितताएं पाई गई थीं। इनमें स्वच्छ भारत मिशन के तहत 261 शौचालय निर्माण, मनरेगा से 90 शौचालय निर्माण, मजदूरी भुगतान में गड़बड़ी, सामग्री भुगतान लंबित, 14वें वित्त और मूलभूत मद की राशि का समायोजन नहीं किया जाना प्रमुख है। जांच में करीब 16 लाख 25 हजार 73 रुपये की अतिरिक्त राशि व्यय होना भी पाया गया, जिसे वसूली योग्य माना गया।

इसके अलावा पंचायत की आय-व्यय जानकारी ग्रामसभा रजिस्टर में दर्ज होने के बावजूद ग्रामीणों को नहीं दी गई। बीएसएनएल टावर से प्राप्त 25 हजार रुपये की राशि सरपंच के पुत्र के खाते में स्थानांतरित किए जाने, कांजी हाउस संचालन का रिकॉर्ड नहीं होने तथा ढोढ़ी और नहानी घर निर्माण कार्य अधूरे रहने जैसी अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है।

परमिट के अनुसार नहीं चल रहीं यात्री बसें, यात्रियों की बढ़ी परेशानी, जांच के निर्देश

राजपुर, प्रतिदिन राजधानी

बलरामपुर जिले में यात्री बसों का संचालन निर्धारित परमिट और तय मार्ग के अनुसार नहीं होने से आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में सर्व नवीन सोनार समाज कल्याण समिति, राजपुर के अध्यक्ष सुरेश सोनी ने जिला परिवहन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया है कि जिले में संचालित कई यात्री बसें अपने निर्धारित मार्ग का पालन नहीं कर रही हैं। विशेष रूप से एनएच-343 मार्ग पर अंबिकापुर से रामानुजगंज तक चलने वाली बसों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कुछ बसें निर्धारित मार्ग से हटकर अंबिकापुर से सेमरसोत होते हुए बलरामपुर-रामानुजगंज पहुंच रही हैं, जबकि कुछ बसें वाड्रफनगर मार्ग से संचालन कर रही हैं। इससे मुख्य मार्ग पर पड़ने वाले कई गांवों और कस्बों के यात्रियों को बस सुविधा नहीं मिल पा रही है। इस अनियमितता के कारण परसा, ककना, बरियों, राजपुर, झींगों, बासेन, पस्ता और पाढ़ी जैसे क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और दैनिक यात्रियों को मजबूरन निजी वाहनों या अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ रहे हैं।

अत्यधिक तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है-डॉ. सीके मिश्रा

भीषण गर्मी में पशुओं को लू से बचाने पशुपालन विभाग की सलाह

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू के प्रभाव को देखते हुए पशुपालन विभाग ने पशुपालकों और किसानों के लिए विशेष एडवायजरी जारी की है। विभाग ने पशुओं को 'हीट स्ट्रोक' (लू) से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

अतिरिक्त उपसंचालक पशुपालन डॉ. सी.के. मिश्रा ने बताया कि अत्यधिक तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, जिससे उनकी शारीरिक क्षमता और दुग्ध उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी अपनाकर पशुपालक अपने पशुओं को स्वस्थ रखने के साथ आर्थिक नुकसान से भी बच सकते हैं।

विभाग द्वारा जारी एडवायजरी में पशुओं के लिए ठंडी और हवादार जगह की व्यवस्था करने पर जोर दिया गया है। पशु शेड के ऊपर टाट या घास डालने अथवा सफेद पेंट कराने से तापमान कम रखा जा सकता है। शेड में पंखे या कूलर का उपयोग करने तथा दोपहर के समय पशुओं को सीधी धूप में नहीं बांधने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही शेड के आसपास छायादार वृक्ष लगाने को भी उपयोगी बताया गया है।

पशुओं को दिन में कम से कम तीन से चार बार ताजा और ठंडा पानी पिलाने की सलाह दी गई है। पानी में इलेक्ट्रोलाइट, नमक या गुड़ का घोल मिलाकर देने से लू से बचाव में मदद मिलती है। इसके अलावा दिन में एक से दो बार पशुओं को नहलाने तथा सुबह और शाम के ठंडे समय में ही चारा देने की बात कही गई है। आहार में हरा चारा शामिल करने को भी जरूरी बताया गया है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि यदि पशु तेज सांस लेने लगे, हांफे, मुंह खोलकर सांस ले या मुंह से लार टपकने लगे, तो इसे लू लगने के लक्षण माना जाना चाहिए। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर पशु को तुरंत छायादार स्थान पर ले जाकर उसके सिर और गर्दन पर ठंडा पानी डालना चाहिए तथा बिना देर किए नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। पशुपालन विभाग ने किसानों से अपील की है कि भीषण गर्मी के दौरान पशुओं की विशेष देखभाल करें, क्योंकि लापरवाही से पशुओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित हो सकती है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उपराष्ट्रपति ने कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

- विकसित भारत एक साझा राष्ट्रीय मिशन है जिसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: उपराष्ट्रपति
- अकादमिक उत्कृष्टता में अग्रणी महिलाएं बढ़ती नारी शक्ति का प्रतिबिंब: उपराष्ट्रपति
- सफलता का मापन व्यक्तिगत लाभ से नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव से होना चाहिए: उपराष्ट्रपति
- आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी विरासत से जुड़े रहें: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज कर्नाटक के कलबुर्गी में स्थित केंद्रीय कर्नाटक विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए इस बात पर बल दिया कि जीवन के एक नए चरण में कदम रखते हुए उन पर समाज और राष्ट्र के प्रति सार्थक योगदान देने का उत्तरदायित्व है।

उपराष्ट्रपति ने भारत की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'विकसित भारत' की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक साझा राष्ट्रीय मिशन है जिसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने युवाओं से नवोन्मेषण करने, ईमानदारी से नेतृत्व करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता घरेलू क्षमताओं का दोहन करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए स्थानीय उद्यमों का समर्थन करने में निहित है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में युवा स्नातकों को लगातार अपने कौशल को उन्नत करना चाहिए और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं अवसरों के अनुकूल बने रहना चाहिए। महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देशभर के दीक्षांत समारोहों में पदक विजेताओं में महिलाओं की संख्या लगातार अधिक रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक जीतने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने इसे नारी शक्ति की बढ़ती ताकत और सभी क्षेत्रों में समानता एवं नेतृत्व की दिशा में व्यापक सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिंब बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जहां दुनिया अपार अवसर प्रदान करती है, वहीं जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकीय व्यवधान और सामाजिक असमानताओं जैसी चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। उन्होंने छात्रों से इन चुनौतियों का साहस और रचनात्मकता के साथ सामना करने और सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव से मापने का आग्रह किया।

उन्होंने छात्रों से आधुनिकता और वैश्विक दृष्टिकोण को अपनाते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से जुड़े रहने का भी आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने अभिभावकों, शिक्षकों और प्रशासन की सराहना करते हुए युवा प्रतिभाओं को आकार देने और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने स्नातकों से चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ रहने, असफलताओं से सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने, जिम्मेदारी से काम करने और विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में पूर्णतः योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्य नारायण, संकाय सदस्य, कर्मचारी, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

UK में 'लाइफटाइम स्मोकिंग बैन' को मंजूरी, 2009 के बाद जन्मे लोगों के लिए सिगरेट बेचना-खरीदना अब गैरकानूनी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के सांसदों ने एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दी है. इसके तहत 17 साल या उससे कम उम्र के बच्चों और भविष्य में पैदा होने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए सिगरेट खरीदना हमेशा के लिए बैन होगा. तंबाकू खरीदने की कानूनी उम्र हर साल एक साल बढ़ा दी जाएगी. यह बदलाव ब्रिटेन में टोबैको एंड वैप्स बिल के तहत हुआ है. यह कानून 1 जनवरी 2009 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों पर लागू होगा. इसका मतलब है कि ये लोग कभी भी कानूनी रूप से सिगरेट खरीदने की उम्र तक नहीं पहुंच पाएंगे.

वेपिंग पर भी बैन

टोबैको एंड वेप्स बिल 1 जनवरी 2009 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों से शुरू होकर, हर साल तंबाकू खरीदने की कानूनी उम्र एक साल बढ़ाता है, जिसका मतलब है कि प्रभावित उम्र के ग्रुप पर लाइफटाइम बैन रहेगा. इस कानून को अगले हफ्ते लागू होगा. कानून वेपिंग पर भी कंट्रोल कड़ा करता है, जिसमें 18 साल से कम उम्र के लोगों को वेपिंग और निकोटीन प्रोडक्ट्स की बिक्री पर बैन लगाना और विज्ञापन, डिस्प्ले, मुफ़्त डिस्ट्रीब्यूशन और डिस्काउंट पर रोक लगाना शामिल है.

सरकार का कहना है कि इन उपायों से स्मोकिंग कम करने और युवाओं को निकोटीन की लत लगने से रोकने में मदद मिलेगी, जिससे देश के स्वास्थ्य विभाग पर लंबे समय का दबाव कम होगा. स्वास्थ्य सचिव वेस स्ट्रीटिंग ने कहा कि बिल का अप्रूवल देश के स्वास्थ्य के लिए एक हिस्टोरिक पल था. उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन में बच्चे पहली स्मोक-फ्री जेनरेशन का हिस्सा होंगे, जो जिंदगी भर की लत और नुकसान से सुरक्षित रहेंगे.'

हर साल स्मोकिंग से 64 हजार लोगों की होती है मौत

इंग्लैंड में स्मोकिंग से हर साल लगभग 64,000 मौतें होती हैं और 400,000 लोग हॉस्पिटल में भर्ती होते हैं. इससे स्वास्थ्य विभाग को हर साल लगभग 3 बिलियन पाउंड का खर्च आता है, जिसमें 20 बिलियन पाउंड से ज्यादा का इकोनॉमिक खर्च भी शामिल है.

अब वेपिंग भी पॉलिसी बनाने वालों के लिए फोकस बन गया है. खासकर युवाओं में इसके इस्तेमाल और निकोटीन की लत को देश की सरकार की चिंता बढ़ गई है. सरकार ने पिछले साल युवाओं के इस्तेमाल और एनवायरनमेंटल डैमेज को लेकर चिंताओं के कारण सिंगल-यूज़ या डिस्पोजेबल वेप्स की बिक्री पर बैन लगा दिया था. नया कानून उन नियमों को और सख्त करेगा, जिसमें मंत्रियों को सेकेंडरी कानून के जरिए तंबाकू, वेपिंग और निकोटीन प्रोडक्ट्स के फ्लेवर और पैकेजिंग को रेगुलेट करने की पावर मिलेगी.

भारत आ रहे जहाज समेत दो को ईरान ने बनाया बंधक, होर्मुज में IRGC ने गोलीबारी भी की

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के सीजफायर के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट में टेंशन बढ़ी हुई है. बुधवार को ईरान के सुरक्षा बलों ने होर्मुज से गुजर रहे तीन जहाजों पर हमला किया. इन जहाजों में से एक भारत की ओर जा रहा था. इस गोलीबारी के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है. जहाज-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि तीनों कंटेनर जहाज फारसी खाड़ी से होते हुए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे. इनमें से दो जहाजों ने जलमार्ग पार करते समय अपने स्थान, गंतव्य और मूल बंदरगाह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी. ईरान ने भारत आ रहे जहाज समेत दो को बंधक भी बनाया है.

भारत आ रहा था एक जहाज

जहाज-ट्रैकिंग सर्विस VesselFinder पर उपलब्ध AIS डेटा के अनुसार, 'एपामिनोंडास' ने भारत को अपना गंतव्य बताया था. बुधवार को सबसे पहले इसी जहाज पर गोलीबारी हुई थी. UK मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, ईरान के की IRGC की एक गन बोट ने होर्मुज स्ट्रेट में ओमान से 15 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व की ओर इस कंटेनर जहाज पर गोलीबारी की. इस हमले से जहाज के कमांड सेंटर को भारी नुकसान पहुंचा.

दो जहाजों को अपने कब्जे में लिया

ईरान के सरकारी मीडिया ने इन तीनों कंटेनर जहाजों की पहचान लाइबेरिया के झंडे वाले एपामिनोंडास, पनामा के झंडे वाले MSC फ्रांसेस्का और यूफोरिया के रूप में की है. इस घटना में दो जहाजों को बाद में कब्जे में ले लिया गया और कम-से-कम एक जहाज को नुकसान भी पहुंचा. हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. ईरान ने जिन जहाजों को अपने कब्जे में लिया है, उनमें भारत आ रहा जहाज भी शामिल है.

ईरान बोला- नियमों का उल्लंघन किया

आईआरजीसी की गोलीबारी की जद में आने वाले अन्य जहाजों में 'एमएससी फ्रांसेस्का' श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह की ओर जा रहा था जबकि 'यूफोरिया' जहाज का गंतव्य जेद्दा था. ईरान ने दावा किया कि इन जहाजों ने समुद्री नियमों का उल्लंघन किया या चेतावनियों को नजरअंदाज किया. वहीं, कुछ समुद्री सूत्रों का कहना है कि कम-से-कम एक जहाज को पहले से अनुमति मिली हुई थी.

जलमार्ग मंत्रालय में एडिशनल सचिव मुकेश मंगल ने हाल ही में कहा था कि पिछले सप्ताह होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर भी गोलीबारी हुई थी, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा था. हालांकि भारतीय ध्वज वाला टैंकर 'देश गरिमा' 18 अप्रैल को सुरक्षित रूप से होर्मुज को पार कर चुका है और इसके जल्द मुंबई पहुंचने की उम्मीद है.

H-1B वीजा पर नया अपडेट:

अमेरिका में कानूनी इमिग्रेशन पर सख्ती, ट्रंप की नीतियों का छात्रों पर पड़ा सीधा असर

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की इमिग्रेशन नीतियों को लेकर एक रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। कोटे इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवास की तुलना में कानूनी प्रवास पर ज्यादा सख्ती दिखाई है, जिसका असर खासतौर पर छात्रों और हाई-स्किल्ड वर्कर्स पर पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के दौरान कानूनी इमिग्रेशन में तेज गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट अवैध सीमा पार करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा है। कानूनी प्रवास में कमी, अवैध प्रवास से करीब 2.5 गुना ज्यादा है। हर महीने करीब 1.32 लाख कम लोग कानूनी रास्ते से अमेरिका पहुंच पाए।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह बदलाव केवल सीमा नियंत्रण कर सीमित नहीं है, बल्कि पूरे इमिग्रेशन सिस्टम को प्रभावित करता है।

छात्रों और H-1B वीजा पर सबसे ज्यादा असर

रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे ज्यादा असर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रोफेशनल्स पर पड़ा है। स्टूडेंट वीजा में करीब 40% गिरावट आई है, वहीं H-1B वर्क वीजा में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आई है। इससे अमेरिका के शिक्षा और टेक सेक्टर पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई है, क्योंकि ये सेक्टर विदेशी प्रतिभाओं पर काफी निर्भर हैं।

ट्रंप के सत्ता में आने से पहले ही घटने लगा इमिग्रेशन

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अवैध इमिग्रेशन पहले ही ट्रंप के सत्ता में आने से पहले घटने लगा था। अवैध सीमा पार करने के मामलों में गिरावट पहले से जारी थी। ट्रंप प्रशासन ने इस ट्रेंड को जारी रखा, लेकिन सबसे बड़ा असर कानूनी रास्तों पर पड़ा।

कोटे इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट यह संकेत देती है कि ट्रंप प्रशासन की इमिग्रेशन नीति का फोकस केवल अवैध प्रवास रोकना नहीं था, बल्कि कानूनी प्रवास को भी बड़े पैमाने पर सीमित करना था।

'72 घंटों के अंदर होगी शांतिवार्ता' ईरान के साथ युद्धविराम पर बोले ट्रंप

- ट्रंप ने ईरान शांति वार्ता पर सकारात्मक संदेश दिया
- अमेरिका-ईरान वार्ता पाकिस्तान में संभव, 72 घंटों में
- न्यूयॉर्क पोस्ट रिपोर्ट में मध्यस्थता प्रयासों का जिक्र

नई दिल्ली। ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच शांति वार्ता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सकारात्मक संदेश दिया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का एक नया दौर शुक्रवार तक पाकिस्तान में हो सकता है। इस रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और कुछ अनाम पाकिस्तानी सूत्रों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार तेहरान के साथ शांतिवार्ता पर दोनों पक्ष अगले 36 से 72 घंटों के भीतर बातचीत कर सकते।

ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिका-ईरान के बीच शांतिवार्ता को लेकर ये खबर ऐसे समय में आई जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने की बात कही थी।

ट्रंप ने 'ट्रूथ' सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि उन्होंने इसलिए अपनी सेना को नाकेबंदी जारी रखने और अन्य सभी मामलों में पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया है।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सीजफायर को तब तक बढ़ाया जाएगा, जब तक उनका प्रस्ताव पेश नहीं हो जाता और बातचीत किसी न किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती है।

जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा टली

इससे पहले, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा भी टल गई, जहां ईरानी प्रतिनिधियों के साथ शांति वार्ता प्रस्तावित थी। वेंस और विशेष अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर मंगलवार को इस्लामाबाद जाने वाले थे, लेकिन अमेरिका ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की पाकिस्तान यात्रा मंगलवार को नहीं होगी।

मिशन के दौरान फाइटर जेट्स उड़ाते दोनों पायलट ले रहे थे सेल्फी और वीडियो, टक्कर होने के 5 साल बाद खुलासा

नई दिल्ली। आसमान की ऊंचाई में तेज आवाज के साथ गोता लगाते फाइटर जेट किसे रोमांचित नहीं करते हैं. बेजोड़ तकनीक और अनुशासन की मिसाल माने जाने वाले उन्नत फाइटर जेट की दुनिया में एक छोटी-सी लापरवाही कितनी महंगी पड़ सकती है, इसका चौंकाने वाला उदाहरण दक्षिण कोरिया से सामने आया है. जहां साल 2021 में आसमान में हुई टक्कर की जांच में अब खुलासा हुआ है कि दो फाइटर जेट इसलिए आपस में टकरा गए क्योंकि पायलट उड़ान के दौरान सेल्फी और वीडियो लेने में मशगूल थे. गनीमत ये रही कि फाइटर जेट में सवार पायलटों की जान बच गई, लेकिन इस हादस में कोरियन एयरफोर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा.

Daegu के ऊपर मिशन के दौरान हुआ हादसा

दक्षिण कोरिया के सियोल स्थित ऑडिट एंड इंस्पेक्शन के अनुसार यह घटना साल 2021 में उस समय हुई, जब दो F-15K फाइटर जेट Daegu के ऊपर एक रेगुलर उड़ान भर रहे थे और दोनों विमान मिशन पूरा कर अपने बेस पर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई. हालांकि अच्छी बात ये रही कि इस टक्कर में दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित रहे और उन्हें कोई चोट नहीं आई, लेकिन दोनों विमानों को भारी नुकसान पहुंचा. सैन्य अधिकारियों के मुताबिक विमानों की मरम्मत पर करीब 880 मिलियन वॉन (लगभग 5.96 लाख डॉलर) का खर्च आया.

आखिरी उड़ान की यादों के लिए खींची जा रही थीं तस्वीरें

रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना की जड़ में एक पायलट की वह इच्छा थी, जो अपनी मिलिट्री यूनिट के साथ आखिरी उड़ान को यादगार बनाना चाहता था. यह पायलट विंगमैन एयरक्राफ्ट उड़ा रहा था और उसने उड़ान से पहले ही ब्रीफिंग में बता दिया था कि वह तस्वीरें लेना चाहता है. ऑडिट बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उस समय महत्वपूर्ण उड़ानों की फोटो और वीडियो लेना पायलटों के बीच एक आम चलन था.

पर्सनल मोबाइल फोन से ली जा रही थीं तस्वीरें

रिपोर्ट के अनुसार, बेस की ओर लौटते समय पायलट ने अपने व्यक्तिगत मोबाइल फोन से तस्वीरें क्लिक करना शुरू कर दिया. जब यह बात लीड एयरक्राफ्ट पायलट को पता चली, तो उसने अपने विमान में मौजूद दूसरे पायलट से विंगमैन जेट का वीडियो बनाने को कहा. इसके बाद हालात तेजी से बिगड़ गए.

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लद्दाख में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए इस प्रदर्शनी को वैश्विक शांति के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि भारत में पहली बार भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, जो अपने मूल स्थान पर संरक्षित हैं, सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए लाए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी वैश्विक शांति और सद्भाव के संदेश को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अहिंसा, करुणा और आत्मजागरूकता पर भगवान बुद्ध की शिक्षाएं आज के अनिश्चितता और संघर्ष से भरे वैश्विक परिवेश में अत्यंत प्रासंगिक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बौद्ध विरासत के केंद्र के रूप में लद्दाख के महत्व पर बोलते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल आध्यात्मिक जुड़ाव का अवसर प्रदान करेगी बल्कि क्षेत्र में इससे सांस्कृतिक पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि पवित्र अवशेषों की ऐसी ही अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में विभिन्न देशों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत का सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव मजबूत हुआ है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से लद्दाख में 1 मई से 15 मई 2026 तक इस प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों, राजदूतों, प्रख्यात रिनपोचे, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की भागीदारी की उम्मीद है।

15 दिवसीय कार्यक्रम में पवित्र अवशेषों का सार्वजनिक दर्शन, भव्य जुलूस, पारंपरिक समारोह और ध्यान सत्र, योग शिविर, स्वास्थ्य पहल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रदर्शनियां और हिमालयी बौद्ध धर्म पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जैसे कई समानांतर कार्यक्रम शामिल होंगे। अधिक जानकारी के लिए कृपया https://tathagata.co.in/ पर जाएं।

प्रमुख स्थलों में महाबोधि अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र, धर्म केंद्र, लेह पैलेस और सीआईबीएस शामिल हैं। यह प्रदर्शनी 11 से 12 मई तक जांस्कर तक भी विस्तारित होगी, जिसके बाद 14 मई को लेह में इसका समापन समारोह होगा और 15 मई 2026 को पवित्र अवशेषों का प्रस्थान होगा।

इस कार्यक्रम में लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महानिदेशक अभिजीत हल्दर और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम का समापन सभी हितधारकों के बीच इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहल के सफल प्रबंधन को सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिससे बौद्ध विरासत के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

उच्चतम न्यायालय की फटकार के बाद भाजपा ने ममता का मांगा इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोयला घोटाले की जांच करने गए अधिकारियों को रोकने के मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद उनका इस्तीफा मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम बंगाल में जंगलराज और अराजकता का बोलबाला है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल है। न्यायालय की टिप्पणी के बाद ममता को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जिस प्रकार से न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना कर उन्हें काम करने से रोका इस पर कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि राज्य में इस तरह की अराजक व्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भाटिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है लेकिन ममता मस्त हैं। ममता ने जनता को ठगा है। राज्य की जनता त्रस्त है। जनता सोच नहीं सकती थी कि उनकी मुख्यमंत्री रक्षक से भक्षक बन गई है। उन्होंने कहा कि कल पश्चिम बंगाल में चुनाव है। राज्य की जनता इस बार बदलाव के लिए वोट करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में संदेशखाली में जिस तरह से महिलाओं का उत्पीड़न होता रहा है, ममता ने कुछ नहीं किया। राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। पश्चिम बंगाल की जनता तृणमूल कांग्रेस को इस बार सबक सिखाएगी।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने आई-पैक ऑफिस में ईडी की रेड के दौरान मुख्यमंत्री बनर्जी के कथित हस्तक्षेप को 'लोकतंत्र के लिए खतरा' बताते हुए कड़ी फटकार लगायी। जस्टिस पीके मिश्रा की बेंच ने इसे केंद्र-राज्य का नहीं बल्कि व्यक्तिगत कृत्य का विवाद बताया।

वनांचल में विकास की नई रोशनी

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से आजादी के बाद पहली बार दर्जनों टोलों के विद्युतीकरण को मिली मंजूरी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों के समग्र विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से आजादी के बाद पहली बार सूरजपुर जिले के वनांचल क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने की दिशा में बड़ी पहल साकार हुई है। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों गांवों और आश्रित टोलों के विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा तकनीकी स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दर्जनों गांवों में पहुंचेगी बिजली, बदलेगा जीवन स्तर

मंत्री श्रीमती राजवाड़े की पहल पर

कोल्हुआ: पुराना स्कूलपारा, खासपारा, जमतीपारा और बोकराटोला-2 के विद्युतीकरण को मंजूरी दी गई

महुली: हरिजनपारा, खासपारा-1 व 2, पांडोपारा, पोखरापारा, स्कूलपारा, पहेतापारा और पहाड़पारा में बिजली विस्तार का कार्य होगा।

करोटी: खासपारा, इमलीडीह, पोड़ीडोल, पोरतेपारा, परसापारा और गुलरडांडपारा जैसे क्षेत्रों में रोशनी पहुँचेगी।

चोंगा: मधवानीपारा, आमपारा, खासपारा और श्यामपारा के निवासियों को बिजली की सुविधा मिलेगी।

इसके साथ ही कछवारी (पांडोपारा, स्कूलपारा), खैरा (रेडियापारा-1 व 2), नवडीहा (मेन रोड) और कछिया (नवडीहा चौक) में भी विद्युतीकरण का कार्य किया जाएगा। इन क्षेत्रों में आजादी के बाद पहली बार नियमित विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे व्यापक स्तर पर ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी।

परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सूरजपुर के कार्यपालन अभियंता को सौंपी गई है, ताकि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित हो सके।

वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की यह लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस विषय को प्राथमिकता में रखते हुए लगातार विभागीय स्तर पर समन्वय किया, जिसके परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की लागत से 28 से अधिक विद्युतीकरण कार्यों को मंजूरी मिली।

इस पहल से न केवल घरों में उजाला होगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और स्थानीय रोजगार एवं छोटे व्यवसायों को भी नई गति मिलेगी।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंच रही है।

कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में राहुल गांधी की सभा को मिली अनुमति

एजेंसी, कोलकाता

आगामी 25 अप्रैल को कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावी जनसभा होगी। इसके लिए सेना की ओर से पार्टी को अनुमति मिल गई है।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पश्चिम बंगाल की सभी 294 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की तीन सीटों पर चुनाव प्रचार कर चुके हैं। लेकिन दूसरे चरण के चुनाव प्रचार के लिए कई जगहों पर सभा की अनुमति नहीं मिल रही थी।

पार्टी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक सेना की तरफ से यह मंजूरी अब मिल गई है। आगामी 25 अप्रैल को कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में राहुल गांधी की जनसभा होगी। प्रदेश कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, शनिवार दोपहर को शहीद मीनार में राहुल गांधी की सभा होगी।

संगठन के महासचिव सौरभ घोष ने बताया कि इससे पहले रानी रश्मोनी रोड और मैदान में राहुल गांधी की सभा के लिए पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा था। लेकिन इस बार शहीद मीनार में सभा की अनुमति सेना ने दे दी है।

कटोरा तालाब सिंधी धर्मशाला में सहयोग टीम की महिला मंडल की पहली बैठक सम्पन्न

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सहयोग ग्रुप की महिला मंडल की पहली बैठक आज कटोरा तालाब स्थित सिंधी धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में कटोरा तालाब के मुखी राजकुमार वाडिया (अप्पू भैया) द्वारा शहर के मध्य स्थान उपलब्ध कराने के लिए सहयोग ग्रुप ने आभार व्यक्त किया।

बैठक में दीया मूलचंदानी, ज्योति हुँदानी और दिव्या आडवाणी के नेतृत्व में महिला सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदर देवानी ने घोषणा की कि 'बेटी अभिभावक सम्मान समारोह 2026' का आयोजन सहयोग ग्रुप की महिला विंग द्वारा किया जाएगा। यह कार्यक्रम उन माताओं और बेटियों को समर्पित होगा जिनका बेटा या भाई नहीं है।

इस दौरान सहयोग ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदर देवानी, महेश खिलनानी, अंकित रोहरा, विष्णु रुपरेला सहित प्राची खेमानी, हेमा सुंदरानी, चांदनी सिहानी, दिव्या कुकरेजा, दीपा सुखवानी, गंगा बैठेजा, पूजा शिवानी, रीना तलरेजा, रितिका आहूजा, सिमरन बजाज, सुनीता अठवानी, भावना शर्मा, आरती छंगवानी, कविता मोटवानी, पूनम चावला, भारती अमलानी, संगीता होतवानी, बरखा लालवानी, कंचन आडवानी, पूजा पंजवानी, रेखा तोलवानी, पायल जसवानी, प्रिया अमलानी, मंजू मंघानी, रागिनी गोगिया, जानकी भावनानी, सोनम आहूजा, उषा मखीजा सहित अन्य महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

मानव एकता दिवस : सेवा और अध्यात्मिक समरसता का पवन अवसर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जब मानव हृदय में प्रेम कि अविरल धारा प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्या स्पंदन से आलौकिक होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पवन स्वरुप प्रकट होता है , ये वही अवस्था है जहाँ समस्त भेदभाव स्वत: विलीन हो जाते हैं और करुणा समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवंत हो उठता है. इसी दिव्या अध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी कि पावन स्मृति में मानव एकता दिवस 24 अप्रैल 2026 को श्रद्धा , समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जायेगा, जो सम्पुरण मानव जाती को एकत्व, सेवा और सदभाव का अमूल्य सन्देश प्रदान करेगा.

रायपुर ब्रांच के जोनल इंचार्ज श्री गुरबक्श सिंह कालरा ने बताया कि इस अवसर पर एक विशाल रक्त दान शिविर का आयोजन लाखे नगर स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जायेगा . देश विदेश कि विभिन्न शाखाओं में भी ये आयोजन इसी दिन किया जायेगा .

यह पावन दिवस बाबा गुरबचन सिंह जी और चाचा प्रताप सिंह जी कि दिव्या स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पुरण जीवन त्याग, समर्पण और नि:स्वार्थ की अद्वितीय मिसाल रहा है. उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया . उनके दिव्या आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्ववलित करते हैं

और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं बल्कि नि:स्वार्थ सेवा करुणा और आपसी भाईचारे में निहित है.

मीडिया प्रभारी प्रेम सिंह धामी ने बताया कि मॉडल ब्लड बैंक मेकाहारा से अनुभवी चिकित्सकों कि टीम द्वारा रक्त संग्रहण का कार्य किया जायेगा.इस शिविर में सैकड़ों की संख्या में भाई और बहने तथा समाज के जागरूक नागरिकों द्वारा मानव जीवन कि रक्षा हेतु स्वैक्षिक रक्त दान किया जायेगा. संत निरंकारी मंडल की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा ये आयोजन सम्पुरण विशव में किया जायेगा

उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन रक्त दान के क्षेत्र में सदाव अग्रणी रहा है जहाँ 4 दशकों से तक्तदान का सफल आयोजन किया जाता रहा है. विगत वर्षों में आयोजित हजारों रक्तदान शिविरों के माध्यम से अनगिनत जीवनों को नया जीवन प्राप्त हुआ है.

नि:संदेह यह पुण्य प्रयास सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज कि दिव्या शिक्षाओं का सजीव एवं प्रेरणादाई प्रतिबिम्ब है जो मानव हृदय में प्रेम, एकत्व और सहस्तित्व कि पावन ज्योति प्रजवलित करता है. उनकी करुणामई प्रेरणा प्रत्येक व्यक्ति को यह अनुभूति कराती है कि सच्चा जीवन वही है, जो सेवा, विनम्रता और आपसी सदभाव के मार्ग पर अग्रसर हो.

भीषण गर्मी के चलते व्यापम परीक्षाओं के समय में बदलाव, अब सुबह 10 बजे से होंगी परीक्षाएं

प्रतिदिन राजधानी)

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए व्यापम द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब परीक्षाएं सुबह 10 बजे से प्रारंभ होंगी, जबकि पूर्व में ये परीक्षाएं प्राय: दोपहर 12 बजे से आयोजित की जाती थीं।

व्यापम द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बदलाव करते हुए अभ्यर्थियों को राहत देने का निर्णय लिया गया है।

इस क्रम में मंडी बोर्ड की उप निरीक्षक परीक्षा 26 अप्रैल को निर्धारित परीक्षा केंद्रों में सुबह 10 बजे से आयोजित होगी। इसके बाद 14 मई को एसएससी नर्सिंग एवं पीईटी प्रवेश परीक्षा तथा 21 मई को पीपीएचटी परीक्षा भी सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी।कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में इन परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों के लिए शीतल पेयजल, पंखे तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भीषण गर्मी के बीच अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अभ्यर्थियों को बदले हुए समय का ध्यान रखने और उसके अनुरूप समय पूर्व केंद्रों में पहुंचने का आग्रह किया है। प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

वैज्ञानिकों ने पानी से मिट्टी विस्थापन में खोजे नए पैटर्न, तेल रिकवरी प्रक्रिया में होगी मददगार

एजेंसी, नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने मिट्टी और पानी के प्रवाह के बीच बनने वाले पैटर्न पर नई खोज की है। जब पानी मिट्टी (क्ले) को धकेलता है तो उसकी सतह पर अलग-अलग आकृतियां बनती हैं। पहले केवल साधारण शाखाओं जैसे पैटर्न देखे जाते थे, लेकिन अब शोधकर्ताओं ने दो नए पैटर्न जिगजैग और स्क्यूअरिंग की पहचान की है। यह खोज तेल निकालने की प्रक्रिया (ऑयल रिकवरी) और मिट्टी जैसी सामग्री को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने की तकनीक को बेहतर बनाने में मदद करेगी। केंद्रीय विज्ञान मंत्रालय ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान- रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई) के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया। वरिष्ठ प्रोफेसर रंजिनी बंद्योपाध्याय ने बताया कि इन नए पैटर्न का उभरना अप्रत्याशित था और यह क्ले की यांत्रिक प्रकृति को नियंत्रित करने के नए तरीके सुझाता है।

शोधकर्ताओं ने क्ले को पहले ओवन में सुखाकर उसका घोल तैयार किया और फिर विभिन्न योजक (एडिटिव्स) जैसे डाइमिथाइलफॉर्मामाइड (डीएमएफ), टेट्रासोडियम पाइरोफॉस्फेट (टीएसपीपी), सोडियम क्लोराइड और पोटैशियम क्लोराइड मिलाकर अलग-अलग नमूने बनाए। जब क्ले को शुद्ध पानी में घोला गया तो 'टिप-स्प्लिटिंग' पैटर्न बना, जबकि डीएमएफ और टीएसपीपी मिलाने पर ज़िगज़ैग और स्क्यूअरिंग पैटर्न सामने आए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के प्रति कांग्रेस अध्यक्ष के अपमानजनक टिप्पणी को बताया लोकतंत्र पर आघात

कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रयुक्त अपमानजनक शब्दों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री साय ने आज बुधवार को अपने सोशल अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी न केवल स्तरहीन, अपमानजनक, अमर्यादित और अशिष्ट है, बल्कि यह देश के उन करोड़ों नागरिकों का भी सीधा अपमान है, जो प्रधानमंत्री मोदी को अपना आदर्श मानते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग निंदनीय है और यह स्वस्थ राजनीतिक संवाद की मर्यादाओं को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की गरिमा पर गहरा आघात बताते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह के बयान लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं और इनकी जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की यह बौखलाहट उसके राजनीतिक पतन का स्पष्ट संकेत है।

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी से मांग की है कि वे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा देश की जनता से बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह बयान कांग्रेस की सोच और उसके पतन को दर्शाती है, जहाँ मुद्दों की जगह व्यक्तिगत आक्षेप और अमर्यादित भाषा ने ले ली है। लोकतंत्र में ऐसी मानसिकता न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि जनभावनाओं का अपमान भी है – कांग्रेस को तुरंत आत्ममंथन करते हुए बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

3147 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट का काम शुरू... पत्थलगांव-झारखंड सीमा तक सड़क निर्माण ने पकड़ी गति

रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा अब धरातल पर

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती पर रखी गई आधारशिला अब धरातल पर उतर आई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा (NH-43) तक 3147 करोड़ रूपये की लागत वाले मेगा परियोजना का निर्माण कार्य जमीनी स्तर पर शुरू कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में सबसे लंबा विस्तार

627 किलोमीटर लंबे रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण और विशाल हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। कुल लंबाई का लगभग 384 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ में है। वर्तमान में 104.250 किलोमीटर लंबे पत्थलगांव-झारखंड सीमा खंड पर निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है।

382 छोटी-बड़ी संरचनाएं

इस खंड में कुल 382 छोटी-बड़ी संरचनाएं (पुल, अंडरपास आदि) बनाई जाएंगी, जो इस मार्ग को बाधारहित (Hassle-free) बनाएंगी। जिसमें 7 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 6 फ्लाईओवर और एक एलीवेटेड वायडक्ट स्ट्रक्चर, 10 वेहिकुलर अंडरपास (VUP), 18 लाइट वेहिकुलर अंडरपास (LVUP), 26 स्मॉल वेहिकुलर अंडरपास (SVUP), 11 ईओपी, 21 मवेशी एवं पैदल यात्री अंडरपास (PUP) और 278 बॉक्स पुलिया (Culverts) का निर्माण किया जा रहा है

इंटर-स्टेट कनेक्टिविटी होगी मजबूत

कोरबा परियोजना इकाई के परियोजना निदेशक डी.डी. पार्लावर ने बताया कि यह खंड रायपुर-धनबाद कॉरिडोर की रीढ़ है जिसका निर्माण कार्य शुरू हो गया है। हमारा लक्ष्य इसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करना है। यह राजमार्ग छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच इंटर-स्टेट कनेक्टिविटी और व्यापारिक परिवहन को नई मजबूती देगा।

जशपुर जिले की बदलेगी तकदीर

यह कॉरिडोर जशपुर जिले के लिए केवल सड़क नहीं, बल्कि लाइफलाइन साबित होगा। इसे इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह अंचल के महत्वपूर्ण नगरों- पत्थलगांव, कांसाबेल, कुनकुरी, दुलदुला और जशपुर को एक सूत्र में पिरोएगा। साथ ही, यह राजमार्ग रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और कोरबा जैसे औद्योगिक शहरों को सीधे झारखंड के धनबाद से जोड़कर व्यापारिक सुगमता प्रदान करेगा।

तेज और सुरक्षित कनेक्टिविटी

तेज और सुरक्षित कनेक्टिविटी के परिणामस्वरूप ईंधन, यात्रा समय और कुल परिवहन लागत में बचत होगी। छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच कोयला खदानों एवं कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में स्थित प्रमुख इस्पात संयंत्रों के लिए बेहतर अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यातायात में सुगम आवागमन एवं दुर्घटनाओं और प्रदूषण में कमी होगी।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444